RNI: UPHIN/2015/60902

राजधानी से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

www.theachivertimes.com

द अचीवर टाइम्स

डाक पंजीयन संख्या
एस.एस.पी.एल.डब्लू/एन
पी.439/2015-2017

वर्ष : 9 अंक : 226
पृष्ठ : 8 मूल्य : 3 रुपया
लखनऊ, शनिवार, 09 दिसम्बर, 2023

एक नज़र

मिचौंग तूफान के बाद चेन्नई में अभी भी जलभराव, शहर में पीने के पानी की भारी किल्लत

चेन्नई। चक्रवात मिचौंग के कारण तमिलनाडु के कई इलाकों में अभी भी सड़कों पर पानी भरा हुआ है। लोगों को पेयजल और अन्य आवश्यक वस्तुएं नहीं मिल पा रही हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन हालात से उबरने में मदद के लिए मुख्यमंत्री जन राहत कोष में एक महीने का वेतन दान करेंगे। मुख्यमंत्री ने सभी सांसदों और विधायकों से भी ऐसा करने का आह्वान किया है।

मुख्यमंत्री ने हालात का लिया जायजा

इस बीच आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने मिचौंग के बाद की स्थिति का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को तिरुपति और बापटला जिलों का दौरा किया। आंध्र के पूर्व मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने अमरावती में चक्रवात प्रभावित इलाकों में हालात का जायजा लिया।

सवाल के बदले रिश्वत के आरोप में महुआ की सांसदी गई

एजेंसी

नई दिल्ली। 15 अक्तूबर में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। महुआ पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है।

तृणमूल कांग्रेस की नेता महुआ मोइत्रा की लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई है। पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के आरोपों की जांच कर रही संसद की आचार समिति की रिपोर्ट सौंपने के बाद लोकसभा में यह फैसला लिया गया है। इस रिपोर्ट में महुआ की सांसदी खत्म करने की सिफारिश की गई थी। इससे पहले 15 अक्तूबर में भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने महुआ के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। दुबे के अनुसार, यह शिकायत सुप्रीम कोर्ट के वकील जय अनंत देहादराई द्वारा मुहैया कराए गए सबूतों के आधारित थी। आइये जानते हैं कि पैसे लेकर सवाल पूछने का पूरा मामला क्या है? महुआ पर आरोप किसने लगाए हैं?

मामले में निशिकांत दुबे और जय अनंत देहादराई की भूमिका क्या है? मामले में आचार समिति की रिपोर्ट क्या आई? महुआ की सदस्यता क्यों गई? अब आगे क्या होगा?

आचार समिति में क्या हुआ?

पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने के मामले की जांच करने वाले लोकसभा की आचार समिति ने 2 नवंबर को पूछताछ की थी। वहीं 9 नवंबर को एक बैठक में भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर की अध्यक्षता वाली समिति ने रिश्वत लेकर सवाल पूछने के मामले में मोइत्रा को लोकसभा से निष्कासित करने की सिफारिश करते हुए अपनी रिपोर्ट सौंपी थी। कांग्रेस सांसद परनीत कौर सहित समिति के छह सदस्यों ने रिपोर्ट के पक्ष में मतदान किया था। जबकि विपक्षी दलों से जुड़े समिति के चार सदस्यों ने असहमति नोट प्रस्तुत किए थे। विपक्षी सदस्यों ने रिपोर्ट को %फिक्स्ड मैच% करार दिया और कहा कि भाजपा सांसद निशिकांत दुबे द्वारा दायर शिकायत के समर्थन में कुछ भी सबूत पेश नहीं किया गया।

आरोपों पर महुआ का क्या कहना है?

इससे पहले आचार समिति के सामने खुद महुआ ने स्वीकार किया था कि उन्होंने संसद में सवाल पूछने के पोर्टल से जुड़ी अपनी आईडी-पासवर्ड साझा किए थे। हालांकि, महुआ मोइत्रा ने पहले एक बयान में अपने पूर्व साथी जय अनंत का जिक्र करते हुए कहा था कि आरोप झूठ पर आधारित थे।

महुआ की सदस्यता गई, लेकिन आगे क्या?

आचार समिति के पिछले निर्णयों से पता चलता है कि पैनल अनैतिक आचरण के दोषी पाए गए सदस्य के खिलाफ सदन से निलंबन, माफी या निंदा जैसे कदमों की सिफारिश करता है। हालांकि, इसके पास सांसद पर मुकदमा चलाने की दंडात्मक शक्तियां नहीं हैं। जैसा कि लोकसभा अध्यक्ष ने संसदीय समिति की सिफारिशों को आगे बढ़ाया है और मोइत्रा को निष्कासित कर दिया है। अब इस बात की अधिक संभावना है कि मोइत्रा इस मामले को अदालत में उठायेंगी।

संसद में रखी गई रिपोर्ट में क्या सामने आया है?

नई दिल्ली। आचार समिति की रिपोर्ट को शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन (4 दिसंबर) कार्यसूची में शामिल किया गया था। रिपोर्ट में न सिर्फ महुआ की सदस्यता निरस्त करने की, बल्कि उनके कृत्यों को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा मानते हुए इसकी जांच भी कराने की सिफारिश की गई है। रिपोर्ट पेश होने के बाद शुक्रवार (8 दिसंबर) को महुआ के खिलाफ निष्कासन प्रस्ताव लाया गया। वहीं लोकसभा में रिपोर्ट पर चर्चा के बाद सदन ने समिति की सिफारिश के पक्ष में वोट किया जिससे मोइत्रा की संसद सदस्यता खत्म हो गई। हालांकि, विभिन्न विपक्षी दलों के सदस्यों ने इस फैसले के विरोध जताया।

पैसे लेकर सवाल पूछने का पूरा मामला क्या है?

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा पर कारोबारी दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछने का आरोप है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी और उनके खिलाफ लोकसभा स्पीकर से शिकायत कर जांच की मांग की। उन्होंने दावा किया था कि ये सबूत वकील जय अनंत देहादराई द्वारा प्रदान किए गए थे। लोकसभा स्पीकर को लिखे अपने पत्र में दुबे ने कहा था कि उन्हें वकील और महुआ के पूर्व दोस्त जय अनंत का एक पत्र मिला है, जिसमें उन्होंने मोइत्रा और जाने-माने बिजनेस टाइकून दर्शन हीरानंदानी के बीच सवाल पूछने के लिए रिश्वत के आदान-प्रदान के सबूत साझा किए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि जय ने एक विस्तृत शोध किया है जिसके आधार पर उन्होंने निष्कर्ष निकाला है कि हाल ही में, मोइत्रा ने संसद में उनके द्वारा पूछे गए कुल 61 में से लगभग 50 प्रश्न दर्शन हीरानंदानी और उनकी कंपनी के व्यावसायिक हितों को बचाने के लिए थे। हालांकि, महुआ मोइत्रा ने जय अनंत का जिक्र करते हुए कहा कि आरोप झूठ पर आधारित थे। आरोप यह भी है कि कारोबारी हीरानंदानी अलग-अलग स्थानों से एवं अधिकतर दुबई से सवाल पूछने के लिए मोइत्रा की 'लॉगइन आईडी' का इस्तेमाल करते थे। इन आरोपों के सामने आने के बाद लोकसभा अध्यक्ष ने पूरा मामला आचार समिति के पास भेज दिया था।

विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकम का किया गया आयोजन

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यकम विकास खण्ड सुरसा के ग्राम हरदोई देहात में माननीय राज्यमंत्री (स्वंतत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल जी द्वारा यात्रा कार्यकम की आगवानी की गई। जिसमें समाज सेवी धनंजय मिश्रा, उप कृषि निदेशक, ग्राम प्रधान एवं खण्ड विकास अधिकारी भी उपस्थित रहें। माननीय मंत्री जी द्वारा ग्राम वासियों को सम्बोधित करते हुये कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी ने संकल्प लिया है कि सभी निरोगी रहे, सभी की आमदनी दोगुनी हो सब स्वस्थ्य रहे। आप सभी ग्राम वासी भी उनके सकंल्प से जुडकर हुये सभी योजनओं में लाभ प्राप्त कर आर्थिक रूप् से मजबूत बने। यह कार्यक्रम समस्त योजनाओं से पात्र लाभार्थियों को संतृप्त करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। इस हेतु अधिकारी व कर्मचारी पूर्ण मनोयोग से कार्य करे तथा समस्त पात्र लाभार्थियों को समस्त योजनओं से लाभावान्ति करे। इस मौके पर पर उनके द्वारा पीएम कुसुम योजना के लाभर्थी मुकेश कुमार त्रिवेदी पुत्र श्री श्यामाचरण त्रिवेदी, सुधीर सिंह पुत्र कृष्णपाल

सिंह को 3 एच0पी0 सोलर पम्प के प्रमाण पत्र वितरित किये गये। राकेश कुमार पुत्र पुत्तू लाल को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि स्वीकृत पत्र रिषीपाल पुत्र रामप्रकाश, गज्जा के पुत्र कालिका और मुंशी के पुत्र बहादुर को कृषि यंत्र वितरित किये गये। विकास खंड मल्लावां के ग्राम मंसूरपार तिगावां में माननीय विधायक आशीष सिंह आशू जी, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी व ग्राम माझगांव में वरिष्ठ समाज सेवी श्रीमती विमला देवी जी ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड भरखनी में माननीय विधायक मानवेन्द्र सिंह जी, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, व ग्राम पातीपुर पचरईया में जिला उपाध्यक्ष भाजपा संदीप सिंह ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड पिहानी में ग्राम इटारा व तब्कलपुर ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी उपस्थित रहे। विकास खण्ड शाहाबाद के ग्राम दरियापुर विक्कू व सहादत दोनो जगह में सत्येन्द्र सिंह जिला उपाध्यक्ष भाजपा, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी विकास खण्ड बावन के ग्राम सुहेडी में जिला उपाध्यक्ष भाजपा, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी व ग्राम नेवादा चौगंवा में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड साण्डी के ग्राम शेखपुर व चौसार में माननीय ब्लाक प्रमूख अनिल कुमार राजपूत जी, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड माधौगंज के ग्राम क्योटी स्वागजीपुर व तेरवा में ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड अहिरोरी के ग्राम केशवन में ब्लाक प्रमुख धर्मबीर सिंह पन्ने जी, ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, ग्राम बेहटामुर्तजा में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड भरावन के ग्राम छावन व कुरौदा में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी विकास खण्ड सुरसा के ग्राम मोना में ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास खण्ड टडियावां के ग्राम लालपुर भैसारी में माननीय ब्लाक प्रमुख व ग्राम अलीनगर में भाजपा उपाध्यक्ष ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी, विकास सण्डीला के ग्राम माझगावं व मऊचौना में माननीय सदस्य विधान परिषद अशोक अगवाल जी ग्राम प्रधान व खण्ड विकास अधिकारी द्वारा यात्रा कार्यकम में प्रतिभाग किया गया। कृषि विभाग के कार्मिको द्वारा पीएम किसान योजना के अन्तर्गत ई-केवाईसी भूलेख अंकन, केसीसी एवं नये पंजीकरण मौके पर कराये जा रहे। कृषको को श्री अन्न (मिलेट्स) के सम्बन्ध में भी जानकारी दी गई। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना की जानकारी भी दी गई। कृषको को रबी की फसलों की तकनीकी जानकारी के साथ फसलो की लाइन से रोपाई एवं बुबाई के लिये प्रेरित किया गया। कृषको को प्रमाणित बीजो के बारे में जानकारी दी गई । कृषक राजकीय कृषि बीज भण्डार से प्रमाणित बीजो पर 50 प्रतिशत अनुदान पर प्राप्त कर सकते है। उपरोक्त कार्यकम में आज कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक, स्वास्थ्य, शिक्षा एवं खाद्य आदि विभागों के कर्मचारी/अधिकारी उपस्थित रहे।

कब और किसकी के चक्कर में लटकी मध्य प्रदेश की सरकार

इस बार नतीजों के बाद सीएम की कुर्सी को करना पड़ सबसे लंबा इंतजार

एजेंसी

इंदौर। प्रदेश में विधानसभा चुनाव में भाजपा को स्पष्ट बहुमत प्राप्त हो गया है। भाजपा ने 163 सीट जीती हैं, जो सदन की कुल 230 सीटों की करीब 71 प्रतिशत होती हैं। इसी तरह वोट भी भाजपा ने 49 प्रतिशत के लगभग प्राप्त कर एक रिकॉर्ड बनाया है। फिर भी सीएम चुनने और नई सरकार के गठन में लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। 3 दिसंबर को नतीजे आने के बाद बीते पांच दिनों से सीएम चेहरे को लेकर मंथन ही जारी है। अब सोमवार तक नए सीएम व सरकार का फैसला होने की उम्मीद है। इस बार भाजपा ने राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री का चेहरा पहले से घोषित नहीं किया था, मुख्यमंत्री का चेहरा प्रोजेक्ट करने से आलाकमान कतराता रहा, जबकि प्रदेश में इससे पूर्व 1998 में उमा भारती के नेतृत्व में चुनाव लड़ा था, इसलिए उन्हें मुख्यमंत्री बनाया गया था। हुबली प्रकरण में उमा भारती को इस्तीफा देना पड़ा था बाद में बाबूलाल गौर और फिर शिवराजसिंह चौहान को प्रदेश के मुखिया पद की कमान सौंपी गई। पिछले चुनावों में मुख्यमंत्री के लिए शिवराज सिंह के नाम की घोषणा करने में देरी नहीं हुई थी, लेकिन इस बार मुख्यमंत्री के नाम को लेकर काफी विलंब हो रहा है। स्पष्ट बहुमत है, आलाकमान और पार्टी के बड़े नेता की प्रदेश में बात विधायकों द्वारा स्वीकार की जाएगी, फिर भी सीएम के नाम की घोषणा में विलंब हो रहा है। 1993 और 1998 में दिग्विजय सिंह प्रदेश के मुख्यमंत्री बने उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ा गया था, इसलिए उनके नाम पर कोई विवाद नहीं था। 2018 में कमलनाथ का चेहरा मुख्यमंत्री के तौर पर था, इसलिए वे मुख्यमंत्री बने। पिछले तीन दशक में चुनाव परिणाम की घोषणा और मुख्यमंत्री के पद की शपथ के दिनों में अंतर देखे तो कुछ जायदा नहीं रहा है तीन या चार दिन काफी रहे हैं परंतु 2018 में छह दिन का अंतर रहा था। यह सब पूर्व में चेहरे तय होने के बावजूद हुआ। इस बार लगता है कि प्रदेश के मुखिया के शपथ लेने में अभी दो या तीन दिन और लगेंगे। यदि ऐसा होता है तो पिछले तीन दशक में परिणाम की घोषणा होने के बाद मुख्यमंत्री की शपथ लेने में यह सबसे लंबा इंतजार होगा। वैसे भी 2023 में मतदान और परिणाम में काफी लंबा 16 दिन का समय लग गया और अब स्पष्ट बहुमत के बाद मुख्यमंत्री का नाम तय करने में हो रहा विलंब यह बताता है कि आलाकमान को नाम चयन में काफी परेशानी हो रही है। इसकी वजह कई दावेदारों के साथ जातिगत समीकरण और आगामी लोकसभा चुनाव की रणनीति को भी साधना है।

सीएम चुनने और नई सरकार के गठन में लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। 3 दिसंबर को नतीजे आने के बाद बीते पांच दिनों से सीएम चेहरे को लेकर मंथन ही जारी है। अब सोमवार तक नए सीएम व सरकार का फैसला होने की उम्मीद है।

समृद्ध दशक की दस्तक उत्तराखंड वैश्विक निवेशक सम्मेलन

दून में जुटे निवेशक, पीएम मोदी ने दिया बड़ा संदेश

एजेंसी

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को देहरादून के वन अनुसंधान संस्थान में आयोजित भव्य कार्यक्रम में उत्तराखंड वैश्विक निवेशक सम्मेलन का उद्घाटन किया। उन्होंने उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजार में ले जाने के उद्देश्य से ब्रांड हाउस ऑफ हिमालयाज भी लांच किया। इस दौरान अदाणी समूह के डायरेक्टर एमडी प्रणव अदाणी, जेएसडब्लू के चेयरमैन सज्जन जिंदल, आईटीसी के चेयरमैन संजीव पुरी, पतंजलि के संस्थापक योगगुरु बाबा रामदेव समेत छह नामी उद्योगपतियों ने मंच से राज्य में निवेश की घोषणा की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले कुछ वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। मेरे तीसरे कार्यकाल (टर्म) में देश की अर्थव्यवस्था तीसरे पायदान पर होगी। उन्होंने कहा कि स्थिर सरकार, एक सहायक नीति प्रणाली, सुधार और परिवर्तन की मानसिकता और विकास में विश्वास का संयोग पहली बार बना है। उन्होंने देश और दुनिया से आए निवेशकों और प्रतिनिधियों का आह्वान किया कि यह देश, कंपनियों और निवेशकों के लिए अभूतपूर्व समय है। लिहाजा उत्तराखंड के साथ चलें और इसकी विकास यात्रा में भाग लें। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत और भारतीयों को दुनिया उम्मीद और सम्मान से देख रही है। हर भारतीय एक दायित्व के रूप में इसे ले रहा है। हर देशवासी को लगता है कि विकसित भारत का निर्माण उसकी अपनी जिम्मेदारी है। पीएम ने उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल में श्रमिकों के सफल बचाव अभियान में शामिल राज्य सरकार और अन्य सभी लोगों की सराहना की।

> प्रधानमंत्री ने कहा कि अगले कुछ वर्षों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। मेरे तीसरे कार्यकाल (टर्म) में देश की अर्थव्यवस्था तीसरे पायदान पर होगी।

चारों ओर दिख रहा है डबल इंजन दून-दिल्ली की दूरी ढाई घंटे की रह जाएगी

पीएम ने कहा कि उत्तराखंड इसलिए विशेष है क्योंकि यहां डबल इंजन की सरकार है। यहां चारों ओर डबल इंजन का काम दिखाई दे रहा है। केंद्र सरकार ने यहां योजनाएं चलाई। यहां की सरकार ने उनको उतनी ही तेजी से जमीन पर उतारा। रोड, हवाई कनेक्टिविटी में निरंतर सुधार है। चारधाम और ग्रामीण सड़कें सुधरी हैं। दून से दिल्ली की दूरी ढाई घंटे की रह जाएगी। पंतनगर हवाई अड्डे के विस्तार से हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होगी। यह सब कृषि, उद्योग, लॉजिस्टिक्स, भंडारण, पर्यटन और आतिथ्य के लिए नए अवसर पैदा कर रहा है।

उत्तराखंड में बनेगा कन्वेंशन सेंटर: धामी

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने निवेशकों का आह्वान किया कि उत्तराखंड में डबल इंजन का मजबूत इरादा है और निवेश की भरपूर संभावनाएं हैं। ऐसा वातावरण शायद कहीं और नहीं मिलेगा। उन्होंने गुजरात की तर्ज पर उत्तराखंड में एक कन्वेंशन सेंटर बनाने की भी घोषणा की। उन्होंने आश्वस्त किया कि उत्तराखंड में निवेशक सुरक्षित हाथों में हैं। उनकी सरकार निवेशक मित्र नीतियां लाई हैं, जो राज्य और आपके सपनों को साकार करने के लिए तैयार है। उन्होंने प्रधानमंत्री को राष्ट्र ऋषि की मिसाल देते हुए कहा कि वह भारत को विश्व गुरु बनाने के लिए प्रयत्नशील हैं।

वेड इन इंडिया आंदोलन शुरू करें उत्तराखंड वेडिंग डेस्टिनेशन बन जाएगा

प्रधानमंत्री ने देश के अमीरों, संपन्न लोगों और युवाओं से मेक इन इंडिया, वेड इन इंडिया का आंदोलन शुरू करने की अपील की। उन्होंने कहा कि कहावत है कि शादी के जोड़े ईश्वर बनाता है। ईश्वर जोड़े बनाता है तो आप ईश्वर से आशीर्वाद लेने देवभूमि में आइये। उन्होंने अनुरोध किया कि अगले पांच से आठ वर्षों में वे अपने परिवार में से एक विवाह समारोह उत्तराखंड में करें। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में एक साल में 5000 शादियां भी होती हैं, तो एक नया बुनियादी ढांचा तैयार हो जाएगा और राज्य को दुनिया के लिए एक विवाह स्थल के रूप में बदल देगा।

दो करोड़ लखपति दीदी बनाने का संकल्प लेता हूं

प्रधान मंत्री ने उत्तराखंड सरकार को हाउस ऑफ हिमालय ब्रांड लॉन्च करने की बधाई दी। कहा कि यह उत्तराखंड के लोकल उत्पादों को विदेशी बाजारों में स्थापित करने के लिए अभिनव प्रयास है। इससे उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों को विदेशी बाजारों में पहचान मिलेगी, नया स्थान मिलेगा। पीएम ने कहा, देश में दो करोड़ ग्रामीण महिलाओं को लखपति दीदी का मैंने मन में संकल्प बना लिया है। ये हाउस ऑफ हिमालय जो ब्रांड है ना उससे मेरा दो करोड़ लखपति दीदी बनाने का काम और तेजी से बढ़ जाएगा।

आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम का हुआ आयोजन

द अचीवर टाइम्स - महेन्द्र कुमार

हसनगंज (उन्नाव)। विकास खण्ड हसनगंज की ग्राम पंचायत बीबीपुर चिरियारी में भारत सरकार के निर्देशानुसार आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम का हुआ आयोजन। क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य इंद्रमोहन सिंह की देखरेख में कार्यक्रम का हुआ श्रीगणेश। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे क्षेत्रीय विधायक बृजेश रावत जिन्होंने वहां उपस्थित जनता को दिल से आभार व्यक्त किया कहा आपने अपना बहुमूल्य समय दिया उसके लिए मैं आपका आभारी रहूंगा और भारतीय जनता पार्टी की कल्याणकारी योजनाओं की ग्रामीणों को दी जानकारी मौके पर ही प्रधानमंत्री आवास योजना के प्रमाण पत्र व आयुष्मान भारत बीमा कार्ड किया वितरण ।

लेखपाल के द्वारा वरासतन /रियल टाइम खतौनी पाकर ग्रामीणों के खिले चेहरे। उन्होंने कहा भारत एक सोने की चिड़ियां के नाम से जाना जाता था जहां हमारे पूर्वज बड़े-प्रेम भाव से रहते थे कैसे-कैसे कष्ट सहते थे शिक्षा की उचित व्यवस्था न होने कारण शिक्षा से भी वंचित रहे। लेकिन अब जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तब से गरीबों की कल्याण की बात करती है किसानो के लिए सम्माननिधि योजना लाभ दिया जिससे किसानों को खेती करने में मदद मिली महिलाओं एवं बेटियों के सम्मान की बात करते हुए कहा आज बेटियां पेट में ही नहीं मारी जा रही है भ्रूणहत्या के सख्त खिलाफ है सरकार । बेटियों के लिए गर्भापोषाआहार की योजना लागू की जहां प्रति 1000 प्रतिशत लड़को की संख्या पर मात्र 800 प्रतिशत ही लड़कियां पाई जाती थी वहां आज आंकड़ा लगभग 950 तक है। बेटियों की शिक्षा के लिए सरकार उनको पढ़ाई का खर्च देती है व शादी योग्य होने पर उनकी शादी की भी व्यवस्था की जो की सामूहिक विवाह योजना लागू कर शादी कराने का कार्य किया क्षेत्रीय विधायक ने जानकारी देते हुए कहा 24 नवंबर 2023 को विकासखण्ड हसनगंज छोटा खेड़ा विद्यालय में 94 जोड़ों का विवाह भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने करने का कार्य किया था जिसमें बेटियों को सरकार की योजना की तरफ से 35 हजार रुपए खाते में मिलते हैं। आभूषण व अन्य जरूरत मन्द सामग्री दी जाती है। समता समानता हक अधिकार बराबरी की बात करती है चाहे राशन वृद्धा/ विधवा पेंशन हो या आयुष्मान भारत कार्ड चाहे आवास हो शिक्षा सबको बराबरी का अधिकार देने का काम किया है भारतीय जनता पार्टी ने। क्षेत्रीय विधायक ने ग्रामीणों से अपील की आने वाले समय में भारतीय जनता पार्टी को वोट दें। मौके पर भारतीय जनता पार्टी के जिला उपाध्यक्ष राकेश साहू , ओ.बी.सी. जिलाअध्यक्ष नरेंद्र , महेन्द्र कुमार, क्षेत्रीय जिला पंचायत सदस्य इंद्रमोहन सिंह, लालजी सिंह, बीबीपुर प्राइमरी स्कूल के प्रधान अध्यापक सिद्धनाथ मौर्य व अध्यपकगण प्रगति चंदेल , प्रीति वर्मा , आदित्ति सैनी , कमलेश कुमार , कैलाशपति वर्मा व ग्राम सचिव देश दीपक गौड़ , क्षेत्रीय लेखपाल चंद्रकिशोर सक्सेना , रोजगार सेवक जितेंद्र कुमार व अतुल कुमार रावत ग्राम ग्राम पंचायत में मंगल सिंह , बाबू सिंह , आंगनबाड़ी ग्राम सेविका विद्यालय की रसोईया समेत सैकड़ों ग्रामीण रहे उपस्थित।

विज्ञान हमारे जीवन स्तर को ऊपर उठाता है: जिलाधिकारी

❖ मोबाइल एशोसिएशन ने अपर पुलिस अधीक्षक से मिलकर उठाई निष्पक्ष जांच की मांग।

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। जिला विज्ञान क्लब के तत्वावधान में जनपद के वेणीमाधव विद्यापीठ बालिका इंटर कॉलेज में जनपद स्तरीय विज्ञान मॉडल प्रतियोगिता का आयोजन मुख्य अतिथि जिलाधिकारी मंगला प्रसाद की उपस्थित में किया गया, इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक ने जिलाधिकारी को स्मृति चिन्ह भेंट किया। जिलाधिकारी ने कहा कि विज्ञान का हमारे जीवन विज्ञान का बहुत महत्व है और यह विज्ञान हमारे जीवन स्तर को ऊपर उठाता है। उन्होंने यह भी कहा कि 01 जनवरी 2024 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले लोग मतदाता सूची में अपना नाम शामिल अवश्य करवा लें तथा अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। जिला विद्यालय निरीक्षक ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। बच्चों ने अत्यंत सुंदर मॉडल प्रस्तुत किये। जिलाधिकारी ने मॉडलों का अवलोकन किया तथा बच्चों की प्रतिभा की सराहना की। गाँधी इंटर कॉलेज की छात्रा हृषिता वैश्य ने सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने वाली तकनीक को प्रस्तुत किया। जिलाधिकारी इससे प्रभावित दिखे। आर आर इंटर कॉलेज के लाईफाई मॉडल, सेंट जेम्स स्कूल के ड्रिंक एण्ड ड्राइव सेफ्टी मॉडल, वेणीमाधव के इलोफ्रेंडली फूड प्रिजर्वेटिव मॉडल व दुर्गा प्रसाद इंटर कॉलेज खसौरा के स्मार्ट डस्टबिन मॉडल ने सभी का मन मोह लिया। इस अवसर पर जिला विज्ञान क्लब हरदोई के समन्वयक सतीश चन्द्र, जिला विद्यालय निरीक्षक बालमुकुन्द, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार, प्रधानाचार्य गीता शुक्ला व अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

एक नज़र

जिलाधिकारी ने किया नवीनीकृत किये जा रहे डीएम कोर्ट का निरीक्षण

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर में नवीनीकृत किये जा रहे डीएम कोर्ट का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कलेक्ट्रेट नाजिर को निर्देश दिए कि नवीनीकृत कार्य को जल्द पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि कोर्ट में लगे हुए पुराने पंखों तथा टूटे हुए फर्नीचर को बदला जाए। हवा आदि की उचित व्यवस्था की जाए। कोर्ट के फर्नीचर को व्यवस्थित तरीके से रखा जाए। इस अवसर पर जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार व अन्य संबंधित लोग उपस्थित रहे।

हृदय रुकने से बस चालक की मौत

द अचीवर टाइम्स दीपक सिंह

खुटार। हरिद्वार से चलकर बहराइच जा रही रोडवेज बस के चालक ने यात्रियों के नाश्ते के लिए एक ढाबे पर बस रोकी जहां अचानक रोडवेज चालक अचेत होकर गिर पड़ा मौके पर मौजूद रोडवेज परिचालक एवं ढाबा पर मौजूद लोगों ने उन्हें खुटार के सरकारी अस्पताल पर लेकर आए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक रोडवेज चालक के परिजनों एवं डिपो के अधिकारियों को सूचित किया पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।जनपद बहराइच डिपो में रोडवेज बस चालक सहज राम यादव(45) पुत्र ननुख्खे जनपद श्रावस्ती के थाना इकौना में रहने वाले परिचालक राजेश कुमार के साथ रोडवेज बस लेकर हरिद्वार गये थे।जहां से सवारियां भरकर बस लेकर वापस बहराइच डिपो जा रहे थे।गुरुवार की रात खुटार पूरनपुर स्टेट हाईवे पर क्षेत्र के गांव लौहंगापुर के पास स्थित एक ढाबे पर यात्रियों को खाना खाने के लिए चालक सहज राम ने बस रोकी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रोडवेज चालक सहजराम ढाबे पर लगे नल से पानी पीने के लिए गये और बही अचानक अचेत होकर गिर पड़े।रोडवेज चालक को अचेत होते देख वहां मौजूद रोडवेज बस परिचालक एवं ढाबा पर मौजूद लोग उन्हें तुरंत उठाया और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खुटार पर लेकर आए जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।परिचालक राजेश कुमार ने हादसे की सूचना मृतक रोडवेज चालक सहजराम के परिजनों को दी खबर मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और उन्होंने डिपो के अधिकारियों को घटना की सूचना दी खबर मिलते ही उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया। मृतक रोडवेज चालक सहज राम यादव की मौत की खबर मिलते ही उनके परिवार में कोहराम मच गया।मृतक रोडवेज चालक सहज राम यादव अपने पीछे पत्नी सीमा देवी पुत्र रवि यादव व किशन यादव एवं पुत्री खुशबू को रोता बिलखता छोड़ गये है।

मजदूरों पर मधुमखियों का हमला,आधा दर्जन घायल

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला/संदीप मौर्या

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। डाक्टरों के आवासीय परिसर में बांउन्ड्री वाल निर्माण कर रहे मजदूरों पर मधु मक्खियों का हमला आधा दर्जन लोग हुये घायल संयुक्त चिकित्सालय सिरौलीगौसपुर में भर्ती। शुक्रवार को संयुक्त चिकित्सालय सिरौलीगौसपुर के डाक्टरों के आवासीय परिसर में बांउन्ड्री निर्माण कार्य कर रहे मजदूरों पर मधु मक्खियों ने हमला कर ग्राम सहरी के मुकेश,सरवर अली दहेजिया जियाउद्दीन चंदौली, पृथ्वीराज बुधई पुरवा सहित आधा दर्जन मजदूरों को घायल कर दिया जिन्हें उपचार के लिए संयुक्त चिकित्सालय सिरौलीगौसपुर लाकर उपचार कराया जा रहा है।जिसमे मुकेश सहरी को उल्टियां हो रही थी।

365 डाकघरों में मिलेंगी सीएससी की सुविधाएं

बाराबंकी। कॉमन सर्विस सेंटर व जनसेवा केंद्रों पर मिलने वाली सुविधाएं अब जिले के डाकघरों में भी मिलेंगी। इसे लेकर शुक्रवार को शहर स्थित प्रधान डाकघर में कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला मुख्यालय, 39 उप डाकघर व 325 शाखा डाकघरों पर यह सुविधाएं मिलेंगी। इसके लिए अलग से काउंटर खुलेंगे। कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) अभी तक गांव और शहरों में सुविधा दे रहे थे। लेकिन डाकघरों में इस सुविधा को लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने पहल की है। शहर के प्रधान डाकघर में सीएससी के जिला प्रबंधक व उनकी टीम ने सात दिन पहले कर्मचारियों का प्रशिक्षण शुरू किया था। लाइव ट्रेनिंग प्रोजेक्टर के माध्यम से कर्मचारियों को बताया गया कि डिजिटल सेवा पोर्टल के माध्यम से डाकघरों में सीएससी की सुविधा दी जाएगी। डाकघरों में बिजली बिल, मोबाइल रिचार्ज, टीवी रिचार्ज, बस, ट्रेन व प्लेन में बुकिंग, किसान सम्मान निधि, पैन कार्ड, पासपोर्ट, बीमा किस्त, पेंशन सेवा के तहत श्रम योगी मानधन, किसान मानधन, राष्ट्रीय पेंशन योजना, व्यापारी मानधन योजना, फास्ट टैग, शिक्षा से जुड़ी सेवा बैंकिंग, बीमा, आईटीआर रिटर्न व अन्य सेवाएं मिलेंगी।

स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता अभियान का किया गया आयोजन

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 के अन्तर्गत मतदाता सूची में पंजीकरण कराने हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम मे आज स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत मतदाता जागरूकता अभियान, गोष्ठी एवं रैली का आयोजन विकास खण्ड अहिरोरी के ग्राम केसवन, विकास खण्ड बावन के ग्राम भिठारी, विकास खण्ड भरखनी के ग्राम साण्डी खेड़ा, विकास खण्ड टड़ियावां में ग्राम अलीनगर, विकास खण्ड सण्डीला में ग्राम माझगांव, विकास खण्ड साण्डी के ग्राम शेखपुर, एवं विकास खण्ड शाहाबाद के ग्राम दरियापुर विकू में किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग, ग्राम्य विकास विभाग एवं कृषि विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे मतदाता जिनकी 01 जनवरी, 2024 को 18 वर्ष आयु पूर्ण हो रही है वह ग्राम के बी0एल0ओ0 एवं लेखपाल से सम्पर्क कर फार्म-06 भरकर अपना वोटर आई0डी0 बनवा ले। देश के लोकतंत्र को मजबूती प्रदान करने के लिए देश का फार्म यानी फार्म-6, 7, 8 जरूरत एवं पात्रता के हिसाब से जरूर भरे। उप कृषि निदेशक ने बताया कि जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि ऐसे भारतीय नागरिक जो 01 जनवरी, 2024 को 18 वर्ष आयु पूर्ण कर रहे है या इससे पूर्व पूर्ण कर चुके है उन्हें मतदाता सूची में सम्मिलित होने के लिए फार्म-6 जरूर भरवायें। इसी तरह निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित करने के प्रस्ताव पर आपत्ति एवं पूर्व में शामिल नाम को अपमार्जित करवाने के लिए फार्म-7 एवं निवास परिवर्तन/मतदाता सूची में संशोधन/मतदाता फाटो पहचान पत्र का प्रतिस्थापन/दिव्यांग मतदाताओं के चिन्हांकन हेतु फार्म-8 भरें। यह अभियान 27 अक्टूबर, 2023 से 09 दिसम्बर, 2023 तक चलाया जायेगा।

जनहित कल्याणकारी योजनाओं की दी गयी जानकारी

द अचीवर टाइम्स आशीष सिंह

सफीपुर, उन्नाव । ब्लाक सफीपुर की ग्राम पंचायत मवईभान मे ओबीसी, और एससी समुदाय के साथ द्वद्व ञ्ञह्लह्वह्यह्ल संस्था लखनऊ की टीम के द्वारा सामाजिक सुरक्षा बैठक की गई जिसमें सरकार द्वारा चलाई जा रही जनहित कल्याणकारी योजनाओं को प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया गया जिसमे श्रमिक पंजीयन, राशन कार्ड, उन्नति योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना और वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन योजना के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई और योजानाओ में लगने वाले दस्तावेजों, और योजना की पात्रता के बारे में जागरूक किया गया उक्त बैठक में पंचायत सहायक आरती, जेएसएफ सुम्मैया, फील्ड ऑफीसर फूल चन्द्र दिवाकर और जन साथी अनिल, ओमश्री उपास्थित रही।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुई सीएम डैशबोर्ड की प्रगति की समीक्षा

द अचीवर टाइम्स निशान्त शुक्ला

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की प्रगति की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने कहा कि आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों का ससमय गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने असंतोषजनक फीडबैक की अधिक संख्या को लेकर विभिन्न विभागों से कड़ी नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा कि फ्लैगशिप स्कीमों में किसी भी प्रकार की कोताही न की जाए। गुणवत्तापूर्ण कार्य के साथ विभागीय पोर्टल पर ससमय फीडिंग पर भी ध्यान दिया जाए। पशुपालन विभाग को निर्देश दिए कि गोवंश संरक्षण के कार्य मे तेजी लायी जाए।सभी कार्यदायी संस्थाएं ससमय अपना कार्य पूर्ण कर फीडिंग कार्य सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जतायी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरुरानी व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

माल थाना क्षेत्र अंतर्गत जारी है प्रतिबंधित पेड़ों की कटान

❖ विभाग जान कर भी बना अनजान।

❖ लकड़कट्टो का नारा काटो पेड़ चलाओ आरा

द अचीवर टाइम्स निर्मल सैनी

लखनऊ। माल थाना क्षेत्र अंतर्गत में वन विभाग व पुलिस कि मिली भगत के कारण हरे पेड़ों का कटान जारी है। उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम के तहत वृक्षों को काटने के लिए तीन श्रेणियां बनाई गई है। प्रतिबंधित श्रेणी के वृक्षों को सरकारी विकास कार्यो में बाधा की स्थिति में सूखने या रोगगस्त होने या फिर जान माल से बाधक होने पर ही काटा जा सकता है।सूत्रों की मानें तो लकड़कट्टों ने हरे भरें पेड़ों को उजाड़ कर रख दिया है। आपको बता दें कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर सरकार विभिन्न प्रजातियों के पेड़ों को लगवाती है। सरकार का उद्देश्य यह है कि हरियाली रहेगी, फल भी मिलेगा और पर्यावरण भी शुद्ध रहेगा लेकिन सरकार व विभाग की इस योजना पर वनों को उजाड़ने वाले माफिया हावी है जो हरे आम के पेड़ों पर निर्भय हो आरा चला रहे हैं।सूत्रों की माने तो माल थाना क्षेत्र अंतर्गत सालेहनगर गांव के पास व अमलौली पुलिया से नेवादा रोड को जोड़ने वाले मार्ग के किनारे वन कटे रातोंरात पेड़ों को काट करके ठिकाने लगा दिया।सूत्रों की मानें तो प्रतिदिन माल थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रतिबंधित पेड़ों का कटान होता है।

पूरे दिन शिक्षक का इंतजार करते रहे बच्चे

सांडी। विकास खंड बिलग्राम के जूनियर हाईस्कूल में शुक्रवार को बच्चे शिक्षक का इंतजार करते रहे, मगर कोई शिक्षक नहीं पहुंचा। इससे विद्यालय में धमा-चौकड़ी मचाकर वापस आ गए। बीईओ बोले शिक्षक अवकाश पर थे, दूसरे शिक्षा मित्र को संचालन के लिए लगाया गया था। विकास खंड के जूनियर हाईस्कूल भट्योली शिक्षक विहीन विद्यालय है। विद्यालय के संचालन के लिए दूसरे शिक्षक को संबद्ध किया गया है। शुक्रवार को विद्यालय तो खुला, मगर कोई शिक्षक नहीं पहुंचा। बच्चे दो बजे तक विद्यालय परिसर में खेलते रहे और फिर घर लौट गए। ग्रामीण रामवीर, महेंद्र सिहं, बृजेंद्र सिंह, दलगंजन, शिवप्रताप, संजीव ने बताया कि विद्यालय में शिक्षक के न आने की शिकायत कई बार उच्चाधिकारियों से की गई मगर सुधार नहीं हुआ। विद्यालय से शिक्षक के न आने से पढ़ाई बाधित होती है। बीईओ बिलग्राम संतोष कुमार ने बताया कि विद्यालय शिक्षक विहीन है।

लगन की रशम से एक दिन पहले ही प्रेमिका को प्रेमी लेकर हुआ फरार

15 दिसंबर को आनी थी युवती की बारात

❖ पुलिस ने 3 महिलाओ सहित 6 लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर की कार्रवाही शुरु

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। जनपद के थाना बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव जखेड़ा रहमतपुर में एक युवक युवती का प्रेम इतना परवान चढ़ा कि प्रेमी युवक अपनी प्रेमिका को उसकी लगन रस्म से एक दिन पहले ही लेकर फरार हो गया । युवती की तहरीर पर 6 के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है आपको बता दे कि जखैडा रहमतपुर निवासी एक व्यक्ति ने थाना बहादुरगढ मे प्रार्थना पत्र दिया कि उसने अपनी बेटी उम्र करीब 21 वर्ष की शादी जनपद बुलंदशहर के गांव मे करने के लिए रिस्ता तय किया।प्रार्थी को लगभग 10 दिन पहले पता चला कि मेरी बेटी पड़ोस के शिवकुमार पुत्र जितेंद्र से बातचीत करती है तो प्रार्थी गांव के कुछ लोगों को बुलाकर शिवकुमार के घर पहुंचे और उसके घर के सदस्यों से बात बताई कि आपका लड़का मेरी लड़की से बातचीत करता है जो गलत है । हमने अपनी लड़की की शादी तय कर दी है इतनी बात सुनकर शिवकुमार की मां भाई विपिन पुत्र जितेंद्र प्रशांत पुत्र जितेंद्र बहने जो दिल्ली पुलिस में और यू पी पुलिस में है इन सब ने हमें आश्वासन दिया आप अपनी लड़की की शादी करो आपको हमारी व शिकुमार की तरफ से कोई परेशानी नहीं होगी अगर हमारी तरफ से कोई परेशानी आती है तो उसके जिम्मेदार हम होंगे। प्रार्थी की लड़की की शादी 15 दिसंबर 2023 को होनी थी लेकिन प्रार्थी की लड़की को 6- 12- 23 को शिवकुमार पुत्र जितेंद्र बहला-फुसलाकर घर से ले गया। प्रार्थी की लड़की घर में रखी सोने की चीज जिनका वजन लगभग चार तोला शादी के लिए रखे लगभ ढाई लाख रुपए साथ में ले गई प्रार्थी की लड़की को भगाने में शिव कुमार पुत्र जितेंद्र वह उसके परिवार वालों का पूरा सहयोग है जिसमें माता ,विपिन भाई प्रशांत भाई बहनें दिल्ली पुलिस व यू पी पुलिस वाली सबका हाथ है। जिन्होने साजिस कर दोनो का सहयोग किया है। कार्यवाहक बहादुरगढ थानाध्यक्ष वासुदेव सिंह ने बताया कि लडकी के पिता की तहरीर पर आरोपी तीन महिला सहित 6 के विरुद्ध संबंधित धाराओ मे मुकदमा दर्ज किया गया है विधिक कार्रवाही सुचारु है।

जे.सी.आई. संगठन के सदस्यों ने पत्रकार के घर पहुंच कर व्यक्त की शोक संवेदना

❖ जे.सी.आई.संगठन के अध्यक्ष ने मृतक के परिजनों को सरकार से हर संभव मदद दिलाने के लिए जिला अधिकारी को देंगे ज्ञापन।

द अचीवर टाइम्स-नीरज शुक्ला

रामनगर बाराबंकी। तहसील रामनगर के स्थानीय पत्रकार शिक्षक डॉ0 मंगली प्रसाद शुक्ला के सड़क दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया संगठन के बाराबंकी जिला अध्यक्ष बी.त्रिपाठी, अशोक कुमार सिंह जिला उपाध्यक्ष, व रामनगर तहसील के जे. सी. आई. संगठन अध्यक्ष पत्रकार कृष्ण कुमार शुक्ला, महामंत्री पत्रकार विवेक कुमार शुक्ला, जर्नलिस्ट काउंसिल आफ इंडिया के सदस्यों के साथ श्री शुक्ला के घर पहुंच कर परिजनों को शोक संवेदना व्यक्त की। वहीं शासन प्रशासन से जो भी सहायता मिल सकती है वह अपने संगठन के माध्यम से जिला अधिकारी महोदय को ज्ञापन देने की बात कही गई। इस अवसर पर पत्रकार विशाल अवस्थी, पत्रकार नीरज शुक्ला, पत्रकार बलवान सिंह, पत्रकार निरंकार त्रिवेदी, कमलेश पांडे, युगांत शुक्ला, सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

साइबर क्राइम में देश में आठवें स्थान पर यूपी

यौन शोषण संबंधी अपराध बढ़े

संवाददाता

लखनऊ। यूपी में यौन शोषण संबंधी साइबर क्राइम बढ़ गए हैं। वहीं, साइबर अपराधों के मामले में यूपी देश में आठवें स्थान पर है।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में साइबर क्राइम की वजहों में यौन शोषण के सर्वाधिक 787 मामले महाराष्ट्र में हुए, जबकि 542 मामले यूपी में हुए। यदि अन्य राज्यों में होने वाले साइबर क्राइम की घटनाओं की दर से तुलना की जाए तो यूपी आठवें स्थान पर है। यूपी में 2020 में साइबर क्राइम के 11,097, वर्ष 2021 में 8,829 और 2022 में 10,117 मामले दर्ज किए गए हैं। कर्नाटक में वर्ष 2022 में साइबर क्राइम के 10,741 मामले दर्ज हुए थे। बीते वर्ष यूपी में साइबर क्राइम के 45.3 प्रतिशत मामलों में ही अदालत में आरोप पत्र दाखिल हो सका। यूपी में साइबर क्राइम के मामलों की वजहों पर गौर करें तो बीते वर्ष 37 मामले आपसी रंजिश, 108 मामले गुस्से की वजह से, 4,506 धोखाधड़ी के उद्देश्य से, 1,250 वसूली के लिए, 883 छवि धूमिल करने के मकसद से और 58 मामले प्रैंक (मजाक) करने की वजह से अंजाम दिए गए थे। इसके अलावा 542 यौन शोषण, 57 राजनीतिक कारणों से और 13 देश के प्रति नफरत में किए गए थे। साइबर क्राइम में पुलिस ने बीते वर्ष 7,122 जालसाजों को गिरफ्तार भी किया। यूपी में बीते वर्ष पोर्नोग्राफी के सर्वाधिक 450 मामले भी दर्ज हुए।

लेकिन पर्यावरण संबंधी अपराधों में आई कमी

यूपी में पर्यावरण संबंधी अपराधों में लगातार कमी दर्ज की गई है। 2020 में पर्यावरण संबंधी अपराध के 2,981 मामले यूपी में दर्ज किए गए थे। 2021 में ये घटकर 1,573 और 2022 में ये 1,486 रह गई। बीते वर्ष पर्यावरण संबंधी अपराध के दर्ज मामले में वन्य संरक्षण अधिनियम के तहत 1,201, वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के 120, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के 103, वायु एवं जल प्रदूषण के छह, सिगरेट व तंबाकू उत्पादों से संबंधित 55 और ध्वनि प्रदूषण का एक मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने इनमें से 96.2 प्रतिशत मामलों में अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया।

जर्जर भवन में चल रहा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जिम्मेदार गायब

बीमार स्वास्थ्य केंद्र में कैसे होगा मरीजों का इलाज

संवाददाता

सूरतगंज बाराबंकी। बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर उत्तर प्रदेश की महन्त योगी आदित्यनाथ सरकार भले ही गम्भीर हो। लेकिन स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से लापरवाह बना हुआ है। मरीजों का इलाज करने वाले कई अस्पताल आज खुद बीमार हालत में है। इन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को विभाग की बदइंतजामी ने बीमार कर रखा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सूरतगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र अंतर्गत भिटौली प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र से डॉक्टर व एएनएम आय दिन नदारद रहते हैं। यहां डॉक्टर व एएनएम सहित सिर्फ तीन लोगों को तैनाती है। जिसमें डॉक्टर व अन्य स्टॉफ अधिकतर गायब ही रहता है। ऐसे में एक ही कर्मचारी के भरोसे यह प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र संचालित है। स्वभाविक है कि इस हालात में यहां स्वास्थ्य लाभ संभव नहीं है। परिणाम स्वरूप इलाके के लोग आज भी अपने इलाज के लिए झोला छाप डॉक्टरों पर निर्भर रहने को मजबूर हैं। इतना ही नहीं इस स्वास्थ्य केंद्र का भवन भी काफी जर्जर हो चुका है। छत व दीवारों से प्लास्टर टूटकर हमेशा गिरते रहता है। उधर चारदीवारी टूट जाने से आय दिन छुट्टा जानवरों का प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के परिसर में जमावड़ा होता है। जिससे लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। मरम्मत व देखभाल के अभाव में भवन के सभी कमरे जर्जर हो गए हैं। जिससे यहां रखे महत्वपूर्ण उपकरण व सामान भी बर्बाद हो जाता है। ग्रामीण क्षेत्र से मरीज इलाज के लिए प्रतिदिन पहुंचते हैं मरीजों को दवा की कमी रहने के कारण बाहर से दवाई खरीदना पड़ता है। स्वास्थ्य केंद्र में स्वच्छ पेयजल एवं बिजली की व्यवस्था भी नहीं है। फिल्हाल इस संबंध में सूरतगंज सीएचसी अधीक्षक डॉ0 संजय पाण्डेय का कहना है कि बिजली कनेक्शन और जर्जर भवन के लिए पत्र लिखकर संबंधित विभाग को भेजा गया है। जबकि डॉक्टर व एएनएम फिल्ड पर रहे होंगे।

एक नज़र

प्रादेशिक मुख्य आयुक्त के लिए डॉ. महेंद्र देव का नामांकन मंजूर

लखनऊ। भारी उठापटक और हंगामे के बीच बृहस्पतिवार को भारत स्काउट एंड गाइड के प्रादेशिक मुख्य आयुक्त के नामांकन में माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेंद्र देव के नाम पर मुहर लग गई। निर्वाचन अधिकारी ने एसीपी नेहा त्रिपाठी और एसीएम-5 की मौजूदगी में देर शाम इसकी घोषणा कर दी। उत्तर प्रदेश प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेशीय मंत्री और प्रवक्ता डॉ. आरपी मिश्रा ने बताया कि प्रादेशिक मुख्यालय, गोल मार्केट महानगर में भारत स्काउट एंड गाइड में प्रादेशिक मुख्य आयुक्त पद के लिए नामांकन की स्क्रूटनी होनी थी। स्क्रूटनी का काम निर्वाचन अधिकारी बंद कमरे में करा रहे थे। इसका विरोध किया गया और पुलिस को सूचना दी गई। शाम चार बजे के बाद एसीपी नेहा त्रिपाठी और एसीएम पंचम ने पहुंचकर दरवाजा खुलवाया और स्क्रूटनी प्रक्रिया कराई। इसके बाद डॉ. महेंद्र देव के नामांकन को मंजूरी मिल गई। इससे संघ के पदाधिकारियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। शिक्षक संघ का आरोप था कि निदेशक के नामांकन को अमान्य करार देने की साजिश रची जा रही थी। विरोध के बाद उसे मान्य किया गया। वहीं निर्वाचन अधिकारियों ने इसे निराधार करार दिया। उनके अनुसार, प्रकिया पूरी ईमानदारी और पारदर्शी तरीके से हुई है।

कलेक्शन एजेंट से लूट का प्रयास करने वाले चार बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ। दूध कंपनी के कलेक्शन एजेंट से लूट का प्रयास करने वाले चार बदमाशों को मड़ियांव पुलिस और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। बदमाशों के पास से अवैध रिवाल्वर और चोरी की बाइक मिली है। डीसीपी नॉर्थ कासिम आब्दी ने बताया कि मड़ियांव के गायत्रीनगर निवासी रतन शुक्ल अमूल दूध के कलेक्शन एजेंट हैं। 28 नवंबर को वह कलेक्शन की रकम बैंक में जमा करने जा रहे थे। तभी मड़ियांव में आईआईएम रोड पर बदमाशों ने आंखों में मिर्च पाउडर झोंककर नकदी से भरा बैग लूट लिया था। रतन के शोर मचाने पर स्थानीय लोगों ने बदमाशों को दौड़ा लिया था। इस पर बदमाश लूटा गया बैग फेंककर भाग गए थे। रतन ने मड़ियांव थाने में लूट के प्रयास का केस दर्ज कराया था। सीसीटीवी फुटेज और सर्विलांस की मदद से पुलिस व क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम बृहस्पतिवार को कोयला ढलान न्याय विहार कॉलोनी के पास से अंबेडकरनगर निवासी शोएब अख्तर उर्फ मोहम्मद, अरमान, साहिल और जानकीपुरम निवासी मोहम्मद हारुन को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से .32 बोर की रिवॉल्वर, चार मोबाइल फोन और चोरी की बाइक बरामद हुई है। डीसीपी ने बताया कि कलेक्शन एजेंट से लूट की साजिश मूल रूप से सीतापुर के बिसवां निवासी मोहम्मद हारुन ने रची थी। बिजली वायरिंग का काम करने वाला हारुन जानकीपुरम में किराए पर रहता है। पूछताछ में पता चला कि वह कई दिन से रतन की रेकी कर रहा था। उसने ही अन्य साथियों को फोन कर वारदात को अंजाम देने के लिए लखनऊ बुलाया था। आरोपी शोएब फल का ठेला लगाता है, जबकि अरमान और साहिल भी बिजली की वायरिंग करते हैं। आरोपी शोएब के खिलाफ अंबेडकरनगर में तीन आपराधिक मामले पहले से दर्ज हैं।

बढ़ी ठंड, खांसी-जुकाम से मरीज हो रहे परेशान

लखनऊ। मौसम में आए बदलाव ने मरीजों की मुश्किल बढ़ा दी है। बुखार के साथ ही खांसी व जुकाम के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। चिकित्सकों ने लोगों को सेहत के प्रति सतर्कता रहने की सलाह दी है। पिछले एक सप्ताह से दिन व रात के तापमान में दोगुना अंतर है। बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 24 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 14 डिग्री के बीच रहा। सुबह हल्की बारिश से मौसम ठंडा हो गया। बच्चे इसके प्रभाव में आने लगे हैं। जिला अस्पताल में 595 मरीजों का पंजीकरण किया गया। इसमें बुखार के 187, ठंड में 78, खांसी के 81, जुकाम के 61 व पेट दर्द के 89 समेत अन्य बीमारी से ग्रसित मरीज रहे। यही हाल गौरीगंज सीएचसी समेत 13 सीएचसी व 30 पीएचसी का भी है। अस्पतालों में अधिकांश जुकाम, बुखार व खांसी के मरीज आ रहे हैं। डॉक्टर भी उपचार करने के साथ दवा देते हुए बचाव विधि बता रहे हैं।

ठंड के साथ बढ़ रहे यह रोग, सेहत का रखें ख्याल

फिजिशियन डॉ शुभम पांडेय ने बताया कि ठंड बढ़ने के कारण अस्पताल में खांसी, जुकाम, बुखार के मरीज आ रहे हैं। इसके साथ ही हड्डी संबंधित रोगियों की भी संख्या बढ़ रही है। ऐसे में मौसम में शरीर को गर्म रखने के लिए गर्म कपड़े पहनें। स्वच्छता का विशेष ध्यान रखें। ठंडा पानी पीने से बचें। तेज गर्म पानी के स्नान से बचे और पौष्टिक भोजन करें। जहां तक संभव हो पीने में गुनगुने पानी का प्रयोग करें। दोपहिया वाहनों पर सफर करते समय पूरा शरीर ढका होना चाहिए। सीधे तेज हवा के संपर्क में आने से बचें। बच्चों को ठंड से बचाएं, उन्हें गर्म कपड़े पहनाएं। रात के समय पंखे का उपयोग न करें। इससे छोटे बच्चों को ठंड लगने की अधिक संभावना रहती है। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर अस्पताल में जांच करवाएं।

सब मरीजों का हो रहा उपचार

सीएमएस डॉ. बद्री प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि इन दिनों ज्यादातर मरीज सर्दी, जुकाम, खांसी के आ रहे हैं। उन्हें दवाइयां देकर सर्दी से बचने के उपाय बताए जा रहे हैं। उनका कहना है कि इस मौसम में लोगों को खानपान के साथ कपड़े पहनने में लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए। लापरवाही सेहत पर भारी पड़ सकती है।

1625 नए मार्गों पर जल्द चलेंगी रोडवेज की बसें

तीन कैटेगरी की होंगी बसें

संवाददाता

लखनऊ। सूत्रों ने बताया कि चिह्नित नए मार्गों में लखनऊ के आसपास के 35 गांव भी शामिल हैं। जरूरत के हिसाब से नए रूटों पर 28 सीट की छोटी, 40 सीटर मध्यम और 52 सीटर बसें शामिल चलाई जाएंगी। वाराणसी के अलावा झांसी, चित्रकूट, सहारनपुर और गाजियाबाद में भी नए मार्ग चिह्नित किए गए हैं। यूपी में अब रूटों पर रोडवेज की बसें चलने शुरू होंगी जहां पर इन बसों की सेवाएं अब तक नहीं है। परिवहन निगम जरूरत के हिसाब से छोटी और बड़ी बसों को डिमांड के अनुसार इन मार्गों पर शुरू करेगा। प्रदेश के सभी गांवों तक बस सेवा पहुंचने के लिए हुए सर्वे में 1625 नए रूट चिह्नित किए गए हैं। इन मार्गों पर बसों के संचालन के लिए राज्य परिवहन प्राधिकरण को प्रस्ताव भेजा गया है। अभी परिवहन निगम की करीब 12 हजार बसें विभिन्न जिलों के गांवों तक संचालित होती हैं, लेकिन कई गांव इससे अछूते हैं। इन गांवों को भी बस सेवा से जोड़ने के लिए यूपी रोडवेज ने सर्वे कराके नए मार्ग चिह्नित किए हैं। नए रूटों पर अनुबंधित बसें चलाने की योजना है। सूत्रों ने बताया कि चिह्नित नए मार्गों में लखनऊ के आसपास के 35 गांव भी शामिल हैं। जरूरत के हिसाब से नए रूटों पर 28 सीट की छोटी, 40 सीटर मध्यम और 52 सीटर बसें शामिल चलाई जाएंगी। वाराणसी के अलावा झांसी, चित्रकूट, सहारनपुर और गाजियाबाद में भी नए मार्ग चिह्नित किए गए हैं।

मार्गों का हुआ सर्वे

जनता को सुविधा देने के लिए सर्वे कराके 1625 नए मार्ग चिह्नित किए गए हैं। इन मार्गों का प्रस्ताव परिवहन प्राधिकरण को भेजा गया है। वहां से रही झंडी मिलते ही संचालन शुरू करने पर काम शुरू कर दिया जाएगा। बसों के चलने से यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

– मनोज कुमार पुंडीर, महाप्रबंधक संचालन परिवहन निगम

काली पट्टी बांधकर खाद्यान्न वितरण कर विरोध दर्ज कराया

संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली व्यवस्था के अंतर्गत कोटे की दुकान संचालित कर रहे कोटेदारों ने शुक्रवार को काली पट्टी बांधकर खाद्यान्न वितरण कर विरोध दर्ज कराया। अपनी विभिन्न मांगों को उठाते हुए उसे पूरा किए जाने की मांग की। मानदेय देने, कमीशन बढ़ाने सहित अन्य मांगों को लेकर कोटेदारों ने पांच दिसंबर से काली पट्टी बांधकर विरोध जताने का निर्णय लिया था। पूर्व प्रस्तावित कार्यक्रम के तहत शुक्रवार को क्षेत्र के सभी कोटेदारों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर खाद्यान्न वितरण सुनिश्चित किया। प्रति कुंतल 300 रुपये कमीशन की मांग को लेकर कोटेदार लामबंद हो गए हैं। निंदूरा ब्लाक के कोटेदारों ने बांह पर काली पट्टी बांधकर कार्डधारकों में राशन वितरण किया।चेताया कि यदि मांग पूरी नहीं हुई तो हड़ताल करेंगे। कस्बा टिकैतगंज कोटेदार विक्रम सोनी का कहना है।कि एक देश एक कार्ड केंद्र सरकार का नारा है।ऐसे में पूरे देश में राशन डीलरों का कमीशन भी एक समान होना चाहिए। जबकि ऐसा नहीं है देश के अलग अलग प्रदेशों में भिन्न भिन्न कमीशन की व्यवस्था है। इसमें सबसे कम कमीशन उत्तर प्रदेश के कोटेदारों को मिलता है।इससे प्रदेश के 80 हजार कोटेदार प्रभावित हैं।कहा कि सभी राशन डीलरों ने मानदेय व प्रति कुंतल कमीशन की मांग केंद्र सरकार से की। संगठन ने कोटेदारों की मांग को मजबूती देने के लिए दिसम्बर माह में सभी कोटेदार बांह में काली पट्टी बांधकर खाद्यान्न वितरण करने का निर्णय लिया है। चेताया कि यदि मांगे पूरी नहीं हुई तो सभी राशन डीलर्स जनवरी माह में अनिश्चित कालीन हड़ताल के लिए बाध्य होंगे।

अयोध्या में राम मंदिर तोड़कर नहीं बनाई गई थी बाबरी मस्जिद सुप्रीम कोर्ट के फैसले से हुआ साफः मदनी

लड़कियों की शिक्षा के लिए अलग स्कूल बनेः मदनी

संवाददात

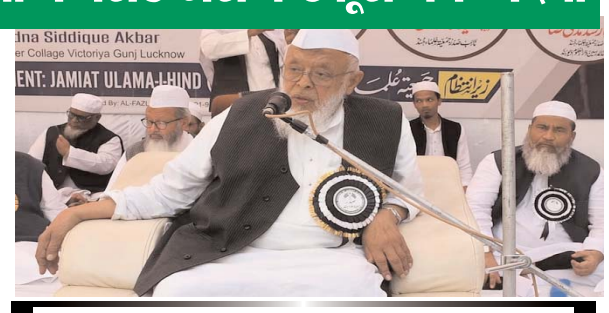

जमीयत उलमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि जो भी मस्जिद किसी मंदिर को तोड़कर बनाई जाएगी इस्लाम में वो मस्जिद नहीं होगी। उन्होंने मुस्लिम समुदाय से लड़कियों की शिक्षा के लिए अलग स्कूल बनाने की अपील की।

लखनऊ। जमीयत उलमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बाबरी मस्जिद की जगह राम मंदिर बनाने का फैसला आस्था की बुनियाद पर सुनाया था। कोर्ट के फैसले से ये साफ हो चुका है कि अयोध्या में बाबरी मस्जिद रामजन्मभूमि मंदिर को तोड़कर नहीं बनाई गई थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि जो भी मस्जिद किसी मंदिर को तोड़कर बनाई जाएगी इस्लाम में वो मस्जिद नहीं होगी। उन्होंने मुस्लिम समुदाय से लड़कियों की शिक्षा के लिए अलग स्कूल बनाने की अपील करते हुए कहा कि लड़कियों को धर्मांतरण का शिकार बना कर बर्बाद किया जा रहा है। वो जमीयत उलमा-ए-हिन्द के सम्मेलन के बाद मीडिया से मुखातिब थे। सुन्नी इंटर कालेज में प्रदेश के 37 जिलों के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन में कहा कि जो लोग भी सत्ता हासिल करने के लिए नफरत का माहौल बना रहे हैं, हम उनका विरोध करते हैं। कहा कि जमीयत उलमा हिंद राजनीतिक संगठन नहीं है। न तो हम चुनाव लड़ते हैं और न ही चुनाव लड़वाते हैं। सम्मेलन की अध्यक्षता प्रांतीय अध्यक्ष मौलाना सैयद अशहद रशीदी ने और संचालन मुफ्ती अशफाक आजमी ने की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मौलाना सैयद असजद मदनी, हाफिज अब्दुल कुददूस ने भी अपने विचार रखे। मौलाना हबीबुल्लाह मदनी ने समाज सुधार कार्यक्रम की रूप रेखा प्रस्तुत की।

नहर की बालू को ट्रैक्टर ट्राली व श्रमिकों से नहीं बल्कि जेसीबी से खोदकर कर डंपर से चल रही उठान

संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। सीतापुर प्रखण्ड अंतर्गत आने वाली सरौरा रजबहा की जमुआ स्थित नहर की निकली बालू का टेंडर प्रक्रिया की गई है।जिसके तहत नहर सिल्ट को ट्रैक्टर ट्राली व श्रमिकों के माध्यम से उठान कराना है। लेकिन ठेकेदारों द्वारा नहर की बालू को ट्रैक्टर ट्राली व श्रमिकों से नहीं बल्कि जेसीबी से खोदकर कर डंपर के माध्यम से उठान कराया जा रहा है। पोकलैंड से सिल्ट उठान होने पर एक तरफ नहर की पटरियां क्षतिग्रस्त हो रही है तो दूसरी तरफ डंपरों से सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही है।यही नहीं डंपर आसपास खेतों में लगी फसलें भी नष्ट कर रहे हैं। शुक्रवार को स्थानीय ग्रामीणों ने मामले की शिकायत उच्च अधिकारियों से की।अधिकारियों से शिकायत के बाद ठेकेदार द्वारा आनन-फानन में काम बंद कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया में सिल्ट उठाने लिए ट्रैक्टर व श्रमिकों के माध्यम से करने का नियम है। लेकिन बावजूद इसके संबंधित ठेकेदार विभागीय अधिकारियों से सांठ-गांठ कर नियमों की अनदेखी कर रहे हैं।जिसका खामियाजा हम किसानों को उठाना पड़ रहा है। डंपरों से सिल्ट उठान होने से आसपास के खेतों की फसलें नष्ट हो रही है। वहीं पोकलैंड व जेसीबी से सिल्ट उठाने से नहर की पटरियां क्षतिग्रस्त हो रही है।यही पटरियां पानी आने पर नहर कटान का कारण बनती है। संबंध में शारदा नहर सीतापुर सहायक अध्यापक तरुण त्रिवेदी ने बताया कि नहर की बालू का उठान जिलाधिकारी के निर्देश पर हो रहा है।मामले को दिखाया जाएगा अगर नियम शर्तो के विरुद्ध कार्य हो रहा है तो संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

बेसिक स्कूलों के टीचरों को मिले टैबलेट अब तक नहीं हुए ऑन

सब कुछ रियल टाइम में होना है अपडेट

संवाददाता

लखनऊ। अब विभाग की ओर से इस डाटा का विश्लेषण करने पर पता चला कि जिन विद्यालयों को टैबलेट दिए गए हैं, उसमें कई जगह इन्हें ऑन तक नहीं किया गया है। पंजिकाओं के डिजिटलाइजेशन की प्रगति भी काफी कम है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने बीएसए को ऐसे शिक्षकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। परिषदीय विद्यालयों में डिजिटलाइजेशन की कवायद जोरों पर है। इसके तहत हर विद्यालय में दो-दो टैबलेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इनके माध्यम से लखनऊ समेत सात जिलों में शिक्षकों की रियल टाइम उपस्थिति समेत 12 रजिस्टर भी डिजिटल रूप से अपडेट करने के निर्देश दिए गए। लेकिन विभाग को मिली रिपोर्ट के अनुसार कई विद्यालयों ने अब तक टैबलेट को ऑन तक नहीं किया है। शासन ने पिछले दिनों निर्देश दिया था कि लखनऊ, हरदोई, लखीमपुर खीरी, रायबरेली, सीतापुर, उन्नाव व श्रावस्ती में उपस्थिति पंजिका, प्रवेश पंजिका, कक्षावार छात्र उपस्थिति पंजिका, एमडीएम पंजिका, स्टॉक पंजिका, निरीक्षण पंजिका, पत्र व्यवहार पंजिका, बाल गणना पंजिका, पुस्तकालय व खेलकूद पंजिका, आय-व्यय व चेक इश्यू पंजिका को भौतिक के साथ डिजिटल रूप से भी रियल टाइम अपडेट करना है। इसके लिए विद्यालयों को टैबलेट उपलब्ध कराए गए। अब विभाग की ओर से इस डाटा का विश्लेषण करने पर पता चला कि जिन विद्यालयों को टैबलेट दिए गए हैं, उसमें कई जगह इन्हें ऑन तक नहीं किया गया है। पंजिकाओं के डिजिटलाइजेशन की प्रगति भी काफी कम है। महानिदेशक स्कूल शिक्षा ने बीएसए को ऐसे शिक्षकों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा ने स्कूलों को दिए टैबलेट के लिए सरकार से सिम देने की भी मांग की है। कहा कि कोई शिक्षक सरकारी काम के लिए अपनी आईडी पर सिम क्यों लेगा? कहा कि शिक्षकों को बिना 31 ईएल, दूसरे शनिवार का अवकाश, हाफ सीएल की सुविधा दिए बिना हम रियल टाइम उपस्थिति भी दर्ज नहीं कराएंगे।

शिक्षकों के वेतन भुगतान के निर्देश

शिक्षकों के एक से दूसरे जिले में तबादले के बाद उनके वेतन प्रमाण पत्र (एलपीसी) संबंधित जानकारी ट्रांसफर न होने पर वेतन जारी करने में दिक्कत आ रही है। विभाग ने निर्देश दिया है कि ई-मेल पर ऑफलाइन मिले अंतिम वेतन प्रमाण पत्र के सत्यापन के बाद पूर्व की प्रक्रिया के अनुसार शिक्षकों का वेतन भुगतान किया जा सकता है, अधिकारी ऐसे ही कार्यवाही करें।

प्रदेश भर में सिप्लाक्सिन कैप्सूल के वितरण पर पाबंदी

संवाददाता

सिद्धौर बाराबंकी। शुक्रवार को कंपोजिट विद्यालय सुसवाई में शिक्षक अभिभावक संघ की बैठक बुलाई गई जिसमें 100 से अधिक अभिभावकों ने प्रतिभाग किया बैठक में सबसे ज्यादा उपस्थिति वाले बच्चों को पुरस्कृत किया करते हुए अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया विद्यालय की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका अतिका कौसर ने अभिभावकों को नियमित रूप से विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करने के साथ साथ बताया प्रत्येक माह कक्षा एक से आठ तक के सर्वाधिक उपस्थित वाले बच्चों को पुरस्कृत करने का निर्णय लिया ए आर पी विज्ञान दिलीप वर्मा ने अभिभावकों से बालिकाओं को सक्षम बनाने हेतु शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला एवं बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने और सुबह शाम दो-दो घंटा घर पर पढाने हेतु अभिभावकों से अनुरोध किया एवं समस्त अभिभावकों को बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजने हेतु शपथ दिलाई। बैठक में स0अ0 सरोजनी देवी,अभिषेक तिवारी ,प्रिया सिंह ,राजेंद्र प्रसाद व सुनील कुमार उपस्थित रहे

सम्पादकीय

क्या वाकई सनातन का श्राप कांग्रेस को विधानसभा चुनावों में ले डूबा है?

इसमें कोई दो राय नहीं है कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस की करारी हार के पीछे सनातन का विरोध, सनातन के विरोध पर चुप्पी और मुस्लिम तुष्टिकरण बड़ी वजह है। एक तरफ जहां इस हार लेकर कांग्रेस में रोना-धोना मचा है, वहीं नैरेटिव का खेल भी जारी है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव नतीजे घोषित हो चुके हैं। हिंदी पट्टी के तीन राज्यों- मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी हार से बौखलाई कांग्रेस और इंडिया गठबंधन फिर से एक बार क्षुद्र राजनीति पर उतर आया है। रस्मी तौर पर हर बार की तरह इस बार भी विपक्ष ने अपनी हार, नाकामियों और कमियों का ठिकरा ईवीएम के सिर फोड़ा है। लेकिन इस बार विरोध सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है, बल्कि द्रमुक सांसद सेंथिल कुमार ने लोकसभा में बयान देकर जनादेश को 'उत्तर बनाम दक्षिण' करने की मंशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भाजपा हिंदी पट्टी के 'गौमूत्र' वाले राज्यों में ही चुनाव जीतती है। यह भी कोई नई बात नहीं है कि डीएमके के किसी नेता ने इस तरह का बयान कोई पहली बार दिया है, इससे पहले भी उसके नेता विभाजनकारी बयान देते रहे हैं। डीएमके सांसद का यह विवादित बयान कोई अनायास नहीं आया है, यह सोची समझी रणनीति का हिस्सा है। द्रमुक के नेताओं ने ही 'सनातन' के समूल नाश की बात कही थी और उसकी तुलना एड्स और कोढ़ जैसी बीमारियों से की थी। क्या ऐसी गालियां देना राजनीति के लिए जरूरी है? चाहे हिंदी भाषा की बात हो, सनातन संस्कृति की बात हो या फिर उत्तर-दक्षिण विवाद की बात हो, वे इसे लेकर विवादित बयान देते रहे हैं। द्रमुक विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' का ही घटक-दल है। विरोध के बाद सांसद को माफी मांगनी पड़ी, लेकिन ऐसा भाजपा-विरोध देश की 'विविधता में एकता' संस्कृति का अपमान और उल्लंघन है। हालांकि इस कथन को लोकसभा की कार्यवाही के रिकॉर्ड से बाहर कर दिया गया है, लेकिन यह अपमान कौन सहेगा?

इसमें कोई दो राय नहीं है कि राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में कांग्रेस की करारी हार के पीछे सनातन का विरोध, सनातन के विरोध पर चुप्पी और मुस्लिम तुष्टिकरण बड़ी वजह है। एक तरफ जहां इस हार लेकर कांग्रेस में रोना-धोना मचा है, वहीं नैरेटिव का खेल भी जारी है। यानि कांग्रेस हार से सबक लेने के लिए तैयार नहीं है। कांग्रेस के ही नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने पार्टी को आईना दिखाते हुए कहा कि सनातन का श्राप कांग्रेस को ले डूबा। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली हार के बाद लेफ्ट लिबरल गैंग और कांग्रेस समर्थक पत्रकारों-विश्लेषकों ने तरह-तरह के कुतर्क रचने शुरू कर दिए हैं। इंडिया टुडे के पत्रकार शिव अरूर ने कांग्रेस समर्थक पत्रकारों-विश्लेषकों की परतें उघाड़ कर रख दी है। इसी वीडियो को शेयर करते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस पर तंज कसते हुए लिखा, 'वे अपने अहंकार, झूठ, निराशावाद और अज्ञानता से खुश रहें। लेकिन उनके विभाजनकारी एजेंडे से सावधान रहें। 70 साल पुरानी आदत इतनी आसानी से नहीं जा सकती।' पीएम मोदी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि 'ऐसे लोगों की बुद्धिमत्ता है कि उन्हें आगे कई और मेल्टडाउन्स के लिए तैयार रहना होगा।' दरअसल कांग्रेस ने 70 सालों से यही अपना चाल, चेहरा और चरित्र बना लिया है। वह इस बात को समझ ही नहीं पाई सनातन संस्कृति के दम पर भारत हमेशा से धर्म परायण देश रहा है और यहां जातिवाद कभी नहीं रहा। कांग्रेस के तुष्टिकरण की पराकाष्ठा देखिए कि उदयपुर में कांग्रेस के प्रत्याशी गौरव वल्लभ ने कब्रिस्तान के लिए 5 बीघा जमीन मुफ्त देने की घोषणा ही कर डाली। उदयपुर वही जिला है, जहां दर्जी कन्हैया लाल की निर्मम हत्या हुई और ये मामले पूरे देश में सुर्खियों में रहा था। गहलोत सरकार इस पूरे मामले को लेकर सवालों के घेरे में रही। सनातन के विरोध और कन्हैया लाल के अपराधियों पर सख्त कार्रवाई नहीं करने के चलते उदयपुर विधानसभा सीट से कांग्रेस को बुरी हार का सामना करना पड़ा। बीजेपी के ताराचंद जैन ने यहां जीत का परचम लहराया। सनातन को गाली और मुस्लिम तुष्टिकरण और जिहाद को बढ़ावा देना कांग्रेस को किस तरह भारी पड़ा है उसे छत्तीसगढ़ के एक उदाहरण से समझा जा सकता है। छत्तीसगढ़ के 24 वर्षीय युवा भुवनेश्वर साहू को बेमेतरा के बिरनपुर में जिहादियों की भीड़ ने मार दिया था और उसके परिवार को कांग्रेस सरकार में न्याय नहीं मिला। उनके पिता ईश्वर साहू नितांत गरीब थे, उनको भाजपा ने 'साजा' सीट से टिकट दिया। भुवनेश्वर के पिता ईश्वर साहू ने 19600 मतों से 40 साल से कांग्रेस से विधायक मंत्री रविन्द्र चौबे को हरा दिया। रविन्द्र चौबे छत्तीसगढ़ में बघेल सरकार में कृषि मंत्री थे और सात बार विधायक रह चुके हैं। वोटबैंक के डर से और मुस्लिम तुष्टिकरण में कांग्रेस ने अपराधियों पर कार्रवाई नहीं की। ऐसे नतीजे कांग्रेस को हर बार बताते आएंगे कि आखिर क्यों जनता का समर्थन उसे नहीं मिलता। इंडिया गठबंधन के घटक दल समाजवादी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने कई बार तुलसीदास और रामचरितमानस के लिए विवादित शब्दावली का इस्तेमाल किया है। उन्होंने यहां तक कहा है कि हिन्दू नाम का कोई धर्म ही नहीं है, ये ब्राह्मण धर्म है। उन्होंने हिन्दू धर्म को धोखा बता दिया। इसी तरह, बिहार के शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर यादव ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में छात्रों के मन में रामचरितमानस को लेकर ज़हर भरा। स्वामी प्रसाद मौर्य और चंद्रशेखर यादव के अलावा उदयनिधि स्टालिन, ए. राजा, प्रियांक खडगे आदि सनातन को भला-बुरा कहने और कोसने वालों की लंबी कतार है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि सनातन धर्म दुनिया का सबसे पुराना धर्म है। सनातन धर्म पर अर्नगल बयानबाजी और टिप्पणियां न सिर्फ सनातन धर्म के खिलाफ हैं, बल्कि भारत के खिलाफ भी हैं। सनातन के अपमान से करोड़ों देशवासियों की भावनाएं आहत होती हैं। वास्तव में बात बस इतनी-सी है कि सनातन धर्म को लेकर जो-जो बातें कही गई, इस्लाम या ईसाई के लिए मुंह तक खोल देने पर ईशनिंदा का आरोप लग जाता है। मुंबई में 26/11 आतंकी हमले की साजिश कांग्रेस ने हिंदू आतंकवाद का नैरेटिव सेट करने के लिए रची थी। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और महेश भट्ट ने यह साबित करने की पूरी कोशिश की थी कि मुंबई आतंकी हमला हिंदू आतंकवाद के कारण हुआ। पाकिस्तानी आतंकवादी अजमल कसाब हाथ में कलावा और आई कार्ड समीर चौधरी का लेकर भारत में घुसा था। अगर वह जिंदा पकड़ा नहीं जाता तो कांग्रेस हिंदू आतंकवाद को साबित करने में सफल हो जाती। यही नहीं एक कांग्रेस समर्थक पत्रकार अजीज़ बर्नी ने एक किताब प्रकाशित की- ÷26/11, आरएसएस की साजिश÷। इस किताब का लोकार्पण कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और बॉलीवुड डायरेक्टर महेश भट्ट ने किया था। जहां तक ईवीएम का प्रश्न है, तो उससे जुड़े विवाद सर्वोच्च अदालत तक जा चुके हैं। चुनाव आयोग ने भी सर्वदलीय निमंत्रण दिया था और मशीन में गड़बड़ी निकालने की चुनौती दी थी। उसे विपक्ष ने स्वीकार क्यों नहीं किया? अब भी संशय में डूबा विपक्ष या उनका कोई भी प्रतिनिधि उचित मंच में ईवीएम को चुनौती दे सकता है। सवाल है कि क्या ऐसी विभाजक राजनीति और सनातन को गाली देकर विपक्ष 2024 का आम चुनाव जीता सकता है? क्या सनातन को गाली देना और विभाजनकारी मानसिकता ही विपक्ष का नया राजनीतिक एजेंडा है? क्या देश में गौ, गंगा, गायत्री, गीता का अपमान बर्दाश्त किया जा सकता है? लोकतंत्र में जनादेश ही अंतिम निर्णय है। वह जनता का निर्णायक रुख है। इंडिया गठबंधन और खासकर कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में मिली हार के कारणों पर विचार करना चाहिए और जो जनादेश देश की जनता ने सुनाया है, उसे विनम्रतापूर्वक स्वीकार करना चाहिए।

उत्तर-दक्षिण की जंग कितनी जायज, विभाजनकारी सियासत पर विराम की दरकार

अपने राजनीतिक फायदे के लिए नैरेटिव गढ़ते हुए स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी कांग्रेस को यह ध्यान रखना चाहिए कि इससे देश का मानस न बंटे।

अव्वल तो भाजपा से हार के बाद कांग्रेस और विपक्ष को इस बात की मीमांसा करनी चाहिए कि उससे कहां रणनीतिक चूक हुई, पर ऐसा होता नजर नहीं आ रहा। अलबत्ता हर हार के बाद विपक्ष अपनी तरह से एक नया नैरेटिव गढ़ लेता है। पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सिर्फ तेलंगाना में मिली जीत के बाद कांग्रेस एक बार फिर नया नैरेटिव गढ़ रही है। वह यह नैरेटिव स्थापित करने की कोशिश कर रही है कि विंध्य पर्वत से उत्तरी इलाके के लोगों की सोच सांप्रदायिकता और जातिवाद के इर्द-गिर्द ही घूमती है, जबकि दक्षिण के लोग राजनीतिक रूप से कहीं ज्यादा सचेत, प्रगतिशील और परिपक्व हैं। वह यह जताने की कोशिश कर रही है कि राहुल गांधी की सोच वक्त से आगे की है। चूंकि दक्षिण के लोगों की सोच ज्यादा परिपक्व है, इसलिए वे राहुल की बातों पर भरोसा कर रहे हैं। पहले कर्नाटक और फिर तेलंगाना की जीत इसका परिचायक है। नैरेटिव के बहाने उत्तर बनाम दक्षिण की जंग का लंबा इतिहास रहा है। कहा जाता रहा है कि विंध्य के उत्तर वाले लोग विदेशी धरती से आए आर्य की संतान हैं, जबकि विंध्य के दक्षिण वाले लोग बुनियादी रूप से भारत के ही लोग हैं। हालांकि दयानंद सरस्वती जैसे लोग इसका विरोध करते रहे। आज के दौर के राजनेता सुब्रमण्यम स्वामी हों या फिर मानवशास्त्री, सबका मानना है कि चाहे उत्तर के लोग हों या दक्षिण के, वे बुनियादी रूप से एक ही हैं। शंकराचार्य ने पूरब, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण में पीठ स्थापित करके इस विभाजनकारी सोच पर रोक लगाने की कोशिश की थी। भारत सरकार अधिनियम के तहत जब 1937 में राज्यों में चुनाव हुए, तब से पेरियार की अगुआई में शुरू हुआ हिंदी विरोध भी उत्तर बनाम दक्षिण की ही जंग का विस्तार था। जब चक्रवर्ती राजगोपालाचारी राष्ट्रपति नहीं बन पाए, तब भी उत्तर बनाम दक्षिण की वैचारिक जंग को हवा दी गई। संविधान सभा की मंजूरी के बावजूद हिंदी अगर देश की व्यावहारिक रूप से राजभाषा नहीं बन पाई, तो इसके पीछे भी उत्तर बनाम दक्षिण वाली सोच ही थी। उत्तर के राज्यों की गरीबी व पलायन और दक्षिण के आर्थिक उत्थान के पैमाने पर भी यह जंग चलती रही है। वैसे भी देश को बांटने और किसी क्षेत्र विशेष के लोगों को हंसी का पात्र बनाने की परंपरा लंबे समय से है। पर सोच के स्तर पर उत्तर और दक्षिण के राज्यों को बांटने की मौजूदा कोशिश बाकी कोशिशों से अलग है। स्वाधीनता आंदोलन की कोख से निकली कांग्रेस ने अंदरूनी राजनीति के चलते भले ही कभी ऐसी राजनीति को हवा दी हो, पर उसने खुलकर कभी ऐसी विभाजनकारी सोच को हवा नहीं दी। कांग्रेस की संस्कृति और राजनीतिक परंपरा भारत को जोड़ने की रही है, तोड़ने की नहीं। ताजिंदगी कांग्रेसवाद के विरोधी रहे समाजवादी नेता मधु लिमये ने अपने आखिरी लेख में कांग्रेस को देश की एकता का प्रतीक बताया था। पर लगता है कि कांग्रेस के आज के कर्णधार और उनके सलाहकारों को कांग्रेस की इस प्रकृति की जानकारी नहीं है। एक बारगी मान भी लें कि कांग्रेस का नैरेटिव सही है, कि दक्षिण के लोग उत्तर के लोगों के मुकाबले राजनीतिक रूप से परिपक्व हैं, तो हमें यह भी मानना पड़ेगा कि आपातकाल सही था, क्योंकि उसके बाद हुए आम चुनावों में कांग्रेस को जो 154 लोकसभा सीटें मिली थीं, उनमें से 89 सीटें दक्षिण भारत में ही मिली थीं। उत्तर में सिर्फ मध्य प्रदेश की छिंदवाड़ा सीट पर उसे जीत मिली थी। निश्चित तौर पर कांग्रेस भी इसे स्वीकार नहीं करेगी। तो फिर वह उत्तर बनाम दक्षिण को लेकर ऐसा नैरेटिव क्यों फैला रही है? तमिलनाडु में कांग्रेस 1971 के विधानसभा चुनावों से ही गायब है। अगर वह कभी दिखती है, तो द्रमुक या अन्नाद्रमुक के सहारे। केरल और आंध्र प्रदेश की सत्ता से भी कांग्रेस दो चुनावों से दूर है, तो क्या यह मान लिया जाए कि इन प्रदेशों के लोगों की सोच छोटी है। आज के दौर में हर राजनीतिक दल राजनीतिक फायदे के लिए नैरेटिव गढ़ सकता है, लेकिन इस प्रक्रिया में उसे देखना होगा कि उससे देश का मानस न बंटे। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वह विभाजन की सोच पर लगाम लगाए, क्योंकि इसका खामियाजा समूचे देश को भुगतना पड़ेगा। स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ी कांग्रेस को इससे परहेज करना चाहिए।

विकास विरोधी नहीं हैं सुरंगें, सड़कों से बेहतर हैं अंदर के रास्ते

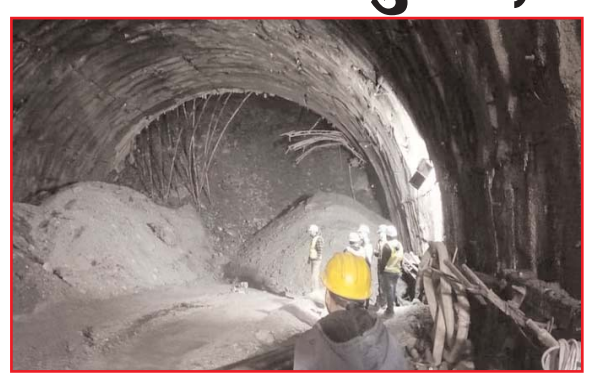

सिलक्यारा हादसे के बाद से उत्तराखंड को आपदाओं के लिए कुख्यात बनाने की कोशिशें हो रही हैं, जबकि सुरंगें मनुष्य के लिए न केवल महत्वपूर्ण रही हैं, बल्कि पर्यावरण की दृष्टि से भी सड़कों से बेहतर हैं। पर्यावरणविदों को हिमालय को समझना है, तो उन्हें अपने खेमों की फिक्र छोड़ जमीन पर उतरना होगा। उत्तराखंड आपदाओं और हादसों के लिए कुख्यात बना दिया गया है। केदारनाथ और जोशीमठ के बाद सिलक्यारा की सुरंग ने सारी दुनिया का ध्यान एक बार फिर खींचा। ऊपर से यह भी है कि यहां विशेषज्ञों और पर्यावरणविदों की एक लंबी कतार भी है, जो इस तरह की घटनाएं होने पर अपने तीर कमान पर चढ़ाए रखते हैं। सिलक्यारा की सुरंग ने देश-दुनिया में बड़ी बहस की शुरुआत कर दी। 41 मजदूरों का उस सुरंग में फंसना एक ऐसी पीड़ा का विषय था, जिसने देश को झकझोर दिया था। उनकी सुरक्षित वापसी देश के लिए बड़ी राहत थी। इसके बाद अब सुरंगों पर चर्चा ने जोर पकड़ा है। इस तरह की आपदाओं में कई तरह के नए-पुराने प्रसंग खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे हम घटना के मूल बिंदुओं से भटक जाते हैं। सिर्फ सबक लेने की बात नहीं होती। घटना के वैज्ञानिक विश्लेषण में पड़े बगैर आधे-अधूरे विचारों को थोप देने की प्रवृत्ति दिखती है। सुरंगों को लेकर अपना ही इतिहास खंगाल लें, तो शायद अनावश्यक बोलने की जरूरत नहीं रहेगी। आदम जाति का इतिहास इस बात का साक्षी है कि गुफाएं हमारे लिए पहले चरण के आवास बने थे और अगर गुफा आर-पार हो गई, तो सुरंग का ही रूप ले लेती थी। अगर हम अपनी पुरानी सभ्यता में चले जाएं, तो राजाओं के जमाने से ही सुरंगों का बहुत बड़ा महत्व था। अपने ही देश में नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में सुरंगें युद्ध से लेकर सुरक्षा तक में काम आती थीं। अब हमास और इस्राइल के युद्ध को ही देख लें, किस तरह से हमास ने सुरंगों में एक बड़ा राज खड़ा किया है। असल में 18वीं शताब्दी से ही दुनिया में यातायात के लिए सुरंगों को बड़ा रास्ता बनाया गया। खासतौर से स्कैंडिनेविया या पश्चिमी देशों में सुरंगों से ही सड़कों का जाल बिछा। वहां सुरंगों को ज्यादा सुरक्षित माना जाता है और यह सच भी है। अपने ही देश में देख लें। देहरादून-दिल्ली के मार्ग में स्थित डाट काली मंदिर में बनी सुरंग अंग्रेजों की देन है। इसका सही से अता-पता हो या न हो, लेकिन यह 1800-1900 के आसपास में बनी है, जो आज तक पूरी तरह सुरक्षित है और उसके साथ ही उसी पहाड़ में दो और सुरंगें बनाई गई, जो ट्रैफिक से निजात पाने के लिए जरूरी थीं। कच्चे-पक्के पहाड़ों में सुरंगों से नुकसानों की चर्चा में यह भी संज्ञान में ले लेना चाहिए कि डाट काली वाली सुरंग शिवालिक पर्वत श्रेणी में बनी है, जो हिमालय का सबसे नया पहाड़ है। मतलब इन सुरंगों में बेहतर दर्जे के निर्माण कार्य हुए हैं। इतना ही नहीं, उत्तराखंड में ही रुद्रप्रयाग के पास केदारनाथ जाने वाली सुरंग सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसकी पारिस्थितिकी सिलक्यारा जैसी है। असल में पर्यावरण की दृष्टि से अगर देखा जाए, तो सड़कों की तुलना में सुरंग इसलिए बेहतर हैं, क्योंकि एक किलोमीटर की सुरंग कई किलोमीटर के जंगल और सड़क के नुकसान से पारिस्थितिकी को बचाती है। फिर सुरंग में ऊपर के वन सुरक्षित भी रहते हैं और उन पर ज्यादा विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता। दुर्भाग्य यह है कि विशेषज्ञ व पर्यावरणविद् सुरक्षित शहरी स्थानों व खुद के लिए तमाम सुविधाओं से लैस रहकर जब प्रकृति को बचाने की बात करते हैं, तो फिर बात खपती नहीं है। सिलक्यारा की घटना निर्माण प्रक्रिया में निहित दोषों का परिणाम है। सुरंग में आगे बढ़ते हुए पीछे का हिस्सा सुरक्षित करते चलना चाहिए था, जिसमें बड़ी चूक हुई। साथ ही, इस तरह की घटनाओं से बचने के लिए सुरंगों में समानांतर सुरक्षा की व्यवस्था होनी चाहिए थी, जो निर्माण करने वाली कंपनी की जवाबदेही का हिस्सा होना ही चाहिए। इन मुद्दों पर बात न कर, हम उस पहलू को नहीं छूते, जो घटना से लिया हुआ सबक होता। सिलक्यारा की सुरंग के बारे में विशेषज्ञों के दल ने बड़ा खुलासा किया कि यह एक जलागम क्षेत्र था। अब विशेषज्ञों को शायद यह पता नहीं है कि पूरा पहाड़ ही अपने आप में एक जलागम क्षेत्र है, जो वर्षा के पानी को दिशा देते हुए नदियों तक ले जाता है। वहीं दूसरी तरफ, विशेषज्ञ इस बात से भी चूक गए कि सिलक्यारा सुरंग के ऊपर जो भी वन हैं, वे चीड़ के जंगल हैं और इन जंगलों की भारी कमी यही मानी जाती है कि वे वर्षा के पानी को नहीं सोखते, इसीलिए चीड़ को विरोध झेलना पड़ता है। गौरतलब है कि जहां-जहां वन होते हैं, वहां इनकी जड़ें चट्टानों को भेदकर अपने लिए मिट्टी बनाती हैं। वनों के नीचे उनकी जड़ें चट्टानों को मिट्टी में परिवर्तित कर देती हैं, इसीलिए वे वन टिके रहते हैं। सिलक्यारा में भी वन चट्टानों को भेदकर मिट्टी बना चुके थे और ये मिट्टी सुरंग के अंदर छत में पक्का काम न होने के कारण गिर पड़ी। असल में सुरंग में ज्यादा महत्वपूर्ण निर्माण-शैली व तकनीक होती है, क्योंकि सुरंग के भीतर चट्टानों जैसी मजबूती दी जाती है, ताकि सुरंग पूरी तरह सुरक्षित रहे। हिमालय क्षेत्र में विशेषज्ञ भरे-पड़े हैं, फिर भी यह सबसे ज्यादा आपदा झेल रहा है और उसका कारण शायद यही है कि हम भ्रमित रहते हैं। हम ऐसी घटनाओं में एक ही पहलू को बार-बार दोहरा कर अपनी विशेषज्ञता या पर्यावरण के प्रति चिंता को झलकाने की कोशिश करते हैं। इस तरह के विशेषज्ञों व पर्यावरणविदों को सब कुछ त्याग कर पहाड़ व वनों में रहकर आंदोलनों को धार देनी चाहिए। क्योंकि ठाट-बाट, सुविधाओं, मोबाइल, मोटरों के बीच आंदोलन न तो पनपते हैं और न ही जमीनी होते हैं। बेहतर समझ के लिए उन वंचितों के बराबर में खड़ा होना होगा, जो तथाकथित विकास में अपना हिस्सा चाहते हैं। हम उन पश्चिमी पर्यावरणविदों की तरह न बनें, जो अपने विकास के लिए दूसरों के हिस्से के विकास की बलि चढ़ाने की जिद में हैं। विकसित देशों के पर्यावरणविदों की यही शैली है कि वे अपने हिस्से के सुख को भोगने के बाद विकासशील देशों को पर्यावरण की शिक्षा देते हैं और यह भी कहते पाए जाते हैं कि हमने गलती की है, लेकिन आप इसे न दोहराएं। इसलिए अब ज्यादा सवाल इन्हीं बातों को लेकर होने चाहिए कि हम किस तरह से विकास व पारिस्थितिकी में समन्वय रखें। हिमालय में एकमत की कमी है। हम दो खानों में बंटे हैं। एक वर्ग विरोध में है और दूसरा पक्ष में है। दुर्भाग्य है कि हम विकल्प की तरफ जाने से कतराते हैं, क्योंकि हमें अपने-अपने खेमों को जिंदा जो रखना है।

भारत ने चुना सही रास्ता

अमेरिका की एक अदालत में एक भारतीय व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा दायर किया गया है, जिसमें अमेरिका ने यह आरोप लगाया है कि वह गुरपतवंत सिंह पन्नू के सार्वजनिक आग्रह के कारण एक अज्ञात भारतीय अधिकारी के कहने पर उसके नागरिक की हत्या की साजिश रचा। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस मामले की जांच के लिए हाई लेवल कमिटी गठित की है। अमेरिका की एक अदालत में वहां अधिकारियों ने यह आरोप लगाते हुए मुकदमा दायर किया है कि एक भारतीय व्यक्ति ने किसी अज्ञात भारतीय अधिकारी के कहने पर उसके नागरिक की हत्या की साजिश रची। वाइट हाउस का कहना है कि इस मामले को शीर्ष स्तर पर भारत के सामने उठाया गया है। हालांकि भारत ने अमेरिका के ऐसे किसी सार्वजनिक आग्रह के काफी पहले ही इसकी जांच के लिए हाई लेवल कमिटी गठित कर दी थी। इस नागरिक को प्रेरित करने के पीछे अमेरिका किसी अज्ञात भारतीय अधिकारी का रोल बता रहा है। लेकिन वह अधिकारी कौन है, इस बारे में मुकदमे में किसी का नाम नहीं है। यूं तो अमेरिकी नागरिक का भी नाम नहीं दिया गया है, लेकिन यह संकेत मिला है कि इशारा खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर है। पन्नू भारत में घोषित आतंकवादी है और वह लगातार भारत विरोधी बयान देता आया है। इस मामले में भारतीय विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि अमेरिका ने जो आरोप लगाया है, वह भारत की नीति नहीं है। मगर जिस तरह से यह मामला सामने आया है, वह अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। अपने आरोपों में अमेरिका ने भी माना है कि यह साजिश उन लोगों के खिलाफ रची गई थी, जो खालिस्तान समर्थक हैं। ऐसे में अमेरिका को यह समझना चाहिए कि भारत विरोधी इन तत्वों को संरक्षण देना ठीक नहीं है। वह भारत को स्वाभाविक सहयोगी मानता है। हाल के वर्षों में चीन के उभार को रोकने के लिए दोनों देश और करीब आए हैं। अमेरिका दुनिया का सबसे ताकतवर लोकतंत्र है तो भारत सबसे बड़ा। अगर कोई शख्स खालिस्तान का समर्थन कर रहा है तो वह भारतीय लोकतंत्र के खिलाफ है। दूसरी बात यह है कि दूसरे देशों के नागरिकों की हत्या हो या तख्तापलट, इस मामले में अमेरिका का अपना रेकॉर्ड अच्छा नहीं है। उसने खालिस्तानी निज्जर के मामले में जिस तरह से कनाडा की तरफदारी की थी, वह भी मुनासिब नहीं थी। खासतौर पर यह देखते हुए कि भारत विरोधी तत्वों को वहां संरक्षण मिल रहा था। खैर, अमेरिका और भारत ताजा मामले में जिस तरह से सहयोग कर रहे हैं, वह परिपक्वता का सबूत है। वहीं, भारत ने इस मामले की जांच शुरू कर अच्छा कदम उठाया है। बेहतर होगा कि यह जांच जल्द पूरी की जाए ताकि दूध का दूध और पानी का पानी हो जाए। सवाल यह भी उठता है कि कहीं यह सब भारत और अमेरिका के संबंधों में दरार डालने की साजिश तो नहीं है। उम्मीद है कि जांच से इस मामले के सारे पहलू सामने आएंगे और किसी भी गलतफहमी की गुंजाइश नहीं बचेगी।

2023 के नतीजों ने भाजपा के लिए आसान की 2024 की राह

गात रविवार को चार राज्यों के विधानसभा चुनाव के जो परिणाम घोषित हुए हैं, वे भारतीय जनता पार्टी के लिए उत्साहजनक हैं। भाजपा ने न केवल मध्य प्रदेश में चार कार्यकाल की सत्ता विरोधी रुझानों के बावजूद बिना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किए शानदार ढंग से सत्ता में वापसी की है, बल्कि राजस्थान और छत्तीसगढ़ में कांग्रेस से सत्ता छीन ली है। कह सकते हैं कि राजस्थान में पांच वर्ष पर सत्ता बदलने का पुराना रिवाज है, लेकिन सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात है कि छत्तीसगढ़ में भूपेश बघेल द्वारा चलाई गई तमाम कल्याणकारी योजनाओं के बावजूद भाजपा ने सत्ता हासिल की है। दक्षिण भारतीय राज्यों में भाजपा की कोई खास पैठ नहीं है, इसलिए तेलंगाना में मुख्य लड़ाई के चंद्रशेखर राव की पार्टी बीआरएस (पहले टीआरएस) और कांग्रेस के बीच थी। चूंकि वहां केसीआर के रवैये और भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण बीआरएस के खिलाफ जबर्दस्त सत्ता विरोधी रुझान था, इसलिए वहां सत्ता हासिल करना कांग्रेस के लिए आसान हो गया। इसके अलावा, रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में वहां पार्टी का संगठन भी अपेक्षाकृत मजबूत है। इन चारों राज्यों के जनादेश का अगर विश्लेषण करें, तो एक बात पूरी तरह से स्पष्ट है कि हिंदी भाषी राज्यों में भारतीय जनता पार्टी की पकड़ बहुत मजबूत है। यह इससे भी स्पष्ट है कि वर्ष 2018 में राजस्थान, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की जीत के तुरंत बाद 2019 में हुए चुनावों में इन राज्यों में भाजपा ने बहुत शानदार प्रदर्शन किया था। इस बार तो इन राज्यों में भाजपा ने जीत दर्ज की है, इसलिए 2024 में उसके लिए जीतना और आसान होगा। इसका एक मतलब यह भी निकाला जा सकता है कि जहां-जहां कांग्रेस और भाजपा में सीधी टक्कर होती है, संगठन और चुनावी मशीनरी के मामले में काफी कमजोर होने के कारण कांग्रेस भारतीय जनता पार्टी से पिछड़ जाती है और जहां कांग्रेस का मुकाबला क्षेत्रीय पार्टियों से होता है, वहां उसे सफलता मिलती है। दूसरी बात यह है कि नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता आज भी बरकरार है। इन सभी राज्यों में भाजपा ने अपना मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित नहीं किया था और मोदी के चेहरे पर ही चुनाव लड़ा गया था। बेशक इन चुनावों में भाजपा की जीत के पीछे और भी कई मुद्दे थे, लेकिन नरेंद्र मोदी का चेहरा एक महत्वपूर्ण कारक रहा है। जाहिर है, मतदाता उन पर भरोसा करते हैं। बूथ स्तर तक भाजपा का संगठन मजबूत है और पार्टी की चुनावी मशीनरी हमेशा सक्रिय रहती है। लोकसभा चुनाव में भी नरेंद्र मोदी और भी मजबूती के साथ पार्टी का चेहरा बनकर उभरेंगे। कांग्रेस ने बेशक राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अपनी सत्ता गंवा दी है, फिर भी इन राज्यों में कांग्रेस का पूरी तरह से सफाया नहीं हुआ है। तेलंगाना में उसने जीत हासिल की है। राजस्थान में, जहां हरेक पांच साल सरकार बदले जाने का रिवाज है, लग रहा था कि कांग्रेस बीस-पच्चीस सीटों से ज्यादा जीत नहीं पाएगी, लेकिन अशोक गहलोत 69 सीटें पाने में कामयाब रहे हैं। इसलिए कहा जा सकता है कि कांग्रेस के प्रदर्शन में थोड़ा सुधार हुआ है, लेकिन उसकी रफ्तार बहुत धीमी है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़, दोनों जगह कांग्रेस का सॉफ्ट हिंदू कार्ड नहीं चला। इन चुनावों में महिलाएं एक बड़ा मुद्दा बनकर उभरीं। मध्य प्रदेश में भाजपा की लाडली बहना योजना का शिवराज सिंह चौहान को बहुत फायदा मिला। इसका यह भी मतलब है कि मोदी की भाजपा को टक्कर देना या 'इंडिया' गठबंधन के इतने दलों के बीच उसकी बराबरी करने में भी अभी कांग्रेस को काफी मुश्किलें होंगी। अगर कांग्रेस मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में चुनाव जीत जाती, तो 'इंडिया' गठबंधन में सीटों के बंटवारे में मुश्किल होती। पर अब गठबंधन के दलों को कांग्रेस से सौदेबाजी करने में आसानी होगी। भाजपा के खिलाफ विपक्ष की ओर से एक उम्मीदवार खड़ा करने की नीति को लोकसभा चुनाव में अगर प्रभावी ढंग से लागू नहीं किया गया, तो स्थिति और भी खराब हो सकती है। 'इंडिया' गठबंधन में मोदी जैसे लोकप्रिय चेहरे के मुकाबले में कोई एक चेहरा नहीं है। इसके अलावा, गठबंधन के दलों का संगठन भी कमजोर है। बहरहाल, 'इंडिया' गठबंधन को अब लोकसभा चुनाव के मद्देनजर गंभीर होना पड़ेगा, नहीं तो लड़ाई मुश्किल होगी। इन नतीजों को देखकर निर्णायक रूप से यह नहीं कहा जा सकता कि ऐसे ही नतीजे 2024 में भी होंगे, लेकिन इसका असर लोकसभा चुनाव पर पड़ना लाजिमी है। अब देखने वाली बात होगी कि भाजपा इन राज्यों में नए चेहरों को नेतृत्व सौंपती है या पुराने चेहरे को ही नेतृत्व सौंपती है। क्या मध्य प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान को हटाया जाएगा? वैसे भी लोकसभा चुनाव में अब बहुत दिन नहीं रह गए हैं, इसलिए चेहरे बदलने के भी अपने जोखिम हैं। लेकिन पार्टी यह जोखिम उठा सकती है, क्योंकि उसके पास मोदी जैसा लोकप्रिय चेहरा है।

पूठा हुसैनपुर का किसान के बेटा अंकित बना लेफ्टिनेंट

गांव के साथ-साथ जिले का किया नाम रोशन

द अचीवर टाइम्स चेतन कुमार

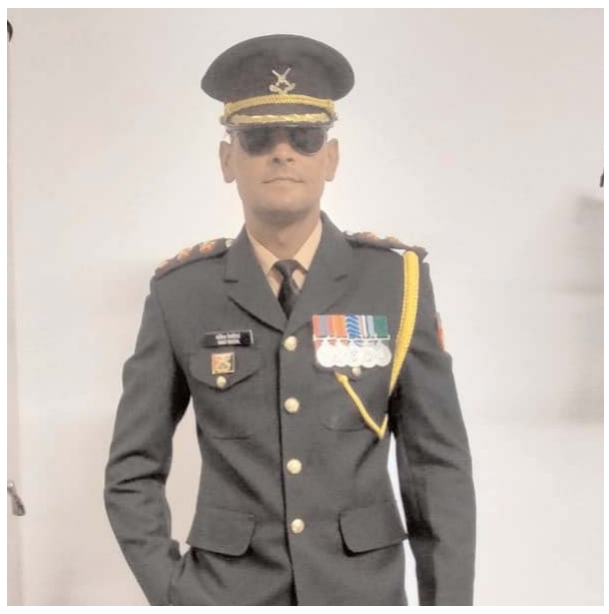

हापुड़। कहते हैं कि यदि इंसान मेहनत करे तो क्या नहीं कर सकता यही बात ग्राम पूठा हुसैनपुर के रहने वाले अंकित ने करके दिखा दी जब वह बतौर सिपाही सन 2008 में 41 एड रेजीमेंट में भर्ती हुआ और करीब 15 वर्ष बाद सेना में लेफ्टिनेंट बना तो हर कोई भौचक्का रह गया मगर इसके पीछे अंकित की कड़ी मेहनत थी जिसने दिन-रात मेहनत कर अपने मुकाम को हासिल किया अंकित के पिता महक सिंह किसान है। जबकि उनकी माता श्रीमती सरोज देवी गृहणी है। अंकित के अलावा उनके चार भाई है जिसमें रूपेंद्र तेवतिया, भूपेंद्र,धर्मेंद्र व रोहित इन चारों भाइयों में भूपेंद्र किसानी करते है जब कि तीनों भाई फौज में रहकर देश की सेवा कर रहे है। अंकित के अलावा परिवार में उनकी पत्नी अंशु और उनके दो बच्चे है पुत्र का नाम विवान है जो 4 वर्ष का है जबकि उनकी पुत्री का नाम वामिका है जो एक वर्ष की है अंकित की शादी को करीब 10 वर्ष बीत चुके हैं उनके ऊपर एक तो परिवार दूसरा देश की सेवा करना दोनों जिम्मेदारी को अंकित ने बखूबी निभाते हुए अपनी पढ़ाई जारी रखी। अंकित के ऊपर पढ़ाई का जनून इस कदर सवार था कि 24 घंटो में 20 घंटे अंकित पढ़ाई को देता था अंकित फौज में एक बड़ा अफसर बनना चाहता था। अंकित छुट्टी लेकर दो वर्ष तक अपने घर नही गया नौकरी पर रहते ही कोचिंग करके पढ़ाई करना और खाट बिछाकर उस पर किताबे रखकर पढ़ना और जब-जब नीद आती थी तब-तब अपनी आँखों की पलको पर विक्स लगाकर पढ़ना उसका जनून था इस मंजर को देखने वाले उनकी मजाक उड़ाते थे। मगर इस सब के बाद भी अंकित के इरादे कम नही हुए और वह अपनी डगर पर आगे बढ़ता गया। आखिर अंकित का अफसर बनने का सपना पूरा हो गया इसलिए इंसान अगर मेहनत करे तो ईश्वर भी उसका साथ देता है। आज अंकित तेवतिया ने अपने साथ-साथ ग्राम पूठा हुसैनपुर व जनपद हापुड़ का नाम बतौर लेफ्टिनेंट के रूप में भर्ती होकर रोशन कर दिया अंकित की 10 दिसंबर को पासिंग आउट देहरादून में है जिसमें उनका परिवार शामिल होगा।

प्रभावित व स्थानीय युवाओं को रोजगार के आश्वाशन पर धरना स्थगित

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। धौलाना विधानसभा के औधोगिक क्षेत्र में कोका कोला कंपनी के गेट पर चल रहा किसान सभा का अनिश्चत कालीन धरना दो दिन से चल रही वार्ता के बाद आज 20 वे दिन प्रभावित व स्थानीय युवाओं को रोजगार दिए जाने के आश्वाशन के बाद स्थगित हो गया। किसान सभा हापुड़ के प्रभारी टीकम नागर ने बताया कि 20 दिन से चल रहा धरना खत्म नही हुआ है बल्कि कुछ दिन के लिए स्थगित किया गया है दो दिन से एसडीएम धौलाना संतोष कुमार उपाध्याय सीओ पिलखुवा जितेंद्र कुमार शर्मा की मध्यस्ता में किसानों के प्रतिनिधि मंडल व कंपनी अधिकारियों की वार्ता चल रही थी जिसके बाद कंपनी द्वारा आज प्रभावित व स्थानीय लोगों को योग्यता के आधार पर रोजगार देने का आश्वासन दिया गया जिस पर किसानों ने अपना आज का घोषित मुख्यमंत्री को खून से लिखा ज्ञापन देने का कार्यक्रम वापस कर धरना कुछ दिनों के लिए स्थगित कर दिया है यदि कंपनी द्वारा किसानों की समस्याओं का समाधान नही किया गया तो आन्दोलन जारी रहेगा,हर हाल में स्थानीय लोगों को रोजगार दिलाकर व अन्य समस्याओं का समाधान करा कर रहेंगे। नितिन प्रधान ने कहा कि किसान सभा का ये संघर्ष महज कुछ लोगो को रोजगार दिलाने तक का नही है किसान सभा हर नोजवान के उज्वल भविष्य के लिए काम करेगी व भविष्य में गांव गांव कमेटियां बना कर जल्द ही क्षेत्र में जनसमस्याओं को लेकर आंदोलन करेगी। इस मौके पर वीर सिंह नागर, अजबसिंह प्रधान, विनीत नागर, सुरेन्द्र नेता, हरिश्चन्द्र प्रधान,वीरेंद्र प्रधान, अमरपाल महाशय, राजू नागर, ब्रहमपाल सिंह, सुशील प्रधान, धीरज नागर, सतबीर हवलदार, धर्मवीर प्रधान, गबरी मुखिया, बेगराज नेता, लीलू महाशय, प्रिन्स प्रधान, फरमान, अबुजर चौधरी, महेंद्र प्रधान, अभिषेक नागर, सोनू प्रधान, सतीश यादव, अंशुल नागर, विनीत गुर्जर, सरला देवी, जगवती देवी, उपस्थित रहे ।।

रामसनेहीघाट को मिला आदर्श नगर पंचायत का दर्जा

रामसनेहीघाट (बाराबंकी)। नगर पंचायत रामसनेहीघाट को मंगलवार को आदर्श नगर पंचायत का दर्जा मिल गया है। इस पर लोगों ने खुशी जाहिर की है। रामसनेहीघाट को तीन वर्ष पहले नगर पंचायत का दर्जा प्राप्त हुआ था। अब रामसनेहीघाट नगर पंचायत को वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए आदर्श नगर पंचायत योजना में चयनित किया गया है। पांच ग्राम पंचायतों को मिलाकर हुए नगर पंचायत के गठन के बाद हुए चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी डॉ. ज्ञान प्रकाश यादव नगर पंचायत के पहले अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए। रामसनेहीघाट को पं. दीनदयाल उपाध्याय आदर्श नगर पंचायत योजना के तहत चयनित किया गया है। शासन के अनु सचिव विवेक कुमार गुप्ता की ओर से जारी शासनादेश के अनुसार डीएम को पत्र लिखकर बीते मंगलवार को तीन करोड़ रुपये जारी किए गए हैं। साथ ही सभी घरों में शुद्ध पेयजल, दोनों साइड नालियों, जलनिकासी, फुटपाथ का निर्माण आदि कार्य कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

एक नज़र

जिला नगरीय विकास अभिकरण

डूडा द्वारा नगर निगम के सहयोग से विकसित भारत संकल्प यात्रा के अंतर्गत वार्ड संख्या 37 शहरी नवीन लाभार्थियों को पी एम आवास योजना में चयनित किया गया भूमि पूजन का आयोजन किए गया

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), शाहजहांपुर द्वारा नगर निगम शाहजहाँपुर के सहयोग से विकसित भारत संकल्प यात्रा के अन्तर्गत वार्ड संख्या-37 अहमदपुर निवाजपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत चयनित नवीन लाभार्थियों के आवासों का भूमि पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन में भूमि पूजन की समस्त औपचारिकताएँ मुख्य अतिथि महापौर महोदया श अर्चना वर्मा, नगर निगम शाहजहांपुर द्वारा पूर्ण की गयी। इस मौके पर उपस्थित समस्त लाभार्थियों एवं क्षेत्र की जनता को सम्बोधित करते हुए मा0 महापौर ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत सरकार तथा उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से संचालित होने वाली प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से निराश्रितों को अत्यन्त लाभ प्राप्त हुआ है। मा0 प्रधानमंत्री जी की मंशानुसार अन्तिम पंक्ति तक के व्यक्ति को सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ प्रदान किया जायेगा। जिसका आगाज़ विकसित भारत संकल्प यात्रा के द्वारा हो चुका है। इस क्रम में पात्र व्यक्तियों को प्रत्येक योजना के लाभ के साथ-साथ उचित जानकारी भी मुहैया करायी जायेगी जिससे जनता जागरूक हो सके। साथ ही पीएम मुद्रा योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम स्वनिधि योजना आदि की जानकारी भी प्रदान की गयी। अपर नगर आयुक्त एस0 के0 सिंह द्वारा उपस्थित समस्त क्षेत्रवासियों को बधाई के साथ साथ शुभकामनाएँ भी दीं तथा आश्वस्त किया कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को शीघ्र ही आवास योजना का लाभ प्रदान किया जायेगा। इस मौके पर वार्ड नं0-37 अहमदपुर निवाजपुर की मा0 पार्षद श्रीमती विजय लक्ष्मी सिंह द्वारा मा0 महापौर का पुष्पगुच्छ देकर व पटका पहनाकर स्वागत व अभिनन्दन किया गया। साथ ही उपस्थित समस्त लाभार्थियों क्रमशः जगरानी, रामरतन, ज्ञानी सिंह, रेखा शर्मा, सूरज, बिनोद, बादल, रामदेवी, विमला को मा0 महापौर द्वारा स्वीकृति प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। आयोजन में अपर नगर आयुक्त एस0के0 सिंह, पार्षद के अतिरिक्त नगर निगम व डूडा के कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

हेल्थ एटीएम खराब, जांच को भटक रहे लोग

बाराबंकी। लोगों की सेहत की जांच के लिए अस्पतालों में लगाए गए हेल्थ एटीएम जिम्मेदारों की लापरवाही के चलते काफी समय से खराब पड़े हैं, जिसके चलते यहां पर जांच कराने के लिए आने वाले लोग निराश होकर लौट रहे हैं और निजी पैथोलॉजी पर पहुंच कर महंगे दामों पर जांच कराने के लिए मजबूर हैं, जिससे उन्हें तगड़ी चपत लग रही है। सीएचसी व पीएचसी पर यह हेल्थ एटीएम लगाने का उद्देश्य यह था कि गांव की जनता को जांच कराने के लिए इधर-उधर भटकना न पड़े और अस्पतालों में ही जांच की सुविधा मिल सके, परंतु ऐसा नहीं हो पा रहा है। जिस उद्देश्य के लिए हेल्थ एटीएम लगाए गए थे, वह पूरा होता दिखाई नहीं दे रहा है। हेल्थ एटीएम खराब होने से इसका लाभ आम लोगों को नहीं मिल रहा है। इससे लोगों को जांच कराने के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। जिले के बड़ुपुर, फतेहपुर, सूरतगंज, रामनगर, त्रिलोकपुर, सिरौलीगौसपुर, रामसनेहीघाट, टिकैतनगर, कोठी, हैदरगढ़ समेत 11 अस्पतालों में हेल्थ एटीएम लगे हैं। इस बाबत सीएमओ डॉ. अवधेश कुमार यादव का कहना है कि जहां पर हेल्थ एटीएम खराब हैं, उन्हें सही कराने के लिए कंपनी के अधिकारियों को पत्र लिखा गया है। जल्द ही सभी एटीएम कार्य करना शुरू कर देंगे।

15 दिन से खराब पड़ा हेल्थ एटीएम

सीएचसी कोठी पर लगा हेल्थ एटीएम पिछले 15 दिनों से खराब पड़ा है। जिससे यहां पर जांच कराने के लिए आने वाले लोग निराश होकर लौट रहे हैं। लेकिन जिम्मेदार इसको लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं।

चार माह से नहीं हो रही जांच

पीएचसी त्रिलोकपुर में लगी हेल्थ एटीएम मशीन पिछले चार माह से खराब पड़ी है। यहां के लोगों ने बताया कि तेज बारिश होने के चलते एटीएम में पानी भर गया था, जिसे आज तक सही नहीं कराया जा सका। जांच न होने से लोगों को परेशानी हो रही है।

कई दिनों से बिना जांच लौट रहे मरीज

सीएचसी फतेहपुर में लगा हेल्थ एटीएम पिछले कई दिनों से खराब पड़ा है। जिसके चलते यहां पर जांच कराने के लिए आने वाले लोग बिना जांच कराए ही निराश होकर लौट रहे हैं। लेकिन यहां पर तैनात अधिकारी इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

तीन माह से नहीं हुई एक भी जांच

सीएचसी हैदरगढ़ में लगा हेल्थ एटीएम पिछले तीन माह से खराब पड़ा है। जांच कराने आने वाले लोगों को तकनीकी खराबी बताकर वापस कर दिया जाता है।

जिलाधिकारी ने पल्स पोलियो अभियान की जन जागरूकता रैली को कलेक्ट्रेट से हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

द अचीवर टाइम्स फसाद खान

शाहजहांपुर। जिलाधिकारी उमेश प्रताप सिंह ने पल्स पोलियो अभियान की जन जागरूकता रैली को कलेक्ट्रेट परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया । रैली कलेक्ट्रेट परिसर से खिरनी बाग कचहरी चौराहा , टाउन हॉल होते हुए नगर निगम कार्यालय परिसर पहुंचकर संपन्न हुई । जिलाधिकारी ने अपील करते हुए कहा कि पल्स पोलियो अभियान के अंतर्गत जनपद में 0 से 5 वर्ष तक के सभी बच्चों को पोलियो की खुराक दिया जाएगा। सभी लोग अपने बच्चों की पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं। जनजागरूकता रैली में स्काउट गाइड बेसिक शिक्षा कंपोजिट विद्यालय अटसलिया ,नेशनल गर्ल्स इंटर कॉलेज ,क्रिश्चियन गर्ल्स इंटर कॉलेज ,आर्य कन्या इंटर कॉलेज, आर्य महिला इंटर कॉलेज, इस्लामिया इंटर कॉलेज, सरदार पटेल हिंदू इंटर कॉलेज ,राजकीय इंटर कॉलेज ,ए0 जेड खान इंटर कॉलेज ,फ्लोरेंस इंटर कॉलेज, मंगल भारती इंटर कॉलेज आदि के छात्र - छात्राओं तथा आशा, आंगनबाड़ी ने प्रतिभाग कर पल्स पोलियो अभियान के प्रति लोगों को बैनर पोस्टर इत्यादि के माध्यम से जागरूक किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आर के गौतम ने पल्स पोलियो अभियान रैली को सफल बनाने के लिए सभी अध्यापक ,बच्चों अन्य सहयोगी संस्थाओं को बहुत-बहुत धन्यवाद प्रस्तुत किया और बच्चों को घर-घर जाकर पल्स पोलियो के प्रति लोगों को जागरूक करने को कहा। रैली में एडीएम राशिद अली खान,उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ एस पी गंगवार, यूनिसेफ से हुदा जेहरा, एसएमओ डॉ आकांक्षा यादव, डीएचइआईओ वीरेन शर्मा, कोर से मनोज कुमार, शशिबिंद शुक्ला, पुनिष कुमार, सर्वेश कुमार इत्यादि लोग मौजूद रहे।

पीजी कालेज में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला/ संदीप मौर्या

सिरौलीगौसपुर बाराबंकी। नारी सशक्तिकरण कार्यक्रम के तत्वावधान में चौधरी चरण सिंह पी जी कालेज बरदरी में नारी सशक्तिकरण शोषल मीडिया पर अभिशाप या वरदान विषय पर बी ए प्रथम, द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर के छात्र छात्राओं वाद बिवाद एंव भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शुक्रवार को क्षेत्र के चौधरी चरण सिंह महाविद्यालय बरदरी में नारी सशक्तिकरण शोषल मीडिया पर अभिशाप या वरदान शीर्षक पर वाद बिवाद एंव भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।पक्ष और विपक्ष दोनों पहलुओं पर छात्र छात्राओं ने अपने क्रान्तिकारी विचार प्रस्तुत किए।जिसमे भाषण प्रतियोगिता में बी ए तृतीय सेमेस्टर की ज्योति वर्मा,एंव राजन सिंह ने संयुक्त रूप से विजेता रहे। द्वितीय स्थान पर क्रान्ति वर्मा बी ए तृतीय सेमेस्टर की छात्रा रही।वाद बिवाद प्रतियोगिता में नादिया खातून प्रथम स्थान पर रहीं। बी ए तृतीय सेमेस्टर की पूंजा वर्मा को प्रथम स्थान तथा उमा वर्मा व अनामिका पाल को दूसरा स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ गयाप्रसाद दुबे ने अपने उदबोधन में कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से छात्रों में स्वतंत्र चिंतन की प्रवृत्ति जागृति होती है । निर्णायक मंडल में डॉ बृजेश सिंह ,डॉ धीरज पाठक, कार्यालय अधीक्षक अनुपम जायसवाल की भूमिका महत्वपूर्ण रही। कार्यक्रम का संयोजन हिन्दी विभाग के प्राध्यापक बृजेश कुमार कोविन्द ने किया। इस मौके पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

अमोली कलां में बनी इंटरलॉकिंग चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट

द अचीवर टाइम्स- नीरज शुक्ला

रामनगर बाराबंकी। विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमोली कलां में बनी इंटरलाकिंग भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई है। बताते चले कि कुछ महीने पहले पन्द्रहवां वित्त आयोग योजना के अंतर्गत ग्राम पंचायत अमोली कला में लाखों की लागत से ठेकेदार के द्वारा इस इंटरलाकिंग सड़क का निर्माण कराया गया था लेकिन चंद महीने बीतने के बाद यह इंटरलाकिंग भ्रष्टाचार की पोल खोल रही है। अमोली हिसामपुर संपर्क मार्ग से लेकर मोतीलाल कश्यप के घर तक बनी इंटरलाकिंग किनारे की तरफ उखड़ने लगी है। सड़क के किनारे मिट्टी से पटाई न किये जाने से इंटरलॉकिंग में लगे पत्थर निकलने लगे है। यह इंटरलॉकिंग ठेकेदारों के द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 में बनवाई गई थी। इस सम्बंध में जब संवाददाता ने अवर अभियंता पी के गौतम से फोन पर जानकारी करना चाही तो उन्होंने बताया कि मैं अभी बाहर हूं। उसके बाद ब्लॉक के अकाउंटेंट इंद्र मोहन से इस विषय पर जानकारी करना चाहा तो उन्होंने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा। इन सब प्रक्रिया से यह साबित होता है कि ब्लॉक के अधिकारी व कर्मचारी भी इन ठेकेदारों से साठ-गांठ करके भ्रष्टाचार को बढ़ावा दे रहे है। सूत्रों की माने तो इस इंटरलॉकिंग निर्माण में सरकारी धन का जमकर बंदरबांट हुआ है। अब देखना यह है कि इस खबर को संज्ञान में लेते हुए आलाधिकारी कोई कार्रवाई करते है या फिर आपसी सांठ-गांठ करके मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है।

ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत, दो घायल

शाहाबाद। कस्बा के स्टेशन-जमुरा मार्ग पर गन्ना लदे ट्रक की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत हो गई जबकि, भाई-बहन घायल हो गए। कोतवाली क्षेत्र कठमा निवासी रविंदर की 35 वर्षीय पत्नी रामवती बीमार थीं। देवर मनीष ने बताया कि वह 21 वर्षीय बहन सीमा के साथ भाभी रामवती को उपचार के लिए बाइक से सिकंदरपुर कल्लू लेकर जा रहा था। आंझी शाहाबाद स्टेशन-जमुरा मार्ग पर शुक्रवार की शाम नरभा पुलिया के पास पीछे से आ रहे गन्ना लदे ट्रक ने बाइक में टक्कर मार दी। इससे तीनों लोग घायल हो गए। हादसे के बाद ट्रक चालक वाहन लेकर मौके से भाग गया। घायलों को सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सक ने रामवती को मृत घोषित कर दिया गया। सीमा के गंभीर रूप से घायल होने पर उपचार शुरू किया गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

दो ट्रकों से 400 लीटर डीजल चोरी

मल्लावां। पेट्रोल पंप पर खड़े दो ट्रकों से गुरुवार रात चोरों ने 400 लीटर से अधिक डीजल चोरी कर लिया। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। आए दिन हो रही चोरी पर पुलिस अंकुश नहीं लगा पा रही है। कस्बा के बाहर कटरा-बिल्हौर हाईवे पर मां गायत्री फिलिंग स्टेशन पर डीजल चोरी की घटना हुई है। हरदोई निवासी विकास डीसीएम चालक हैं। गुरुवार की रात वह हरदोई से उन्नाव सरसों का तेल ले जा रहे थे। रात दो बजे कोहरा होने के कारण डीसीएम पेट्रोल पंप पर खड़ी कर दी। वहीं पर एक ट्रक भी खड़ा था। विकास गाड़ी में ही सो गया। सुबह करीब साढ़े चार बजे कार से आए चोरों ने डीसीएम व ट्रक की टंकी के ढक्कन तोड़कर डीजल चोरी कर लिया। इसके बाद चोर कार हरदोई की ओर लेकर भाग गए। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। फुटेज में एक व्यक्ति कार में बैठा है जबकि, दो लोग डीजल चोरी करते दिखाई दे रहे हैं।

संविधान निर्माता को दी पुष्पांजलि

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। महान बौद्धिस्तव, भारत रत्न, सिंबल आफ नॉलेज, विश्व रत्न, नारी के मुक्तिदाता,बहुजनों के मसीहा,प्रथम कानून मंत्री और अर्थशास्त्री जैसी अनेकों प्रतिभाओं के धनी बाबा साहेब डॉ.भीमराव अम्बेडकर जी की 67 वे महापरिनिर्वाण पर बहुजन समाज के लोगों ने अलग अलग स्थानों पर बाबा साहेब जी की प्रतिमाओं और चित्र के सामने पुष्प अर्पित कर और मोमबत्तीयां जलाकर नमन किया। तो वही शहर के जनकवि /बेखौफ शायर के नाम से मशहूर डॉ नरेश सागर ने हापुड़ में लगी सबसे बड़ी अंबेडकर की मूर्ति मेरठ किराए पर पुष्प अर्पित किए।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डा.नरेश %सागर% ने कहा कि बाबा साहेब ने जाति धर्म की गंदी मानसिकता से ऊपर उठकर सभी देशवासियों के लिए समता और समानता भरा भारतीय संविधान लिखा,मगर बाबा साहेब के साथ कभी न्याय नहीं हुआ उन्हें आजादी के 75 सालों बाद भी लोग जातिगत हीन भावना की दृष्टि से देखते हैं जो न्याय के इस मसीहा के साथ एक घोर अन्याय है।

शहर की सबसे प्रशिद्ध प्रतिमा बाबा साहेब की प्रतिमा पर फूल माला और मोमबत्तीयां जलाने वालों में विकास दयाल, लोकेश अकेला, पंकज, समीर सागर, ओमींदर, लोकेश सागर, कैलाश हलद्वानी, रजनीश पायलेट,राजा भैया, विक्रम भैया काल, मालती भारती, मानवी सिंह, रूमी,आदि ने पुष्पांजलि अर्पित की। ।

विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन जनपद के चारो विकास खण्ड की ग्राम पंचायतों में किया गया

द अचीवर टाइम्स संवाददाता

हापुड़। विकास खण्ड की ग्राम पंचायत नली हुसैनपुर, हाजी उदयपुर में विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन विभिन्न-विभिन्न विभागो की स्टॉल लगाकर आम जनमानस को जागरूक किया गया। पंचायती राज विभाग की स्टॉल पर स्वच्छ भारत मिशन-(ग्रामीण) योजनान्तर्गत शौचालय की मांग करने वाले व्यक्तियों के आवेदन-पत्र लिये गये। और ग्राम में गंदगी न फैलाने के सम्बन्ध में आमनमानस को जागरूक करते हुए स्वयं अपने घर के सामने साफ-सफाई किये जाने के सम्बन्ध में प्रेरित किया गया। इसी क्रम में खाद्य आपूर्ति विभाग के द्वारा उज्जवला योजना के सम्बन्ध में आमजनमानस को प्रेरित किया गया। कृषि विभाग, समाज कल्याण विभाग, सहकारिता विभाग, चिकित्सा विभाग, ग्राम्य विकास विभाग के द्वारा एन0आर0एल0एम0 से सम्बन्धित स्टॉल लगाकर अपने-अपने विभाग की योजनाओं के सम्बन्ध में आमजनमानस को प्रेरित किया गया। मौके पर उपस्थित प्रवेन्द्र सिंह ग्रुप-बी सीनियर टैक्नीशियन असिस्टैन्ड कृषि विभाग के नोडल अधिकारी के द्वारा भी विभिन्न-विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में आमजनमानस को जागरूक किया गया। सहायक विकास अधिकारी-पं0, सहायक विकास अधिकारी-कृषि, सहायक विकास अधिकारी-समाज कल्याण, सहायक विकास अधिकारी-सहकारिता, सहित अन्य विभागों अधिकारी मौके पर मौजूद थे। इसी क्रम में विकास खण्ड धौलाना की ग्राम पंचायत डूहरी में जिला पंचायत राज अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह ने स्वयं प्रतिभाग करते हुए स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण की योजनाओं से आमजनमानस को आच्छादित किया गया जिला पंचायत राज अधिकारी के द्वारा आमजनमानस को स्वच्छता रखे जाने हेतु प्रेरित किया गया। ग्राम पंचायत में किसी भी जनमानस की समस्या हेतु पंचायत घर पर ग्राम पंचायत सचिव को अपना प्रार्थना-पत्र दिये जाने हेतु प्रेरित किया गया। ग्राम पंचायत डूहरी में श्री नरेश तोमर जिलाध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी के द्वारा भी केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार के द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं के सम्बन्ध में आमजनमानस को जागरूक किया गया। उपनिदेशक-कृषि के द्वारा भी अपने विभाग से संचालित योजनाओं के सम्बन्ध में ग्राम पंचायत डूहरी के आमजनमानस को जागरूक करते हुए योजनाओं के लाभ लिये जाने हेतु प्रेरित किया गया। जिला समाज कल्याण अधिकारी के द्वारा भी शादी अनुदान जैसी विभागीय योजनाओं के सम्बन्ध में आमजनमानस को जागरूक किया गया। ग्राम पंचायत सौलाना में विभिन्न विभागों के द्वारा अपनी-अपनी स्टॉल लगाकर आमनमानस को अपने-अपने विभाग की योजनाओं के सम्बन्ध में जागरूक किया गया निशान्त शिशौदिया ब्लाक प्रमुख धौलाना के द्वारा भी सरकार के द्वारा संचालित की जा रही योजनाओं के सम्बन्ध में जागरूक किया गया मौके पर शिवकुमार जिला समाज कल्याण अधिकारी, प्रीति रानी पूर्ति निरीक्षक, सहायक विकास अधिकारी-पं0,सहायक विकास अधिकारी-कृषि, सहायक विकास अधिकारी-आई0एस0बी, सहित आदि अधिकारी मौजूद थे।

मेंहदी का रंग फीका पड़ने से पहले मौत

फंदे पर लटकी मिली नवविवाहिता

संवाददाता

आगरा। पीड़ित पिता ने बताया कि बुधवार रात 12 बजे सास तृष्णा ने फोन कर संध्या की मौत की जानकारी दी। बेटी के ससुराल पहुंचे तो संध्या का शव पंखे के सहारे फांसी के फंदे से लटका था। पैर जमीन पर छू रहे थे।

हाथों में रचाई मेहंदी मिटने से पहले ही विवाहिता संध्या की ससुराल में मौत हो गई। शादी के आठवें ही दिन बुधवार की रात शव फंदे से लटका मिला। मंगलवार को ही पति उसे मायके से लेकर आया था। मायके पक्ष को पता चला तो पैरों तले जमीन खिसक गई। उन्होंने पति पर दहेज के लिए शराब पीकर मारपीट करने, हत्या कर शव लटका देने का केस दर्ज कराया है। घटना हरीपर्वत थाने के रतनपुरा मोहल्ले की है। त्रिवेणी नगर, गढ़ी भदौरिया निवासी आनंद कुमार ने बेटी संध्या (22) की शादी 29 नवंबर को रतनपुरा मोहल्ले में रहने वाले ज्ञानेश कुमार के साथ की थी। पिता ने बताया कि ज्ञानेश दिल्ली में नौकरी करता है। आरोप लगाया कि शादी में कार और 16 लाख रुपये खर्च करने पर भी ससुराली खुश नहीं थे। 12 लाख की कार और 5 लाख का कैश नहीं देने पर बेटी को पहले दिन से ही ताने मारने लगे। 3 दिसंबर को पहली विदा पर बेटी को घर लाए थे। तब उसने बताया था कि पति शराब पीकर आता है। कार और रुपयों के साथ सास तृष्णा और ससुर महेश चंद परेशान कर रहे हैं। इस पर मंगलवार को संध्या को लेने आए ज्ञानेश को समझाया था। कहा कि वह शराब पीकर नहीं आए। उनकी मांग भी पूरी कर देंगे। इसके बावजूद बेटी की हत्या कर दी गई।

फर्श पर छू रहे थे पैर

पिता ने बताया कि बुधवार रात 12 बजे सास तृष्णा ने फोन कर संध्या की मौत की जानकारी दी। बेटी के ससुराल पहुंचे तो संध्या का शव पंखे के सहारे फांसी के फंदे से लटका था। पैर जमीन पर छू रहे थे। पुलिस ने दरवाजा खोलकर शव उतारा। पिता ने आरोप लगाया कि बेटी की हत्या के बाद शव को फंदे से लटकाया गया है। एसीपी हरीपर्वत मयंक तिवारी ने बताया कि पति, सास व ससुर सहित अन्य के खिलाफ दहेज के लिए हत्या का केस दर्ज किया गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

परिषद द्वारा मुक्तिधाम में फैलाई जा रही लगातार गंदगी

❖ पशुओं को खिलाया जा रहा ज़हर।

❖ नही हो पा रहा कचरा डंपिंग की स्थाई जगह कौन सी है वज।

संवाददाता

शहडोल। नगर परिषद बरगवां अमलाई कचरा डम्पिंग के लिए नगर परिषद प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा सका वार्ड क्रमांक 5 मुक्तिधाम में गंदगी फैला डंप किया जाता है गीला व सूखा कचरा, अभी तक नपं को उपलब्ध नहीं हो पायी है लैंडफिल की भूमि नगर के कुल कई वार्डो से हर दिन लगभग 10 क्विंटल कचरा निकलता है, जो विभिन्न जगहों पर यत्र-तत्र जमा किया जा रहा है। नगर प्रशासन की उदासीनता के कारण सफाई कर्मी भी यत्र-तत्र कचरा जमा करने के लिए मजबूर है। लेकिन नगर प्रशासन के अब तक कान पर जूं तक नहीं रेंग रहा है ध्यान देने वाली बात यह है कि कचरा प्रबंधन के उचित तरीके से क्रियान्वयन को लेकर समय-समय पर नगर विकास विभाग की ओर से निर्देश दिए जाते रहे हैं। लेकिन नगर परिषद बरगवां अमलाई में कचरा डम्पिंग के लिए कोई निश्चित जगह का चयन नहीं किया जा सका है। खुले में प्लास्टिक बैग या कचरा को फेंके जाने पर उसे मवेशी खाकर बीमार हो रहे है। मवेशी चिकित्सक के अनुसार इस तरह से प्लास्टिक और कचरा खाने से मवेशियों में गंभीर।

बारिश के दौरान विभिन्न उपार्जन केन्द्रो का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

❖ कृषक सुविधा तथा उपार्जन स्कंध को सुव्यवस्थित रखने के संबंध में दिए दिशानिर्देश

संवाददाता

शहडोल। खरीफ उपार्जन वर्ष 2023-24 के अंतर्गत जिले में 21 उपार्जन केन्द्र स्थापित किए गए हैं। कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने आज बदले मौसम व रिमझिम हो रही बारिश के बीच अनूपपुर मण्डी स्थित उपार्जन केन्द्र तथा तुलसी वेयर हाऊस मेड़ियारास, आदिम जाति सेवा सहकारी समिति दुलहरा (दमना) तथा आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित राजेन्द्रग्राम का निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अनुविभागीय दण्डाधिकारी अनूपपुर श्रीमती दीपशिखा भगत, जिला आपूर्ति अधिकारी श्री बी.एस. परिहार, नागरिक आपूर्ति निगम के जिला प्रबंधक श्री मधुर खर्द, नायब तहसीलदार श्री मंगलादास चक्रवर्ती तथा अन्य संबंधित अधिकारी-कर्मचारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने उपार्जन केन्द्रों का निरीक्षण करते हुए किसानों द्वारा लाई गई उपज की वाहनों से स्कंध अनलोडिंग हेतु उपलब्ध स्थान, उपज तौलने हेतु इलेक्ट्रानिक तौल कांटे की जांच के साथ ही किसान पंजीयन तथा भण्डारण आदि की व्यवस्था का अवलोकन किया। उपार्जन केन्द्र आदिम जाति सेवा सहकारी समिति दुलहरा (दमना) में उपार्जित स्कंध के व्यवस्थित एवं सुरक्षित नही होने पर नाराजगी जताई गई तथा तत्काल इसकी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। जिसके बाद तत्काल ही अमले द्वारा उपार्जित अनाज को व्यवस्थित रखने का कार्य किया गया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उपार्जित स्कंध का भण्डारण सुव्यवस्थित तरीके से हो, अन्यथा सभी जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने जिले के सभी उपार्जन केन्द्रों का आकस्मिक निरीक्षण सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कृषकों की सहायता और बैठक व्यवस्था तथा एफएक्यू के अनुरूप स्कंध के खरीदी के संबंध में निर्देश दिए। कलेक्टर ने उपार्जन केन्द्रों के निरीक्षण के दौरान तिरपाल, इलेक्ट्रॉनिक तौल कांटे, मास्चर मीटर, गुणवत्ता परीक्षण उपकरण आदि की भी मौके पर जांच की। उन्होंने समितियों को शीतकालीन मौसम तथा तापमान में गिरावट को दृष्टिगत रखते हुए उपार्जन स्कंध के सुरक्षा के लिए तिरपाल आदि की वैकल्पिक व्यवस्था भी सुनिश्चित करने के दिशानिर्देश ।दिए ।

एक नज़र

सशस्त्र झण्डा दिवस के अवसर पर प्रशासनिक अधिकारियों को लगाया गया फ्लैग

संवाददाता

शहडोल। सशस्त्र झण्डा दिवस के अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी श्री धीरेन्द्र सिंह, कल्याण संयोजक ओंकार लाल गवली द्वारा माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री महेंद्र जैन, सीईओ जिला पंचायत श्री राजेश जैन, अपर कलेक्टर श्री रोमोनुस टोप्पो सहित अन्य अधिकारियों को फ्लैग लगाया गया। साथ ही सशस्त्र सेना दिवस के झंडे लगाकर दान की राशि एकत्रित की गई। जिला सैनिक कल्याण अधिकारी ने जानकारी दी है कि शासन द्वारा इस वर्ष शहडोल जिले में सशस्त्र सेना झंडा दिवस के अवसर पर 468600 रुपए की धनराशि एकत्रित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बेचे जा रहे थे लैकमे सहित इन नामी कंपनियों के नकली सौंदर्य प्रसाधन, पांच गिरफ्तार

संवाददाता

आगरा। लुहार गली और वैद्य गली में छापा मारकर हिंदुस्तान लीवर और लैकमे के नकली उत्पाद पकड़े गए। ये सारा माल दिल्ली से आता था। थोक दुकानदारों के पास से टीम ने लाखों का सामान बरामद किया है। आगरा में खाद्य पदार्थों, कपड़े, जूते, इंजन ऑयल और पेंट के बाद अब ब्रांडेड कंपनियों के नकली सौंदर्य प्रसाधन पकड़े गए हैं। लुहार गली और वैद्य गली में पुलिस ने छापा मारकर पांच व्यापारियों को गिरफ्तार किया। थोक व्यापारियों के पास बड़ी मात्रा में लिपस्टिक, फेस क्रीम, काजल और फाउंडेशन आदि बरामद किए हैं। सौंदर्य प्रसाधन सामग्री नकली थे, जिसे दिल्ली से सस्ते दामों पर खरीदकर यहां बेचा जा रहा था। प्रिंट रेट पर 20 फीसदी की छूट भी दे रहे थे। इंस्पेक्टर मंटोला सत्यदेव शर्मा ने बताया कि हिन्दुस्तान लीवर लिमिटेड की प्रतिनिधि ने इस संबंध में अधिकारियों से शिकायत की थी। उन्होंने बताया था कि उनकी कंपनी कई सौंदर्य प्रसाधन बनाती है, बाजार में नकली माल खपाया जा रहा है। उनकी कंपनी ने जांच करके नकली सामान बेचने वाले दुकानदारों को भी चिह्नित किया है। पुलिस ने वैद्य गली स्थित रामनाथ प्लाजा में एसआर फैंसी और महादेव फैंसी की दुकान पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान विभिन्न सौंदर्य प्रसाधन के 1886 नग बरामद किए गए। मौके से धीरज गुप्ता और हेमंत कुमार को पकड़ा गया। कोतवाली पुलिस ने लुहार गली में तुलसीदास के मालिक प्रियांशु गोयल, लक्ष्मी कास्मेटिक्स के मालिक मनोज गोयल व ब्यूटी कास्मेटिक्स, राम मार्केट वैद्य गली के मालिक हरिओम जैन को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों की दुकानों से लैकमे कंपनी के नकली उत्पाद बरामद किए गए। आरोपियों ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि वे यह सामान दिल्ली से लेकर आते हैं। वे खुद नहीं बनाते हैं। पुलिस ने एक सौंदर्य प्रसाधन उत्पाद पर कीमत देखी तो 285 रुपये प्रिंट थे। आरोपियों ने बताया कि ये उन्होंने 40 रुपये में खरीदा था। ग्राहक को प्रिंट रेट पर 20 प्रतिशत डिस्काउंट देते हैं। उनकी दुकानों से छोटे दुकानदार भी माल लेकर जाते हैं। पुलिस ने पांचों व्यापारियों के विरुद्ध मुकदमे दर्ज करके जेल भेजा है।

त्वचा के लिए नुकसानदेय

इन उत्पादों के लंबे समय तक इस्तेमाल से त्वचा संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट आशिता बत्रा बताती हैं कि ब्यूटी प्रोडक्ट बहुत सोच समझकर ही खरीदने चाहिए। इन्हें बड़े स्टोर्स से खरीदना बेहतर है। नकली या सस्ते ब्यूटी प्रोडक्ट से त्वचा की एलर्जी, स्थायी दाग भी पड़ सकते हैं। कई बार त्वचा पर फुंसी और सूजन भी हो सकती है।

भारतीय वायुसेना को सफलता, दुर्गम क्षेत्र में पैराशूट से गिराए जा सकेंगे 16 टन वजनी हथियार

संवाददाता

आगरा। भारतीय वायुसेना किसी भी दुर्गम इलाके में पैराशूट के जरिए 16 टन वजन के हथियार और अन्य सामग्री आसमान से जमीन पर उतार सकती है। आगरा की प्रतिष्ठित रक्षा लैब एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (एडीआरडीई) ने भारतीय वायुसेना के साथ मिलकर मलपुरा ड्रॉपिंग जोन में सी-17 ग्लोबमास्टर विमान से 16 टन वजनी प्लेटफार्म उतारा, जो 24 फुट लंबा और 8 फुट चौड़ा है। खास पहलू ये है कि यह पूरा पैराशूट सिस्टम और प्लेटफार्म स्वदेशी है। भारतीय वायुसेना की पश्चिमी कमान ने सोशल साइट एक्स पर मलपुरा ड्रॉपिंग जोन पर बृहस्पतिवार को हुए ट्रायल की तस्वीरें साझा की हैं। इसमें बताया गया है कि पहली बार सफलतापूर्वक 16 टन वजन के प्लेटफार्म को वायुसेना के विमान से जमीन पर उतारा गया है। इसमें आगरा की एडीआरडीई लैब ने स्वदेशी पैराशूट सिस्टम का उपयोग किया है। पांच पैराशूट के सिस्टम से किसी भी दुर्गम इलाके में अब ज्यादा वजन वाले हथियार और रक्षा उपकरणों को सेना उतार सकेगी। एयरफोर्स के मलपुरा ड्रॉपिंग जोन में किए गए परीक्षण को तीन चरणों में किया गया। पहले चरण में सी-17 ग्लोबमास्टर विमान के बाहर लोड की जांच की गई। दूसरे चरण में लोडिंग की जांच कर 16 टन वजनी प्लेटफार्म को ग्लोबमास्टर विमान पर चढ़ाया गया।

सायबर सेल शहडोल द्वारा 150,000 रुपये कराए गए वापस

संवाददाता

शहडोल। पुलिस अधीक्षक शहडोल श्री कुमार प्रतीक द्वारा वित्तीय धोखा-धड़ी संबंधी शिकायत पर त्वरित कार्यवाही करने हेतु लगातार सायबर सेल को निर्देशित किया जा रहा हैं जिसके तहत सायबर सेल शहडोल द्वारा लगातार फरियादियों के साथ हुई वत्तीय थोखाथड़ी की राशि को वापस कराने की कार्यवाही की जा रही हैं। आवेदक लक्ष्मीकांत शर्मा निवासी कॉलेज कॉलोनी बुढ़ार जिला शहडोल (म.प्र.) द्वारा क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 1.50,000 रुपये फ्रोड होने की शिकायत प्रस्तुत की गई थी जिस पर उक्त शिकायत के संबंध में सायबर सेल शहडोल द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए फरियादी की सम्पूर्ण राशि 1,50,000 रुपये वापस कराई गई हैं। उक्त कार्यवाही में सायबर सेल से आरक्षक सत्यप्रकाश मिश्रा, प्रकाश द्विवेदी एवं हिमवंत चन्द्र मिश्रा की सराहनीय भूमिका रही।

आवश्यक सूचना

कियोस्क संचालक बायोमेट्रिक के माध्यम से ही राशि का आहरण करें किसी भी प्रकार के लालच में आकर अन्य माध्यम जैसे UPI, QR कोड के माध्यम से भेजी गई राशि का नगद भूगतान न करें, UPL QR कोड के माध्यम से नगद भूगतान किए जाने पर सायबर ठगी के शिकार हो सकते हैं। बैंक खाता खुलवाते समय बैंक द्वारा एक किट प्रदाय की जाती हैं जिसमें बैंक खाते की पास बुक, एटीएम कार्ड, चेक ब्क एवं एटीएम पिन जैसी महत्वपूर्ण जानकारिया रहती हैं, कुछ राशि के प्रलोभन में आकर आम व्यक्तियों द्वारा खाता खुलवाकर खाते की सम्पूर्ण किट प्रदान कर दी जाती हैं जो किट सायबर फॉडस्टर के पास पहुँच जाती हैं एवं उन खातो का उपयोग सायबर ठगी में राशि के आहरण हेतु किया जाता हैं इस प्रकार के प्रलोभन से बरचें एवं बैंक खाते की गोपनीय जानकारी किसी से भी साझा न करें।

नेशनल लोक अदालत का 9 दिसम्बर 2023 को हुआ आयोजन

❖लोक अदालत के लिए 23 न्यायिक खण्डपीठों का किया गया गठन।

संवाददाता

शहडोल। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शहडोल श्री महेन्द्र कुमार जैन के मार्गदर्शन में 9 दिसम्बर को जिला न्यायालय शहडोल एवं सिविल न्यायालय ब्यौहारी, बुढ़ार तथा जयसिंहनगर में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जावेगा। नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण हेतु प्रधान जिला न्यायाधीश के द्वारा कुल 23 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया है। नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य प्रकरणों के निराकरण हेतु जिला न्यायालय शहडोल में 10 खण्डपीठों, सिविल न्यायालय ब्यौहारी में 04, सिविल न्यायालय बुढ़ार में 05 एवं सिविल न्यायालय जयसिंहनगर में 04 खण्डपीठों का गठन किया गया है। जिला न्यायालय शहडोल में न्यायिक अधिकारीगण क्रमशःमाननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री महेन्द्र कुमार जैन, श्री बी.एल. प्रजापति विशेष न्यायाधीश, सुश्री प्रतिभा साठवणे प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय, श्री आमोद आर्य प्रथम जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्री प्रिवेन्द्र कुमार सेन, तृतीय जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश,श्रीमती प्रीति साल्वे, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री मधुसूदन जंघेल तृतीय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड, श्री अंजय कुमार सिंह, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, सुश्री विजयश्री सूर्यवंशी व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड, श्री ऋषभ डोंनल सिंह , तृतीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड की खण्डपीठ गठित की गई है । सिविल न्यायालय ब्यौहारी में न्यायिक अधिकारीगण श्री निसार अहमद जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्री कमलेश साहू व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड, श्रीमती किरण वर्मा , व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड, सुश्री रानू रिछारिया, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड की खण्डपीठ गठित की गई है। सिविल न्यायालय बुढ़ार से न्यायिक अधिकारीगण श्रीमती सुमन उईके, अति. जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश, श्री राहुल वर्मा, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, श्रीमती शोभना गौतम, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खण्ड, सुश्री आकांक्षा टेकाम, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड, श्रीमती रेखा द्विवेदी, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड की खण्डपीठ गठित की गई है। इसी प्रकार सिविल न्यायालय जयसिंहगर से न्यायिक अधिकारीगण श्री अभिषेक गोयल जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश हैं।

11 वर्षीय बच्चे की लाश की तलाश

28 साल पहले हुआ था अपहरण

संवाददाता

आगरा। थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि सीओ सदर प्रवीण मलिक, नायब तहसीलदार पंकज यादव की मौजूदगी में जेसीबी से रहबहे के संभावित स्थान की खोदाई कराई गई। हालांकि वहां किसी भी प्रकार के अवशेष नहीं मिले। मथुरा के राया में 28 वर्ष पूर्व 11 वर्षीय बालक की अपहरण के बाद हत्या के मामले में पुलिस ने गुरुवार दोपहर तीन बजे रजबहे की खोदाई कराई। हालांकि खोदाई में कोई अवशेष नहीं मिला। थाना राया के गांव नगला पिरसुआ निवासी संतशरण का आरोप है कि उसका छोटा भाई राकेश (11) पुत्र स्व. रोशनलाल खेलने के लिए अपने घेर में गया था। यहां से गांव के चार लोग उसे अपहरण कर ले गए थे। इस संबंध में थाना राया पर सन् 1996 में चार लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इस मामले में पुलिस ने सन् 2000 में मध्य प्रदेश से किसी फर्जी लड़के को बरामद कर अंतिम रिपोर्ट लगा दी थी। इसके बाद 4-5 बार और जांच कराई गई। इनमें भी पूर्व जांच के आधार पर क्रम से अंतिम रिपोर्ट लगा दी गई। न्याय न मिलने पर मैंने आईजी आगरा के पास न्याय की गुहार लगाई। अब मेरी जांच सीओ सदर प्रवीण मलिक के पास है। उन्होंने मेरी बातों को सुना और कोयल रजबहे पर स्थित संभावित जगह की खोदाई कराई गई है। थाना प्रभारी अजय कुमार ने बताया कि सीओ सदर प्रवीण मलिक, नायब तहसीलदार पंकज यादव की मौजूदगी में जेसीबी से रहबहे की संभावित स्थान की खोदाई कराई गई। हालांकि वहां किसी भी प्रकार के अवशेष नहीं मिले।

5 साल में 13 हजार SC/ST व OBC छात्रों ने छोड़ा IIT और IIM, क्या जातीय भेदभाव है कारण?

हायर एजुकेशन में आरक्षित वर्ग के छात्रों की संख्या बढ़ाने के लिए सरकार कई स्कॉलरशिप और स्कीम चला रही है, लेकिन एससी, एसटी और ओबीसी कैटेगरी के छात्रों ने पढ़ाई छोड़ी है!

❖ 5 साल में 13 हजार SC/ST व OBC छात्रों ने छोड़ा IIT और IIM, क्या जातीय भेदभाव है कारण?

संवाददाता

नई दिल्ली। आईआईटी, दिल्ली के उदयगिरी हॉस्टल में गत 9 जुलाई, 2023 की सुबह एक छात्र का शव पंखे से लटका मिला था। करीब 23 वर्षीय आयुष आसना इंजीनियरिंग के चौथे वर्ष का छात्र था। वह दलित वर्ग से आता था। आत्महत्या के पीछे की वजह अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई है। उसके सहपाठी बताते हैं कि वह पिछले कई दिनों से मानसिक तनाव में जी रहा था। पुलिसिया बयान यह है कि पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। इसी तरह साल के शुरूआत में आईआईटी बाम्बे के छात्र दर्शन सोलंकी ने भी आत्महत्या कर ली थी। परिजनों ने जातीय भेदभाव का आरोप लगाया था। मामले में एक साथ छात्र पर पुलिसिया कार्रवाई भी हुई थी। इधर, गत सोमवार को केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री सुभाष सरकार ने लोकसभा(Parliament) में एक लिखित सवाल के जवाब में जानकारी दी कि पिछले पांच साल में आईआईटी(IIT) और आईआईएम(IIM) सहित अन्य केंद्रीय विश्वविद्यालयों (Central university) में पढ़ने वाले एससी व एसटी और ओबीसी कैटेगरी के 13000 से अधिक छात्रों ने पढ़ाई छोड़ी दी है। इस सूचना के सार्वजनिक होने के बाद यह सवाल पूछा जा रहा है कि क्या उच्च संस्थानों में जातीय भेदभाव के चलते बहुजन समाज के छात्र पढ़ाई बीच में छोड़ने को मजबूर है? इस सवाल के जवाब में ओडिशा के सामाजिक कार्यकर्ता और आईआईटी रूड़की के पूर्व छात्र मधुसूदन बताते है कि आरक्षित श्रेणी के छात्रों के साथ पहले दिन से ही जातीय भेदभाव शुरू हो जाता है। अमूमन साथी छात्र उनसे जेईई की रैंक पूछते है। इसके बाद कम रैंक वाले आरक्षित छात्रों को एक खास नाम से पुकारा जाने लगता है। उन्हें साइड लाइन कर दिया जाता है। सामान्य पृष्टभूमि से आने वाले छात्रों की अंग्रेजी भाषा पर पकड़ नहीं होती। इससे सवर्ण समाज से आने वाले प्रोफेसर भी उनको ज्यादा ध्यान नहीं देते। प्रतिस्पर्द्धा, प्रोफेसर के ध्यान नहीं देने से तनाव बढ़ता जाता है। यह एक बड़ा कारण है, जिससे इस वर्ग के छात्रों का ड्रॉप आउट रेट अधिक है। इसके अलावा भी कई कारण है, जिससे छात्र पढ़ाई बीच में छोड़ देते हैं।

बसपा सांसद रितेश पांडेय ने पूछा था सवाल

शीतकालीन सत्र के दौरान लोकसभा में पूछे गए एक सवाल के जवाब में राज्य मंत्री ने बताया कि पिछले पांच साल में केंद्रीय विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले 4,596 ओबीसी 2,424 एससी और 2,622 एसटी छात्रों ने अपनी पढ़ाई छोड़ दी। इनमें आईआईटी के भीतर 2,066 ओबीसी, 1,068 एससी और 408 एसटी छात्रों ने पढ़ाई छोड़ी। इसी तरह आईआईटी में पढ़ने वाले 2,066 ओबीसी, 1,068 एससी और 408 एसटी छात्रों ने पढ़ाई छोड़ दी। जबकि आईआईएम में पढ़ने वाले 163 ओबीसीए 188 एससी और 91 एसटी छात्रों ने पढ़ाई छोड़ी। इस तरह केंद्रीय विश्वविद्यालयों, आईआईटी और आईआईएम में पढ़ने वाले आरक्षित वर्ग के 13,626 छात्रों को पिछले पांच साल में पढ़ाई छोड़नी पड़ी।

नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी का सरकार के पास नहीं है आंकड़ा

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने बताया कि नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज की स्थापना संबंधित अधिनियमों के तहत की गई है। राज्य विधानमंडल उन्हें स्टेट यूनिवर्सिटी बनाते हैं। रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने कहा कि नेशनल लॉ यूनिवर्सिटीज के ड्रॉपआउट छात्रों का उसके पास कोई डेटा नहीं है।

सरकार चला रही गरीब छात्रों के लिए कई स्कीम

राज्य शिक्षा मंत्री ने कहा कि सरकार ने कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले गरीब छात्रों को हायर स्टडी में मदद के लिए फीस में कमी, अधिक इंस्टीट्यूट की स्थापना, स्कॉलरशिप और राष्ट्रीय स्तर की स्कॉलरशिप तक उनकी पहुंच सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि एससी/एसटी छात्रों के लिए आईआईटी में ट्यूशन फीस में छूट सेंट्रल सेक्टर स्कीम के तहत नेशनल स्कॉलरशिप जैसी योजनाएं भी हैं।

विशेषज्ञ क्या कहते हैं

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हायर एजुकेशन में छात्रों के ड्रॉपआउट रेट को लेकर ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के पूर्व चेयरमैन एसएस मंथा और भारत सरकार के पूर्व शिक्षा सचिव अशोक ठाकुर ने अप्रैल 2023 में इंडियन एक्सप्रेस के लिए एक लेख लिखा था। मंथा और ठाकुर ने वर्तमान शिक्षा प्रणाली को तनाव देने वाला बताते हुए लिखा है कि हमारे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों पर शिक्षा और प्लेसमेंट का दबाव है। छात्रों पर सफल होने का दबाव है। इसके साथ कई अन्य कारक भी जोड़ें जो अंततः छात्रों को पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर करते हैं। पढ़ाई छोड़ना एक व्यक्तिगत मुद्दा हो सकता है, लेकिन अगर इतनी बड़ी संख्या में छात्र पढ़ाई छोड़ रहे हैं, उसके कारणों की समीक्षा होनी चाहिए। हमें यह सोचना चाहिए किन बदलावों की जरूरत है, जिससे स्टूडेंट्स अपना कोर्स बीच में न छोड़ें। दोनों आगे लिखते हैं- ऐसा होने के लिएए हमारे विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को आत्मनिरीक्षण करना होगा। उच्च शिक्षण संस्थान में एक छात्र का सफर आसान नहीं होता है। एक छात्र को जोड़े रखने के लिए हमारे मैनेजमेंट, फैकल्टी और कर्मचारियों को क्या करना चाहिए। इस पर गंभीरता से चर्चा होनी चाहिए। छात्रों को विशेषकर प्रथम वर्ष में कॉलेज लाइफ के अनुरूप ढलने के लिए समय की आवश्यकता होती है। लेकिन इससे पहले कि वे अपनी नई मिली आजादी के मूल्य को समझें और कैंपस जीवन की कई संभावनाओं को समझें, कई लोग पढ़ाई छोड़ देते हैं। उच्च शिक्षा पर शोध इस बात की पुष्टि करता है कि केवल 50 प्रतिशत छात्र पिछले वर्षों के भारी बैकलॉग के बिना ग्रेजुएशन तक पहुंच पाते हैं।

थाइलैंड से वाया मणिपुर भारत में पहुंच रहे हैं मादक पदार्थ

छह तस्कर गिरफ्तार, आरोपियों में दो छात्र

संवाददाता

नई दिल्ली। आरोपियों में एक छात्र नोएडा स्थित एमिटी विश्वविद्यालय का बीबीए का पूर्व छात्र लक्ष्य भाटिया है, जबकि दूसरा दिल्ली स्थित सूरजमल इंस्टीट्यूट से बीबीए कर रहा है। दिल्ली पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर दो छात्रों सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में एक छात्र नोएडा स्थित एमिटी विश्वविद्यालय का बीबीए का पूर्व छात्र लक्ष्य भाटिया है, जबकि दूसरा दिल्ली स्थित सूरजमल इंस्टीट्यूट से बीबीए कर रहा है। आरोपी दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद व गुरुग्राम समेत अन्य जगहों के शैक्षणिक संस्थानों में मादक पदार्थ बेचते थे। ग्राहकों से संपर्क का माध्यम सोशल मीडिया प्लेटफार्म था। देश में मादक पदार्थ थाइलैंड से मंगाकर खेप मणिपुर से उत्तर भारत के राज्यों में पहुंचती थी। अपराध शाखा के आरोपियों के कब्जे से 48 किलोग्राम गांजा, 15 ग्राम एमडीएमए व 1,200 ग्राम जैविक गांजा बरामद किया है। अपराध शाखा के विशेष पुलिस आयुक्त रविंद्र सिंह यादव के अनुसार, सूचना मिली थी कि दिल्ली के कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में तस्कर सक्रिय हैं। मोती नगर स्थित डीएलएफ कैपिटल ग्रीन्स के एक घर से नशे का कारोबार चल रहा है। गिरोह मणिपुर और शिलांग से रेल के जरिये गांजा व थाईलैंड से विमान के जरिये जैविक गांजा मंगाता है। इसके बाद टीम ने दबिश देकर मणिपुर निवासी नोंगमैथम जशोबंता सिंह (36) और थियम रबिकांत सिंह (32) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों साथी रुद्रांश गुप्ता को गांजा आपूर्ति करते थे। नोंगमैथम की निशानदेही पर सेक्टर-31, गुरुग्राम निवासी रुद्रांश गुप्ता को भी गिरफ्तार कर लिया गया। रुद्रांश दो वर्षो से तस्करी में संलिप्त है। तीनों आरोपियों से पूछताछ के बाद रामा पार्क, उत्तम नगर, दिल्ली निवासी लक्ष्य भाटिया व सेक्टर-4, द्वारका निवासी गिरिक अग्रवाल और रोशन नगर, थाना रावतपुर, कानपुर निवासी खालिद को गिरफ्तार कर कब्जे से मादक पदार्थ बरामद कर लिए।

सोशल मीडिया से फैला नेटवर्क, कूरियर से आपूर्ति

जशोबंता के पास मणिपुर से गांजा और थाईलैंड से जैविक गांजा आता था। फिर इसे बेचने के लिए रुद्रांश गुप्ता व अन्य आरोपियों को सौंपा जाता था। रुद्रांश विभिन्न विश्वविद्यालयों में व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम और फेसबुक आदि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से ग्राहकों से संपर्क करता था। ऑर्डर मिलने पर उसी दिन आपूर्ति करने वाली कूरियर सेवा पोर्टर, वी-फास्ट आदि की मदद से ग्राहकों को भेज देता था। आरोपी यूपीआई से बैंक खाते में भुगतान लेता था।

विवि में पढ़ाई के दौरान शुरू की तस्करी

लक्ष्य शुरू में खुद शौक पूरा करने के लिए मादक पदार्थ खरीदता था। इस दौरान उसकी पहचान गिरोह से जुड़े खालिद जफर से हुई। वह तीन साल से छात्रों को गांजा आदि आपूर्ति कर रहा है। लक्ष्य ने गिरिक के माध्यम से खालिद से मादक पदार्थ खरीदे फिर दिल्ली और नोएडा के विभिन्न विश्वविद्यालयों में सोशल मीडिया के जरिये आपूर्ति करने लगा। खालिद कानपुर निवासी शाश्वत से मादक पदार्थ खरीदता था और लक्ष्य के माध्यम से एमिटी के छात्रों को आपूर्ति करता था।

नाइजीरियाई और छात्रों को गांजा बेचने वाले समेत तीन गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने बुधवार को शारदा गोलचक्कर से एलजी गोलचक्कर की तरफ बंद रास्ते के पास गांजा तस्कर एटा निवासी संदीप का गिरफ्तार कर एक किलो 450 ग्राम गांजा बरामद किया है। संदीप ग्रेनो वेस्ट की एक सोसाइटी से किसी व्यक्ति से गांजा लाकर नाइजीरियाई व छात्रों को नॉलेज पार्क क्षेत्र में आकर बेचता है। आरोपी गांजा खरीदने वाले विदेशी व छात्रों की मांग पर गांजा बेचने आता था। इसके अलावा थाना बीटा-2 पुलिस ने चोरी की फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक से गांजा तस्करी करने वाले देवन शर्मा और बंटी को गिरफ्तार किया है। आरोपी आरोपियों के कब्जे से तीन किलो 200 ग्राम गांजा बरामद किया गया है।

एक नज़र

देर रात चामी के पास बड़कोट जा रही कार खाई में गिरी, एक की मौत, दूसरा घायल

नौगांव(उत्तरकाशी)। अंधेरा अधिक होने के चलते कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में मनीष पुत्र मदनपाल, निवासी बरोटीवाला विकासनगर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। यमुनोत्री हाईवे पर देर रात दर्दनाक हादसा हो गया। चामी गांव के पास एक कार खाई में गिर गई। हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरा युवक घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, अल्टो कार संख्या ह्व्र07क्क1803 देर रात विकासनगर से बड़कोट जा रही थी। इस दौरान अंधेरा अधिक होने के चलते कार अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। हादसे में मनीष पुत्र मदनपाल, निवासी बरोटीवाला विकासनगर की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। वहीं, रवि कुमार पुत्र संतराम बद्रीनाथ मार्ग श्रीनगर गढ़वाल गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौगांव में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। थानाध्यक्ष पुरोला अशोक कुमार चक्रवर्ती ने बताया कि घटना देर रात की है। 108 को हादसे की सूचना मिली थी। पुलिस ने रेस्क्यू कर घायल हो निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका अभी इलाज चल रहा है।

अब फेसबुक मैसेंजर पर कॉलिंग हुई सुरक्षित, नए अपडेट के साथ मिला एंक्रिप्शन

नई दिल्ली। Meta के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने खुद इसकी जानकारी दी है। मार्क जकरबर्ग ने अपने एक पोस्ट में कहा है कि फेसबुक मैसेंजर पर कॉल और मैसेज अब डिफॉल्ट रूप से एंड टू एंड एंक्रिप्टेड होंगे। एक लंबे इंतजार के बाद मेटा ने फेसबुक मैसेंजर के लिए एंड टू एंड एंक्रिप्शन जारी कर दिया है। स्नह्लड्ड के सीईओ मार्क जकरबर्ग ने खुद इसकी जानकारी दी है। मार्क जकरबर्ग ने अपने एक पोस्ट में कहा है कि फेसबुक मैसेंजर पर कॉल और मैसेज अब डिफॉल्ट रूप से एंड टू एंड एंक्रिप्टेड होंगे। इस अपडेट के बाद फेसबुक मैसेंजर एप अब ङ्खद्धड्डह्लह्यन्श्चश्च की तरह ही सिक्योरिटी के मामले में सिक्योर हो गया है। फेसबुक मैसेंजर की हेड लोरेडाना क्रिसन ने कहा है कि इस एंक्रिप्शन के बाद मेटा या कोई भी थर्ड पार्टी एप्स मैसेंजर के कॉल या मैसेज को नहीं देख सकेंगे, हालांकि यदि कोई यूजर किसी मैसेज को लेकर शिकायत करता है तो ऐसी स्थिति में उस मैसेज को कंपनी एक्सेस करती है। वैसे आपको याद दिला दें कि फेसबुक मैसेंजर में एंक्रिप्शन 2016 से है लेकिन यह डिफॉल्ट रूप से नहीं था। अब नए अपडेट के बाद यह डिफॉल्ट रूप से एंक्रिप्टेड हो गया है। बता दें कि Meta ने अपने नए,ढ्ढ टूल Imagine को भी लॉन्च किया है। Imagine की मदद से आप कोई भी फोटो या ग्राफिक्स बना सकते हैं। आपको सिर्फ टेक्स्ट लिखना होगा और यह टूल आपको तस्वीरें दे देगा। मेटा का Imagine एक टेक्स्ट टू इमेज टूल है। इसके अलावा Imagine एक स्टैंडअलोन टूल है जिसे अलग से ही इस्तेमाल करना होगा।

कई भागों में दो दिन बारिश-बर्फबारी के आसार, पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता से बदलेगा मौसम

शिमला। 11 दिसंबर से एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से राज्य के मध्य व उच्च पर्वतीय कुछ भागों में बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। हिमाचल प्रदेश में 11 दिसंबर से एक ताजा पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने की संभावना है। इसके प्रभाव से राज्य के मध्य व उच्च पर्वतीय कुछ भागों में बारिश-बर्फबारी के आसार हैं। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य के सभी भागों में 10 दिसंबर को मौसम साफ बना रहने का पूर्वानुमान है। जबकि 11 व 12 दिसंबर को मध्य व उच्च पर्वतीय कुछ भागों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है। 13 दिसंबर से फिर सभी भागों में मौसम साफ रहने के आसार हैं।

न्यूनतम तापमान

समधो में न्यूनतम तापमान माइनस 3.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। इसी तरह शिमला में 7.2, सुंदरनगर 3.2, भुंतर 2.0, कल्पा 0.4, धर्मशाला 10.2, ऊना 5.8, नाहन 11.7, पालमपुर 6.0, सोलन 5.0, मनाली 1.4, कांगड़ा 7.7, मंडी 3.5, चंबा 4.9, जुब्बडहट्टी 8.8, कुफरी 5.8, नारकंडा 3.6, रिकांगपिओ 3.3, सेऊबाग 2.0, धौलाकुआं 8.0, बरठीं 6.5, सराहन 4.5 और देहरागोपीपुर में 11.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

अधिकतम तापमान

शिमला में अधिकतम तापमान 15.5, सुंदरनगर 24.3, भुंतर 23.1, कल्पा 15.3, धर्मशाला 22.0, ऊना 25.8, नाहन 23.3, केलांग 6.6, सोलन 20.8, मनाली 15.0, कांगड़ा 24.8, मंडी 20.7, चंबा 23.5, डलहौजी 10.3, जुब्बड़हट्टी 18.0, कुफरी 11.2, कुकुमसेरी 10.9, नारकंडा 10.3, रिकांगपिओ 17.4, सेऊबाग 10.9, धौलाकुआं 24.9, बरठीं 23.4 और समधो में 11.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है।

कल निवेशक सम्मेलन में पहुंचेंगे देश-विदेश के नामी उद्योगपति

ऐसे होगा भव्य स्वागत

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में शुक्रवार आठ दिसंबर से दो दिवसीय वैश्विक निवेशक सम्मेलन का आयोजन होने जा रहा है। सम्मेलन में देश विदेश के नामी उद्योगपति शामिल होंगे। इसे लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। वहीं, सीएम धामी ने तैयारियों को लेकर खुद मोर्चा संभाला हुआ है। सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इस दौरान वह सम्मेलन में करीब ढाई से तीन घंटे देश और दुनिया के उद्योगपतियों के साथ रहेंगे। इस दौरान कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। गुरुवार को कलाकारों ने इसकी रिहर्सल की। जौलीग्रांट एयरपोर्ट पर देश-विदेश से आने वाले मेहमानों का स्वागत ढोल-दमाऊ की थाप और तुलसी की माला पहनाकर होगा। निवेशक सम्मेलन के पहले दिन चार प्रमुख सत्र होंगे। उद्घाटन सत्र के दौरान देश के छह प्रमुख उद्योगपतियों का भी संबोधन होगा, जो उत्तराखंड में निवेश की संभावनाओं के बारे में अपना विजन रखेंगे। सम्मेलन में उद्योगपति मुकेश अंबानी, गौतम अदाणी, संजीव पुरी, सज्जन जिंदल, बनमाली अग्रवाल, चरणजीत बनर्जी, बाबा रामदेव के अलावा स्पेन, स्लोवानिया, नेपाल, क्यूबा, ग्रीस, आस्ट्रिया, जापान, सऊदी अरब के राजदूत समेत आठ हजार से अधिक निवेशक और उनके प्रतिनिधि शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में बड़े उद्योग घरानों के उद्योगपतियों के साथ निवेश पर करार किया जाएगा। उद्योगपति मुकेश अंबानी और गौतम अदाणी भी देवभूमि उत्तराखंड में निवेश का एलान कर

एनसीसी कैड्टस ने सीखे सुरक्षा के गुर

रोहड़ू। सरस्वती नगर महाविद्यालय में एनसीसी एटीसी-241 सात दिवसीय शिविर में कैडेट्स ने बचाव के गुर सीखे। 8-एचपी बटालियन रामपुर बुशहर द्वारा आयोजित शिविर का नेतृत्व कर्नल धीरेंद्र सिंह ने किया। शिविर में तीन महाविद्यालयों और नौ विद्यालयों के कुल 350 कैडेट्स ने भाग लिया। इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रेम प्रकाश चौहान भी उपस्थित रहे। शिविर में एनडीआरएफ की टीम ने कैडेट्स को आपातकालीन स्थिति में बचाव कार्य करने का भी प्रशिक्षण दिया। शिविर में 18 अधिकारियों ने एनसीसी कैडेट्स को प्रशिक्षित किया। शिविर में कमांडिंग ऑफिसर के अलावा लेफ्टिनेंट कर्नल नरेश कुमार, एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. रोहित मोक्टा, सृजित कुमार, सूबेदार बलबीर, ओमराज और रंजीत सिंह उपस्थित रहे।

क्या तीन राज्यों के नतीजों से सीख लेगी कांग्रेस?

❖ हिंदुत्व कार्ड खेलने और ओडिशा में हार के बाद कांग्रेस की श्रीमंदिर की राजनीति पर सवाल उठ रहा है।

संवाददाता

भुबनेस्र्व। तीन राज्यों में हिंदुत्व कार्ड खेलने से कांग्रेस को हार का सामना करना पड़ा है. तो बात ये है कि सालों से धर्मनिरपेक्षता की छवि रखने वाली ये सबसे पुरानी पार्टी हिंदुत्व का लबादा पहनकर मतदाताओं को आकर्षित नहीं कर सकती. हाल ही में कांग्रेस ने श्रीमंन्दि के चारों दरवाजे खोलने की मांग को लेकर पुरी में एक विशाल विरोध रैली की थी.जब सरकार ने मांग नहीं मानी तो उन्होंने तुलसीं की यात्रा की और उन पर दबाव बनाने की कोशिश की। राजनीतिक समीक्षकों की राय में पुरी मंदिर को लेकर कांग्रेस की राजनीति शायद काम न करे. पार्टी को 2023 के चुनाव का उदाहरण लेकर 2024 की रणनीति तैयार करनी होगी। भाजपा के हिंदुत्व दृष्टिकोण ने हमेशा इस समुदाय के मतदाताओं को आकार दिया है। ओडिशा में बीजेपी की हिंदुत्व छवि का मुकाबला करने के लिए बीजेडी सरकार ने भी श्रीजगन्नाथ के साथ राजनीति शुरू कर दी है. कुछ ही दिनों में मंदिर की परिक्रमा परियोजना पूरी हो जायेगी. राज्य भर के विभिन्न मंदिरों के बुनियादी ढांचे में सुधार से बीजेडी को फायदा हो सकता है। इसलिए हिंदू भावना और श्रीजगन्नाथ के मुद्दे से कांग्रेस जो लाभ उठाने की कोशिश कर रही है, वह शायद नहीं मिल पाएगा. 2024 के चुनावों के लिए कांग्रेस को अन्य राजनीतिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना होगा। पार्टी के वरिष्ठ विधायक तारा बाहिनीपती ने भी इस बात को स्वीकार किया. तेलंगाना में सफलता के बाद कांग्रेस को दक्षिण ओडिशा में जीत की ज्यादा संभावनाएं दिख रही हैं. रेवंत रेड्डी या डीके शिवकुमार जैसे चेहरे दक्षिण ओडिशा में कांग्रेस को यह फायदा पहुंचा सकते हैं। इसलिए, तारा बाहिनीपति ने कहा, वह दक्षिण ओडिशा का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं।

चाय बनाते समय महिला की साड़ी में लगी आग

बुरी तरह झुलसी, कमरे का सामान भी हुआ राख

एजेंसी

देहरादून। तड़के महिला कमरे में गई और चाय बनाते समय उसकी सिल्क की साड़ी ने आग पकड़ ली। इससे पहले की महिला कुछ कर पाती कमरे में भी आग लग गई और आग के कारण उसकी कमर व पैर का पूरा हिस्सा बुरी तरह से झुलस गया। ऋषिकेश में गुरुवार तड़के चाय बनाने के दौरान एक महिला की साड़ी में आग लग गई। हादसे में महिला बुरी तरह झुलस गई है। महिला को एम्स में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि गंगा नगर गणेश विहार गली नंबर चार में महिला यसोदा चमोली पत्नी मुरलीधर चमोली के घर पुताई का काम चल रहा है। जिसके चलते उन्होंने एक ही कमरे में रसोई व अन्य कमरों का सामान रखा हुआ है। तड़के महिला कमरे में गई और चाय बनाते समय उसकी सिल्क की साड़ी ने आग पकड़ ली। इससे पहले कि महिला कुछ कर पाती कमरे में भी आग लग गई और आग के कारण उसकी कमर व पैर का पूरा हिस्सा बुरी तरह से झुलस गया।

चीखें सुनकर पहुंचे लोग

महिला की चीखें सुनकर परिजन और पड़ोसी वहां पहुंचे। इस दौरान पार्षद ब्रिजपाल राणा ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। टीम ने पहुंचते ही आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक सारा सामान जलकर राख हो चुका था। वहीं, महिला को भी एम्स में भर्ती कराया

शादी का झांसा देकर बनाता रहा संबंध

अब कहीं और तय किया रिश्ता, युवती ने पुलिस में की शिकायत

एजेंसी

ऊधम सिंह नगर। काशीपुर में एक युवती ने एक मेडिकल स्टोर संचालक पर घर बुलाकर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि इसके बाद शादी का झांसा देकर उसका कई बार शारीरिक शोषण किया। काशीपुर में एक युवती ने एक मेडिकल स्टोर संचालक पर घर बुलाकर कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बना लेने का आरोप लगाया है। आरोप है कि इसके बाद शादी का झांसा देकर उसका कई बार शारीरिक शोषण किया। अब आरोपी शादी से इंकार कर उसे ब्लैकमेल कर जान से मारने की धमकी दे रहा है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कोतवाली क्षेत्र निवासी एक युवती ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि विजयनगर, नई बस्ती निवासी आरिफ खान ने उसे फोन कर मेडिकल स्टोर खोलने के लिए लोन की जरूरत होने के बारे में कहा। लोन से संबंधित कागजातों के बारे में बताने के बाद से आरिफ उसका रास्ते में पीछा करने लगा और फोन करने लगा। जिससे उसकी दोस्ती हो गयी। बताया कि आरिफ ने उसके समक्ष शादी का प्रस्ताव रखा और फिर उनका मिलना-जुलना होने लगा। इस दौरान उसने झूठ बोलकर तबियत खराब होने का बहाना बनाकर उसे अपने घर बुलाया और कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाये। शादी के नाम पर कई बार शारीरिक शोषण भी किया। युवती के शादी करने की बात पर आरिफ उसे टालता रहा। बाद में वह पीड़िता को ब्लैकमेल करने लगा और कहा कि अगर किसी को भी हमारे बारे में बताया तो पीड़िता की फोटो फेसबुक पर वायरल कर देगा। उसके बाद आरोपी ने रिश्ता कहीं और तय होने की बात पीड़िता से कही। साथ ही पीड़िता को भी कहीं और शादी करने को कहा। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि अब वह शादी करने से मना कर रहा है और रास्ते में रोककर जान से मारने की धमकी दे कर ब्लैकमेल कर रहा है। जिससे उसे अत्यधिक मानसिक क्षति हो रही है। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

चूड़धार यात्रा पर साढ़े चार महीने के प्रतिबंध

एजेंसी

शिमला। उधर, 1 दिसंबर से चूड़धार स्थित शिरगुल देवता मंदिर के कपाट बंद होने के साथ ही चूड़धार यात्रा पर भी सुरक्षा की दृष्टि से सर्दियों के साढ़े चार महीने के लिए प्रतिबंध लग गया है। हर साल 1 दिसंबर को चूड़धार में विराजमान शिरगुल देवता मंदिर के कपाट बंद होने के साथ ही अप्रैल माह में बैसाखी तक चूड़धार यात्रा पर प्रतिबंध लग जाता है। दिसंबर माह में बर्फबारी के बाद मंदिर प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष उपमंडलाधिकारी (नागरिक) चौपाल नारायण चौहान ने चूड़धार यात्रा पर प्रतिबंध संबंधी अधिसूचना जारी कर दी है । उन्होंने कहा दिसंबर महीने में चूड़धार में अत्यधिक बर्फबारी के चलते तापमान शून्य से नीचे रहता है। चूड़धार के रास्तों पर यात्रा में अत्यधिक जोखिम रहता है।

चूड़धार में गिरती है 10 से 25 फीट तक बर्फ

सर्दियों में चूड़धार में 10 से 25 फीट तक बर्फ रहती है। इस दौरान वहां पर खाने व रहने की भी कोई व्यवस्था नहीं रहती। पूर्व में कई बार कुछ श्रद्धालु, ट्रैकर सर्दियों में चूड़धार की यात्रा पर जाकर खुद को मुसीबत में डाल चुके हैं। मंदिर प्रबंधन कमेटी के अध्यक्ष एसडीएम चौपाल नारायण चौहान ने लोगों से आग्रह किया है कि अप्रैल महीने में बैसाखी वाले दिन कपाट खुलने तक चूड़धार की यात्रा न करें।

लियोनल मेसी की अर्जेंटीना मुश्किल ग्रुप में

कोलंबिया और पैराग्वे से होगी ब्राजील की टक्कर

एजेंसी

नई दिल्ली। मेसी और उनकी टीम के पास ग्रुप दौर में ही एक बदला लेने का मौका है। अर्जेंटीना के साथ चिली भी ग्रुप ए में है। उसने 2015 और 2016 कोपा अमेरिका के फाइनल में अर्जेंटीना को हराया था। मेसी इस बार हिसाब बराबर करना चाहेंगे।

दक्षिण अमेरिका के सबसे बड़े टूर्नामेंट कोपा अमेरिका के लिए ड्रॉ जारी कर दिया गया है। अमेरिका में होने वाले इस टूर्नामेंट में 16 टीमें हिस्सा लेंगी। मौजूदा चैंपियन अर्जेंटीना को ग्रुप ए में जगह मिली है। उसकी नजर लगातार दूसरी बार खिताब जीतने पर है। कप्तान लियोनल मेसी और उनकी टीम के पास ग्रुप दौर में ही एक बदला लेने का मौका है। अर्जेंटीना के साथ चिली भी ग्रुप ए में है। उसने 2015 और 2016 कोपा अमेरिका के फाइनल में अर्जेंटीना को हराया था। मेसी इस बार हिसाब बराबर करना चाहेंगे। टूर्नामेंट में 10 दक्षिण अमेरिकी टीमें और कोनकाकैफ क्षेत्र के छह क्वालीफायर शामिल हैं। पिछले साल विश्व कप जीतने वाली अर्जेंटीना की टीम 20 जून को अटलांटा में कनाडा या त्रिनिदाद और टोबैगो के खिलाफ टूर्नामेंट की शुरुआत करेगी। कनाडा या त्रिनिदाद और टोबैगो की टीमें प्लेऑफ में उतरेंगी। दोनों में से किसी एक को टूर्नामेंट में जगह मिलेगी। अर्जेंटीना की टीम इसके बाद 25 जून को न्यू जर्सी में चिली के खिलाफ खेलेगी। ग्रुप ए में अर्जेंटीना अपना आखिरी मैच वह मियामी में 29 जून को पेरू के खिलाफ खेलेगा।

मैक्सिको ग्रुप बी और उरुग्वे ग्रुप सी में

मैक्सिको की टीम को ग्रुप बी में जगह मिली है। उसके साथ इक्वाडोर, वेनेजुएला और जमैका है। वहीं, ग्रुप सी में उरुग्वे के साथ अमेरिका, पनामा और बोलिविया है। पांच बार के विश्व चैंपियन ब्राजील को कठिन ग्रुप में जगह मिली है। उसके साथ ग्रुप डी में कोलंबिया और पैराग्वे जैसी अच्छी टीमें हैं। प्लेऑफ के जरिए कोस्टारिका या हांडुरास की टीम इस ग्रुप से जुड़ेगी।

24 जून को ब्राजील खेलेगा अपना पहला मैच

अगले साल के कोपा अमेरिका को संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होने वाले 2026 विश्व कप के लिए एक प्रभावी परीक्षण के रूप में देखा जा रहा है। ब्राजील अपना पहला मैच 24 जून को कोस्टारिका या हांडुरास के खिलाफ खेलेगा। 28 जून को उसका सामना लास वेगास में पैराग्वे से होगा। ग्रुप में ब्राजील का आखिरी मैच 28 जून को कोलंबिया से होगा। टूर्नामेंट के लिए 14 मैदानों का इस्तेमाल किया जाएगा। टूर्नामेंट का सेमीफाइनल नौ और 10 जुलाई को

सेना के निशानेबाज नवीन ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में जीते दो स्वर्ण

एजेंसी

नई दिल्ली। आर्मी मार्क्समैनशिप यूनिट के निशानेबाज नवीन ने भोपाल में गुरुवार को संपन्न पिस्टल स्पर्धाओं की राष्ट्रीय चैंपियनशिप में पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत और टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक के साथ दोहरी सफलता हासिल की। नवीन ने एमपी राज्य निशानेबाजी अकादमी रेंज में हुए फाइनल में 246.2 अंक के साथ उत्तर प्रदेश के विवेक को पछाड़ा जिसने 244.0 अंक जुटाए। नौसेना के उज्ज्वल मलिक 221.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। नवीन, सागर डांगी और बिशाल श्रेष्ठ की तिकड़ी ने इसके बाद टीम स्पर्धा में 1742 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। नौसेना की टीम 1737 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रही जबकि हरियाणा ने कांस्य पदक जीता। क्वालिफिकेशन में सेना के निशानेबाज निशांत रावत ने 589 अंक के साथ नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। नवीन ने क्वालिफिकेशन में चार अन्य निशानेबाजों के समान 581 अंक जुटाए लेकिन '10 अंक के अंदरूनी' हिस्से में अधिक निशाने लगाकर आठवें स्थान पर रहते हुए फाइनल में पहुंचे। पुरुष 10 मीटर एयर पिस्टल वर्ग में 1213 निशानेबाजों ने हिस्सा लिया।

गौतम गंभीर पर आरोप लगाने के बाद मुश्किल में श्रीसंत

LLC के कमिश्नर ने थमाया नोटिस

संवाददाता

नई दिल्ली। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज श्रीसंत पूर्व ओपनर गौतम गंभीर पर आरोप लगाने के बाद मुश्किलों में घिर गए हैं। श्रीसंत ने गंभीर पर आरोप लगाया था कि पूर्व भारतीय बल्लेबाज ने उन्हें लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी) के मैच के दौरान फीक्सर कहा था। अब एलएलसी के कमिश्नर ने इस मामले में श्रीसंत को कानूनी नोटिस भेजा है। एलएलसी कमिश्नर उनके सोशल मीडिया पर दिए गए बयान से खुश नहीं हैं। उनका कहना है कि यह तेज गेंदबाज की ओर से अनुबंध का उल्लंघन है। एलएलसी द्वारा जारी कानूनी नोटिस के अनुसार, मैदान पर घटना के बारे में सोशल मीडिया पर श्रीसंत का बयान अनुबंध का उल्लंघन था। माना जा रहा है कि नोटिस में कहा गया है कि श्रीसंत के साथ तब तक कोई बातचीत संभव नहीं है जब तक वह सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए सभी वीडियो नहीं हटा देते। नोटिस में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि मैदानी अंपायरों ने मैदान पर गंभीर द्वारा किसी अपशब्द के इस्तेमाल का जिक्र नहीं किया है।

गंभीर के पोस्ट पर श्रीसंत का कमेंट

घटना के बाद गंभीर ने सोशल मीडिया पर अपनी एक पुरानी तस्वीर पोस्ट की। इसमें वह मुस्कुरा रहे हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मुस्कुराइए! जब दुनिया में लोग सिर्फ ध्यान खींचने की कोशिश कर रहे हैं। अब श्रीसंत ने उनके पोस्ट पर डायरेक्ट कमेंट करके अपना गुस्सा निकाला।

श्रीसंत ने गंभीर के पोस्ट पर क्या लिखा?

श्रीसंत ने कमेंट में लिखा, आपने एक खिलाड़ी और एक भाई की सीमाओं को पार कर लिया है। आप लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। फिर भी हर क्रिकेटर के साथ विवादों में उलझे रहते हैं। आपके साथ क्या समस्या है? मैंने बस मुस्कुराया और देखा। आपने मुझे फिक्सर करार दिया? सच में? क्या आप सुप्रीम कोर्ट से ऊपर हैं? आपके पास इस तरह से बोलने और जो चाहे कहने का कोई अधिकार नहीं है। आपने मौखिक रूप से अंपायरों को भी गाली दी और फिर भी आप मुस्कुराने की बात करते हैं?

मुंबई में होगी महिला प्रीमियर लीग की नीलामी

एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात जाएंट्स 5.95 करोड़ रुपये के सबसे बड़े पर्स के साथ नीलामी में उतरेगा। उसके पास 10 खिलाड़ियों की जगह खाली है। मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस के पर्स में सबसे कम 2.1 करोड़ रुपये बचे हैं जबकि दिल्ली कैपिटल्स के पास नीलामी के लिए केवल तीन स्लॉट उपलब्ध हैं। महिला प्रीमियर लीग के दूसरे सीजन के लिए खिलाड़ियों की नीलामी शनिवार (नौ दिसंबर) को होगी। नीलामी का आयोजन मुंबई में किया जाएगा। इस बार 30 स्थानों के लिए 165 खिलाड़ी दौड़ में हैं। पांच टीमों ने पहले ही अपने रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की सूची जमा कर दी है और उन्हें अगले सीजन के लिए अपनी टीम को मजबूत करने का आखिरी मौका मिलेगा। नीलामी के लिए चुने गए 61 गैर-भारतीय खिलाड़ियों में श्रीलंका की चमारी अट्टापट्टी, वेस्टइंडीज की डिएंड्रा डॉटिन और दक्षिण अफ्रीका की शबनम इस्माइल प्रमुख हैं। गुजरात जाएंट्स 5.95 करोड़ रुपये के सबसे बड़े पर्स के साथ नीलामी में उतरेगा। उसके पास 10 खिलाड़ियों की जगह खाली है। मौजूदा चैंपियन मुंबई इंडियंस के पर्स में सबसे कम 2.1 करोड़ रुपये बचे हैं जबकि दिल्ली कैपिटल्स के पास नीलामी के लिए केवल तीन स्लॉट उपलब्ध हैं।

कैसी थी विश्व कप फाइनल में इस्तेमाल की गई पिच?

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम पिछले महीने विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार गई थी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कंगारू टीम ने लक्ष्य का पीछा करते हुए मैच को अपने नाम कर लिया था। इस हार के बाद बीसीसीआई ने बैठक में कोच राहुल द्रविड़ से बात की तो भारतीय कोच ने पिच पर सवाल उठाए थे। अब आईसीसी ने पिच की रेटिंग जारी कर दी है। उसने फाइनल में इस्तेमाल की गई पिच को औसत करार दिया है। आईसीसी ने पिच को भले ही औसत करार दिया है, लेकिन आउटफील्ड को शानदार बताया गया है। आईसीसी के मैच रेफरी और जिम्बाब्वे के पूर्व बल्लेबाज एंडी पाइक्रॉफ्ट ने आउटफील्ड को %बहुत अच्छा% माना। ऑस्ट्रेलिया ने फाइनल जीतकर छठी बार विश्व कप अपने नाम किया था। उसने खिताबी मुकाबले में भारत को छह विकेट से हराया था। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। भारतीय टीम ने 50 ओवर में 240 रन बनाए थे। जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 43 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया था। ट्रेविस हेड ने उसके लिए 120 गेंद पर 137 रन बनाए थे।

चार मैदानों की पिचों को भी औसत बताया गया

भारत के लीग मैचों के दौरान कोलकाता, लखनऊ, अहमदाबाद और चेन्नई में इस्तेमाल किए गए पिचों को भी औसत बताया गया है। इन मैदानों पर टीम इंडिया ने क्रमशः दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, पाकिस्तान और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच खेला था। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए सेमीफाइनल मैच में इस्तेमाल की गई पिच को अच्छा बताया गया।

श्रीनाथ ने ईडन गार्डन्स के आउटफील्ड को बेहतर बताया

आईसीसी ने कोलकाता के ईडन गार्डन्स पिच को भी औसत बताया है। इस मैदान पर ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरा सेमीफाइनल मैच खेला गया था। ऑस्ट्रेलिया ने 49.4 ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 212 रन पर रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया ने 47.2 ओवरों में सात विकेट पर लक्ष्य को हासिल कर लिया। आईसीसी मैच रेफरी और पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जवागल श्रीनाथ ने ईडन गार्डन्स के आउटफील्ड को बहुत अच्छा बताया।

क्या भारत में भी बढ़ रहा है रहस्यमयी निमोनिया का खतरा?

नई दिल्ली। पिछले एक महीने में चीन में आश्चर्जनक रूप से निमोनिया के मामलों में वृद्धि देखी गई। माइकोप्लाज्मा निमोनिया, नामक इस रोग से सबसे ज्यादा बच्चे प्रभावित हुए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अस्पतालों के आपातकालीन विभाग में निमोनिया और श्वसन संक्रमण की शिकायत के साथ मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हुआ है। अधिकारियों ने सभी लोगों को अलर्ट रहने और सुरक्षात्मक उपाय करते रहने की सलाह दी है। चीन में अचानक बढ़े संक्रामक एच9एन2 के मामलों पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) गंभीरता से नजर बनाए हुए है। डब्ल्यूएचओ ने अधिकारियों से लगातार स्थिति की जानकारी देते रहने और देश में बढ़ते संक्रामक रोग की रोकथाम के लिए प्रयास करते रहने की सलाह दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि चीन के साथ अन्य देशों को भी अलर्ट पर रहने की आवश्यकता है। इस बीच कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि माइकोप्लाज्मा निमोनिया के मामले भारत में भी रिपोर्ट किए जा रहे हैं। क्या वास्तव में ऐसा है, आइए जानते हैं।

सरकार ने दावों को किया खारिज

चीन में निमोनिया के मामलों में हालिया वृद्धि के साथ भारत में भी इसके रोगजनकों की पुष्टि को लेकर रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है। हालांकि इसे पूरी तरह से खारिज करते हुए गुरुवार (7 दिसंबर) को भारत सरकार ने स्पष्ट कहा है कि इस तरह की मीडिया रिपोर्ट्स भ्रामक और गलत हैं। पीआईबी ने विज्ञप्ति जारी कर कहा- दिल्ली एम्स में बैक्टीरियल संक्रमण के कुछ मामलों को चीन में निमोनिया से जोड़कर किए जा रहे दावे गलत हैं। माइकोप्लाज्मा निमोनिया, निमोनिया के सबसे आम प्रकारों में से एक है। एम्स दिल्ली में निमोनिया के मामलों का चीन के बच्चों में रिपोर्ट किए गए श्वसन संक्रमण से कोई संबंध नहीं है। भारत सरकार यहां अलर्ट है और सुरक्षा के सभी उपायों का गंभीरता से पालन किया जा रहा है।

चेहरे पर रेगुलर घी लगाने से जवां ग्लोइंग और मुलायम रहेगी स्किन

रात में फेस पर घी अप्लाई करने से त्वचा संबंधी कई गंभीर समस्याओं में फायदा मिलता है। फेस पर घी अप्लाई करने से रिंकल्स और फाइन लाइन्स की समस्याएं कम होती हैं और चेहरे का ग्लो भी बढ़ता है। वैसे तो घी खाने के फायदे हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि घी हमारी त्वचा के लिए काफी फायदेमंद होता है। आपको बता दें कि घी में वॉटर कंटेंट पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। घी को त्वचा पर लगाने से हमारी त्वचा हाइड्रेटेड रहती हैं और त्वचा को भरपूर पोषण मिलता है। रात में फेस पर घी अप्लाई करने से त्वचा संबंधी कई गंभीर समस्याओं में फायदा मिलता है। फेस पर घी अप्लाई करने से रिंकल्स और फाइन लाइन्स की समस्याएं कम होती हैं और चेहरे का ग्लो भी बढ़ता है। हांलाकि त्वचा पर घी लगाने के अपने फायदे होते हैं। लेकिन अगर आप इसका गलत तरीके से इस्तेमाल करते हैं, तो आपको कई समस्याएं हो सकती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको चेहरे पर घी लगाने के सही तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही यह भी जानेंगे कि इससे जुड़ी कौन की सावधानियां आपको बरतनी होगी।

बता दें कि फेस पर घी अप्लाई करने के कई फायदे होते हैं। घी में विटामिन ए, विटामिन सी जैसे कई विटामिन्स पाए जाते हैं। घी के सेवन से हमारी स्किन का ग्लो बढ़ता है और एंटी-एजिंग में भी घी फायदेमंद होता है। घी में एंटी-ऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो हमारी त्वचा का निखार लाने में मदद करता है। चेहरे पर खुजली, होंठ फटना और इचिंग जैसी परेशानियों में भी अच्छा माना जाता है। घी में मौजूद एंटी-एजिंग हमारे फेस पर उम्र के कारण आने वाले प्रभावों को कम करता है। लेकिन घी का फेस पर सही तरीके से इस्तेमाल न करने पर इसके कई नुकसान भी हो सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

फेस पर घी लगाने के दौरान आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। घी को चेहरे पर अप्लाई करने से पहले अच्छे से फेसवॉश कर लें। वहीं चेहरे पर घी लगाने के बाद अच्छे से मसाज करें। इससे आपको दोगुना फायदा मिलेगा। अगर आप घी के साथ केसर का इस्तेमाल करते हैं तो इसको स्किन के लिए काफी ज्यादा फायदा मिलता है। केसर की कुछ पंखुड़ियों को घी में मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लें। फिर इसको 20 मिनट के लिए चेहरे पर अप्लाई कर लें। 20 मिनट बाद नॉर्मल पानी से चेहरे को धो लें। घी का बेसन के साथ इस्तेमाल करने पर पिगमेंटेशन की समस्या खत्म होती है। साथ ही झुर्रियां और दाग-धब्बों को भी कम करने में यह नुस्खा काफी कारगर है। घी को गुलाबजल के साथ मिलाकर चेहरे पर लगा लें। फिर करीब 1 घंटे बार नॉर्मल पानी से चेहरा धो लें।

ऑयली और सेंसिटिव स्किन होने पर चेहरे पर घी लगाने से पहले एक्सपर्ट्स की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

आपको बता दें कि रात को सोने के दौरान स्किन पर घी अप्लाई करने से रंग में बदलाव लाया जा सकता है। अगर आप भी डार्क रंग से परेशान हैं, तो घी का इस तरह से इस्तेमाल करने से आपको फायदा मिलेगा।

इस योगासन से हमेशा एक्टिव रहता है शरीर, बढ़ता है स्टैमिना और इम्यूनिटी होती है मजबूत

आज कल की भागमभाग जिंदगी में स्वस्थ रहना है, तो योग करना बहुत जरूरी है। योग करन से कई तरह की बामीरियों से आप बचे रहते हैं। माना जाता है कि योग मानव जीवन का एक अहम हिस्सा है। वर्तमान समय में योगा का महत्व काफी बढ़ गया है। आप अपने में जीवन में योग शामिल कर स्वस्थ रह सकते हैं। इसके साथ ही योगा करने से शरीर की इम्यूनिटी बढ़ती है। आज हम आपको कुछ योग के बारे में बताएंगे, जिससे आप क्टिव महसूस करेंगे। इसके साथ ही इन योग को करने से स्टैमिना बढ़ता है।

बालासन

बालासन को करने से शरीर की सुस्ती और थकान दूर होती है। शरीर स्वस्थ रहता है और दिमाग को तरोताजा रखने के लिए बालासन सबसे अच्छा है।

उत्कट कोणासन

योगासन को करने से मांसपेशियों में मजबूती आती है। इससे पैर और टांगों में होने वाला दर्द दूर रहता है। इससे मन शांत रहता है और नियंत्रण में रहता है। इससे आपके फोकस बढ़ता है। योग से पीठ का दर्द भी ठीक होता है।

सेतुबंधासन

इस योगासन से आपके पेल्विक फ्लोर मसल्स (श्वद्यद्य1द्बष्ठ द्घद्यश्रश्रह्न द्वह्वह्यष्द्यद्ग) को मजबूत बनाता है। इसके साथ ही इस आसान से पीरियड के दौरान होने दर्द कम होता है, जिससे आपको काफी हद तक आराम मिलेगा। इस आसन से आपके बाजुओं में होने वाली स्टिफनेस भी कम होता है।

कास्टिक सोडा से चुटकियों में चमक जाएगी किचन सिंक हाइजीन के साथ सेहत भी रहेगी बेहतर

अगर आपके घर की किचन सिंक भी अक्सर जाम हो जाती है। तो हम आपको इसकी सफाई के लिए कुछ आसान उपाय बताने जा रहे हैं। इन तरीकों को आजमाने से किचन सिंक चमक उठेगा और इसमें जमा गंदगी भी साफ हो जाएगी। हर घर में किचन सिंक का इस्तेमाल रोजाना होता है। वहीं कई बार इसमें बचा हुआ खाना फंस जाता है। ऐसा होने पर सिंक जाम हो जाता है और पानी का बहाव धीमा या फिर एकदम रुक जाता है। जिसके कारण यह न सिर्फ किचन की खूबसूरती को कम करता है, बल्कि पानी फंसने के कारण इससे दुर्गंध भी आने लगती है।

ऐसे में अगर आपके घर की किचन सिंक भी अक्सर जाम हो जाती है। तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिंक से जुड़ी परेशानियों को सही करने के कुछ आसान तरीकों के बारे में बताने जा रहे हैं। इन तरीकों को आजमाने से किचन सिंक चमक उठेगा और इसमें जमा गंदगी भी साफ हो जाएगी।

अपनाएं ये तरीके

आप किचन सिंक को चमकाने के लिए कास्टिक सोडा का इस्तेमाल कर सकती हैं। कई बार किचन के सिंक का नल खराब हो जाने के कारण इससे लगातार पानी की हल्की सी धारा निकलती रहती है। जिसके कारण सिंक में काई जमने लगती है। वहीं लगातार पानी बहने की वजह से ड्रेन पाइप काई के अलावा अन्य गंदगी जमा हो जाती है। ऐसे में आप कास्टिक सोडा की मदद से इसकी सफाई कर सकती हैं।

कास्टिक सोडा से करें किचन सिंक की सफाई

- किचन सिंक की कास्टिक सोडा से सफाई करने के लिए सबसे पहले हाथों में ग्लव्स पहन लें।
- इसके बाद कास्टिक सोडा, बेकिंग सोडा, सिरका और लिक्विड डिश वॉश को एक बाउल में डालकर अच्छे से मिक्स कर लें।
- फिर स्क्रबर की सहायता से इसको सिंक के चारों ओर लगाएं।
- इस लिक्विड को सिंक में लगाने के बाद इसे 30 मिनट के लिए ऐसे ही थोड़ दें।
- अब स्टील के स्क्रबर और ब्रश की सहायता से सिंक को रगड़ना शुरूकर दें।
- धीरे-धीरे किचन सिंक में जमा सारी गंदगी साफ हो जाएगी।

यह तरीका भी कर सकते हैं ट्राई

- यदि पहले तरीके से सिंक अच्छे से साफ न हुआ तो आप यह तरीका भी आजमा सकती हैं।
- एक बाउल में कास्टिक सोडा और बाथरूम क्लीनर मिक्स कर लें।
- इस मिक्सचर को स्क्रबर की सहायता से 20 मिनट के लिए किचन सिंक पर लगा दें।
- फिर समय पूरा होने पर सिंक को स्क्रबर से रगड़ें।
- इसके साथ ही सिंक के जाम को सही करने के लिए दो कटोरी कास्टिंक सोडा सिंक में डाल दें।
- अब ऊपर से ठंडा पानी जालकर इसे 30 मिनट के लिए ऐसे छोड़ दें।
- फिर दोबारा पानी डालकर सिंक अच्छे सो धो लें।
- इस आसान तरीके से सिंक से जुड़ी सभी समस्याएं दूर हो जाएंगी।

स्वामी, प्रकाषक, मुद्रक विवेक श्रीवास्तव द्वारा ओम साईं क्रियेषन्स, आषा काम्प्लवे स, इन्दिरा नगर लखनऊ से मुद्रित एवं पहला तल, निधि काम्प्लेक्स, विकास नगर लखनऊ (उ0प्र0) से प्रकाषित।
RNI No.UPHIN/2015/6090 सम्पादक- विवेक श्रीवास्तव, फोन नं0- 8004949556, 7570901365 Email. info@theachievertimes.com किसी भी वाद विवाद का निस्तारण लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।